नई दिल्ली । रविवार, 10 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सप्तमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :124 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल नाडा ने यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा ...
@ साहित्य केसरी मौत का इंटरव्यू
@ व्यापार गुजरात ने बढ़ाई बैटरी ऊर्जा स्टोरेज...

सुवेंदु अधिकारी बने बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री

पांच अन्य नेताओं ने साथ में ली मंत्री पद की शपथ

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति में शनिवार को एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया, जब पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आई और सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। कोलकाता में आयोजित भव्य समारोह में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने सुवेंदु अधिकारी और उनके साथ पांच अन्य मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

सुवेंदु अधिकारी के साथ जिन नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली, उनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निसिथ प्रमाणिक शामिल हैं। भाजपा की इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही राज्य में पहली बार किसी दक्षिणपंथी दल की सरकार बनी है।

8 मई को भाजपा विधायक दल ने सुवेंदु अधिकारी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुना था। इसके बाद उनका मुख्यमंत्री बनना तय हो गया था। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज करते हुए राज्य की सत्ता पर कब्जा जमाया।

सुवेंदु अधिकारी का राजनीतिक सफर तीन दशक से अधिक लंबा रहा है। उन्होंने 1995 में कांथी नगरपालिका से पार्षद के रूप में राजनीति की शुरुआत की थी। इसके बाद वे तीन बार पार्षद रहे और कांथी नगरपालिका के चेयरमैन भी बने। उन्हें 20 साल से अधिक का विधायी अनुभव है।

जनशक्ति को नमन : पीएम मोदी ने साष्टांग प्रणाम कर जताया जनता का आभार

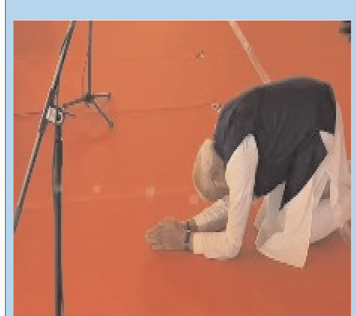

कोलकाता। राजनीति में प्रतीक, शब्द और संयोग अक्सर बड़े बदलावों की पटकथा लिखते हैं। कुछ ऐसा ही दृश्य पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में देखने को मिला। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की जनता के प्रति अपना आभार और सम्मान प्रकट करते हुए मंच पर लेटकर साष्टांग प्रणाम किया।

विजय आज बनेंगे तमिलनाडु के 9वें मुख्यमंत्री

शपथ समारोह सुबह 10 बजे

एजेंसी ■ चेन्नई

तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय रविवार सुबह तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। लोक भवन की ओर से जारी आधिकारिक बयान में इसकी घोषणा की गई है। शपथ ग्रहण समारोह चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में 10 मई को सुबह 10 बजे आयोजित होगा।

TVK को 5 पार्टियों का समर्थन

कुल सीटें: 234 । बहुमत: 118

पार्टी	सीटें
TVK	108
कांग्रेस	5
CPI	2
CPI (M)	2
VCK	2
IUML	2
कुल	121

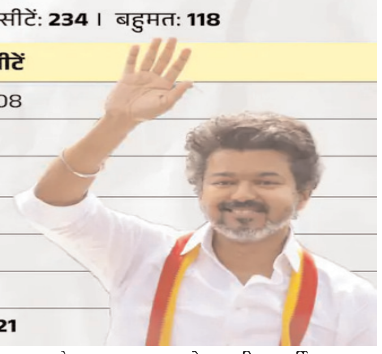

राजभवन के अनुसार, सी. जोसेफ विजय ने शुक्रवार को तमिलनाडु के राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें टीवीके विधायक दल का नेता चुने जाने संबंधी पत्र सौंपा। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) द्वारा समर्थन दिए जाने वाले पत्र भी राज्यपाल को सौंपे। इसके बाद राज्यपाल ने विजय को तमिलनाडु का मुख्यमंत्री नियुक्त करते हुए सरकार गठन के लिए आमंत्रित किया। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री नामित विजय को 13 मई तक विधानसभा में विश्वास मत हासिल करने का निर्देश भी दिया है।

बता दें कि तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर 23 अप्रैल को एक चरण में मतदान हुआ था। चुनाव में डीएमके, एआईएडीएमके, एनटीके और टीवीके के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

वोटों की गिनती 4 मई को हुई थी, जिसमें टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत के आंकड़े से पीछे रह गई थी। इसके बाद सरकार गठन को लेकर तेज राजनीतिक गतिविधियां शुरू हो गईं और टीवीके ने कई दलों व निर्दलीय विधायकों से समर्थन जुटाने के लिए बातचीत शुरू की।

सबसे पहले कांग्रेस ने विजय को समर्थन दिया, जिसके बाद भाकपा और माकपा ने भी टीवीके को समर्थन देने की घोषणा की थी। अब वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन के बाद टीवीके के पास बहुमत का आंकड़ा हो गया है।

योगी कैबिनेट का आज दूसरी बार विस्तार होगा

दोपहर 3:30 बजे 5-6 नए मंत्री शपथ लेंगे

एजेंसी ■ लखनऊ

योगी कैबिनेट का रविवार को दूसरी बार विस्तार होगा। दोपहर साढ़े 3 बजे 5-6 नए मंत्री शपथ लेंगे । सीएम योगी शनिवार शाम करीब साढ़े 6 बजे राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मिलने पहुंचे। योगी ने राज्यपाल को नए बनने वाले मंत्रियों की लिस्ट सौंपी।

कयास लगाए जा रहे हैं कि कुछ मंत्रियों की छुट्टी भी हो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो रविवार को शपथ लेने वाले मंत्रियों की संख्या बढ़ भी सकती है। सपा से बगावत करने वाले विधायक मनोज पांडेय का नाम फाइनल हो चुका है। पूजा पाल का भी मंत्री बनना लगभग तय है।

इनके अलावा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, सुरेंद्र दिलेर और कृष्णा पासवान के नाम पर भी मुहर लग चुकी है। नाई समाज से एमएलसी रामचंद्र प्रधान, विश्वकर्मा समाज से वाराणसी के भाजपा एमएलएसी हंसराज विश्वकर्मा को मंत्री बनाया जा सकता है।

ब्राह्मण समाज से पूर्व मंत्री श्रीकांत शर्मा, भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला भी मंत्री पद की दौड़ में हैं। अभी सीएम योगी को मिलाकर कुल 54 मंत्री हैं। इस तरह 6 मंत्री और बन सकते हैं। योगी 2.0 का पहला विस्तार लोकसभा चुनाव- 2024 से ठीक पहले 5 मार्च, 2024 को हुआ था।

केरल के सीएम पर सस्पेंस बरकरार, तीन घंटे की बैठक के बाद भी नहीं निकला निष्कर्ष

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केरल के अगले मुख्यमंत्री के नाम को लेकर सस्पेंस बरकरार है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर करीब तीन घंटे तक चली उच्च स्तरीय बैठक के बाद भी पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के चेहरे का ऐलान नहीं किया।

पार्टी के वरिष्ठ सूत्रों के मुताबिक, अंतिम फैसला कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर छोड़ा गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) केरल प्रभारी दीपादास मुंशी ने कहा कि आधिकारिक घोषणा 'उचित समय पर' की जाएगी।

बैठक में केरल कांग्रेस के प्रमुख नेताओं वीडी सतीशन, केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्नितला समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह बैठक राज्य में कांग्रेस के मजबूत प्रदर्शन के बाद नेतृत्व परिवर्तन को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से बुलाई गई थी।

हालांकि, लंबी चर्चा और लगातार विचार-विमर्श के बावजूद पार्टी ने फैसला सार्वजनिक नहीं किया, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि अभी और आंतरिक बातचीत हो सकती है।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में दीपादास मुंशी ने कहा, 'नाम की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। हमारे पास 23 मई तक का समय है, इसलिए उससे पहले कभी भी ऐलान हो सकता है।

उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व सभी पहलुओं पर सावधानीपूर्वक विचार कर रहा है, जिसके बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इस बीच, वीडी सतीशन ने केरल के कुछ हिस्सों में हुए विरोध प्रदर्शनों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं सामने आई हैं। हम पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अपील करते हैं कि वे संयम बनाए रखें और ऐसी गतिविधियों से बचें।

उनकी अपील का समर्थन केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्नितला ने भी किया। दोनों नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट रहने और धैर्य बनाए रखने की अपील की।

बैठक के बाद तीनों नेता कुछ समय के लिए फिर खड़गे के आवास लौटे और बाद में वहां से रवाना हो गए।

रमेश चेन्निथला ने कहा कि वह रविवार को केरल लौटेंगे। उन्होंने कहा, 'हमने राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ सभी मुद्दों पर चर्चा कर ली है। अब अंतिम फैसला वही करेंगे। फिलहाल मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदारों को लेकर अटकलों का दौर जारी है, लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस नेतृत्व संगठनात्मक एकता और सहमति का संदेश देना चाहता है। अब सबकी नजरें कांग्रेस नेतृत्व के अगले ऐलान पर टिकी हैं, जिसका इंतजार पूरा केरल कर रहा है।

ममता बनर्जी ने भाजपा विरोधी ताकतों से एकजुट होने का किया आह्वान

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में भाजपा को मिली प्रचंड बहुमत और टीएमसी की हार के बाद जब राज्य में शनिवार को सरकार का गठन हो गया तो 4 मई के बाद पहली बार पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सामने आईं और उन्होंने पूरे देश में भाजपा को रोकने के लिए सामान्य विचारधारा की पार्टियों को एकजुट होने का आह्वान किया।

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सभी भाजपा विरोधी राजनीतिक ताकतों- चाहे वे वामपंथी हों या दक्षिणपंथी- से तृणमूल कांग्रेस के साथ एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा, 'राज्य में हर जगह चुनाव के बाद हिंसा की गूंज सुनाई दे रही है। मैं सभी भाजपा विरोधी ताकतों, सभी छात्र और युवा संगठनों, और सभी गैर-सरकारी संगठनों से एकजुट होने का आह्वान करती हूं। हम भाजपा के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा बनाना चाहते हैं।

इस अवसर पर उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यहां तक कि उनकी कभी रही कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी सीपीआई(एम) और पश्चिम बंगाल में सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा का भी भाजपा के खिलाफ पश्चिम बंगाल में बनने वाले इस संयुक्त मोर्चे में स्वागत योग्य हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'वामपंथी, धुर-वामपंथी और कोई भी अन्य राष्ट्रीय पार्टी स्वागत योग्य है। आइए हम सब एक साथ आएं, एकजुट हों। कोई भी मुझसे संपर्क करने के लिए स्वागत योग्य है। अब से मैं हर दिन शाम 4 बजे से 6 बजे तक अपने कार्यालय में रहूंगी। मेरा पहला दुश्मन दुश्मन है। ममता बनर्जी के इस आह्वान पर सीधे तौर पर प्रतिक्रिया देने से इनकार करते हुए सीपीआई(एम) पोलित ब्यूरो सदस्य और पार्टी के पश्चिम बंगाल राज्य सचिव मो. सलीम ने गुरुदेव की दो पंक्तियां पढ़ीं- जीबोनो जोखोन शुकाये जाई, करुणा धाराई एशो' (जब जीवन सूख लगे तो करुणा की धारा बनकर आओ)। टैगोर की इस महत्वपूर्ण कविता का महत्व यह है कि ममता बनर्जी को अन्य भाजपा-विरोधी ताकतों की अहमियत का एहसास तब हुआ, जब हाल ही में संपन्न हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा और खुद ममता बनर्जी को भी भवानीपुर सीट पर नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से शिकस्त मिली।

ईडी ने पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को किया गिरफ्तार

एजेंसी ■ चंडीगढ़

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के प्रभावशाली कैबिनेट मंत्रियों में से एक संजीव अरोड़ा को यहां सेक्टर-2 स्थित उनके सरकारी आवास से गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई ईडी द्वारा वर्ष 2002 के पीएमएलए के तहत संजीव अरोड़ा के आवासों और कार्यालयों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाने के बाद की गई। हालांकि, उनकी गिरफ्तारी को लेकर ईडी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने दावा किया कि संजीव अरोड़ा को कथित जीएसटी धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया गया है।

शनिवार सुबह से ही ईडी संजीव अरोड़ा से जुड़े चार ठिकानों पर छापेमारी कर रही है और एक वर्ष में यह तीसरी रेड है। अप्रैल में भी ईडी ने दूसरी बार अरोड़ा के ठिकानों पर छापा मारा था। अधिकारियों के अनुसार, तलाशी अभियान चंडीगढ़ और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में चलाया गया। जिन परिसरों की तलाशी ली गई, उनमें चंडीगढ़ में कैबिनेट मंत्री के रूप में अरोड़ा को आवंटित सरकारी आवास भी शामिल है।

छापेमारी पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'आज एक बार फिर भाजपा की ईडी संजीव अरोड़ा के घर पहुंची है। एक साल में यह तीसरी बार है और पिछले एक महीने में दूसरी बार। फिर भी उन्हें कुछ नहीं मिला। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं मोदी जी को बताना चाहता हूं कि पंजाब गुरुओं की धरती है, जिसे औरंगजेब भी झुका नहीं सका। यह भगत सिंह की धरती है, जिन्होंने अंग्रेजों के सामने कभी सिर नहीं झुकाया। इसलिए पंजाब पीएम मोदी की चालों के सामने कभी नहीं झुकेगा। ईडी-भाजपा के इस अनैतिक गठजोड़ का अंत पंजाब से ही शुरू होगा। वर्ष 2024 में लुधियाना (पश्चिम) से विधायक अरोड़ा को औद्योगिक भूमि को आवासीय परियोजनाओं में बदलने से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की छापेमारी का सामना करना पड़ा था। उस समय वह राज्यसभा सांसद थे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'जब से मोदी सरकार सत्ता में आई है, हमने देखा है कि सीबीआई और ईडी भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग रोकने के बजाय अन्य पार्टियों को तोड़ने और नेताओं को डराकर भाजपा में शामिल कराने का काम कर रही हैं। ईडी की यह कार्रवाई भी उसी दिशा में एक कदम है... अकाली दल नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि ईडी की छापेमारी का संबंध हैम्पटन स्काई रियलटी लिमिटेड से जोड़ा गया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'ईडी 100 करोड़ रुपये के कथित फर्जी जीएसटी मोबाइल फोन खरीद और निर्यात रैकेट की जांच कर रही है, जो मनी लॉन्ड्रिंग और दुबई से भारत में धन की अवैध वापसी (राउंड ट्रिपिंग) से जुड़ा हुआ है।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि मंत्री संजीव अरोड़ा को गिरफ्तार कर लिया गया है। अरोड़ा की ईडी द्वारा गिरफ्तारी ने पंजाब में चल रहे कथित धोखाधड़ी और वित्तीय अनियमितताओं के नेटवर्क की गंभीरता को उजागर कर दिया है ।

उन्होंने मांग की, 'मुख्यमंत्री के ओएसडी राजबीर सिंह, नितिन गोहल, बीरदेविंदर सिंह और प्रीतपाल सिंह ढींढसा के खिलाफ तुरंत लुकआउट सर्कुलर जारी किए जाएं। जीएसटी धोखाधड़ी, दुबई से अवैध धन हस्तांतरण और संदिग्ध भूमि सौदों से जुड़े हर व्यक्ति की सख्त जांच होनी चाहिए। किसानों को यह जानने का अधिकार है कि उनकी जमीनें सस्ते में खरीदकर प्रभावशाली गठजोड़ के जरिए भारी मुनाफे पर कैसे बेची गईं।

मजीठिया ने आरोप लगाया कि पंजाब को भ्रष्टाचार, बिचौलियों और राजनीतिक संरक्षण का केंद्र नहीं बनने दिया जा सकता। उन्होंने कहा, 'अगर राज्य की विजिलेंस विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है, तो वही कानून सत्ताधारी नेताओं और उनके सहयोगियों पर भी समान रूप से लागू होना चाहिए।

बेरोजगार युवाओं के प्रति भाजपा का जवाब 'लाठियां': राहुल गांधी

एजेंसी ■ पटना

बिहार में चौथे चरण की शिक्षक भर्ती के विज्ञापन जारी करने की मांग को लेकर राजधानी पटना की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों पर कथित लाठीचार्ज के एक दिन बाद राहुल गांधी ने भाजपा के नेतृत्व वाली 'डबल इंजन' वाली सरकार पर निशाना साधा।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर बिहार पुलिस कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस ने रोजगार की मांग को लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों को एक बार फिर बेरहमी से पीटा है।

उन्होंने बेरोजगार युवाओं के प्रति सरकार के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि बेरोजगार युवाओं के प्रति भाजपा का जवाब-लाठियां। राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बेरोजगारी आज देश के सामने सबसे बड़ी समस्या बन गई है, जिसका सबसे गंभीर प्रभाव बिहार और उत्तर प्रदेश के युवाओं पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लाखों युवा, जिनके हाथों में डिग्रियां और हुनर है, दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन भाजपा की सरकार को न तो उनकी परवाह है और न ही आपकी। जब युवा अपने अधिकारों की मांग करने के लिए सड़कों पर उतरते हैं तो उन्हें हाथों में नौकरियां नहीं दी जातीं, बल्कि उनकी पीठ पर लाठियां बरसाई जाती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि देश के युवा भाजपा के झूठ से तंग आ चुके हैं। अब वे और चुप नहीं रहेंगे और कांग्रेस हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

राहुल गांधी का यह बयान शुक्रवार को पटना में शिक्षक अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज के बाद आया, जिसमें हजारों शिक्षक अभ्यर्थियों ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा शिक्षक भर्ती परीक्षा-4 (टीआरई- 4) के विज्ञापन को तत्काल जारी करने की मांग करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया।

जेपी गोलंबर के पास विरोध प्रदर्शन उस समय तनावपूर्ण हो गया, जब प्रदर्शनकारियों द्वारा कथित तौर पर बैरिकेड तोड़ने का प्रयास करने के बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया।

भारत ने मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल सिस्टम से उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली। भारत ने 8 मई, 2026 को ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) सिस्टम से उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस मिसाइल का परीक्षण कई विस्फोटकों के साथ किया गया, जिनका लक्ष्य हिंद महासागर क्षेत्र में एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र में फैले विभिन्न लक्ष्य थे।

कई जमीनी और जहाज-आधारित स्टेशनों ने टेलीमेट्री और ट्रैकिंग का कार्य किया। इन प्रणालियों ने मिसाइल के प्रक्षेपण से लेकर सभी विस्फोटकों के प्रभाव तक की पूरी यात्रा का पता लगाया। उड़ान डेटा से पता चला कि परीक्षण के दौरान मिशन के सभी उद्देश्य पूरे हुए।

भारत ने इस सफल परीक्षण से एक बार फिर एक ही मिसाइल प्रणाली का उपयोग करके कई महत्वपूर्ण लक्ष्यों को निशाना बनाने की क्षमता का प्रदर्शन किया। इस मिसाइल को डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं ने देश भर के उद्योगों के सहयोग से विकसित किया है। इस परीक्षण के दौरान डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक और भारतीय सेना के जवान उपस्थित थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योग जगत की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे बढ़ते खतरे को ध्यान में रखते हुए देश की रक्षा तैयारियों को और मजबूती मिलेगी।

एमआईआरवी यानी 'मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल' का अर्थ है कि एक मिसाइल अपने साथ कई परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है, और ये हथियार अलग-अलग समय पर, अलग-अलग दिशाओं में स्वतंत्र रूप से छोड़े जा सकते हैं, जिससे दुश्मन के लिए उन्हें रोकना लगभग असंभव हो जाता है।

सोमनाथ में पहली बार वायु सेना करेगी 'सूर्यकिरण एयर शो', ट्रायल में अलग-अलग फ़ॉर्मेशन का डेमोंस्ट्रेशन

अहमदाबाद। पहले ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव के सान्निध्य में शुरू हुआ 'सोमनाथ अमृतपर्व-2026' उत्सव इस शिवभूमि पर जोश और उत्साह से भरा हुआ है। इस उत्सव के साथ, प्रभास क्षेत्र में कई इतिहास बनने जा रहे हैं। पहली बार, इंडियन एयर फ़ोर्स 11 मई को सोमनाथ में फ़ाइटर जेट्स के साथ एक रोमांचक 'सूर्यकिरण एयर शो' आयोजित करेगी।

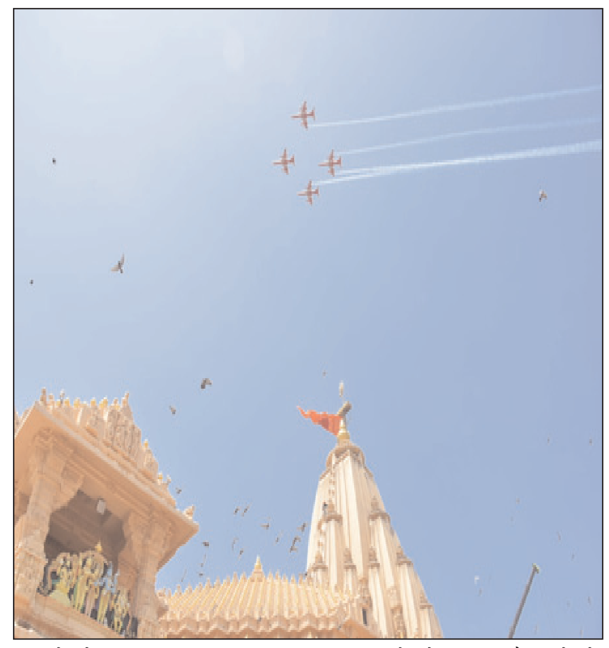

प्रभास के आसमान में 'सूर्यकिरण एयर शो' में, छह एयरक्राफ़्ट (फ़ाइटर जेट्स) आसमान में 'ट्राईकलर स्मोक ट्रेल', 'कलर स्मोक', 'लूप्स एंड रोल्स', 'क्लोज़ फ़ॉर्मेशन', 'डायमंड फ़ॉर्मेशन' समेत अलग-अलग रोमांचक फ़ॉर्मेशन करेंगे। प्रधानमंत्री की मौजूदगी में होने वाले इस एयर शो को भक्त और स्थानीय निवासी देखेंगे।

एयर शो के बारे में, इंडियन एयर फ़ोर्स के विंग कमांडर जनमीत शर्मा ने कहा कि सूर्यकिरण एयर शो का आयोजन एयर फ़ोर्स की सूर्यकिरण एरोबिक्स टीम द्वारा 11 मई को सुबह 11 बजे से प्रधानमंत्री की मौजूदगी में किया जाएगा। यह एक्सरसाइज़ एयर फ़ोर्स के हॉक-एमके-132 सीरीज़ के कुल छह फ़ाइटर जेट्स द्वारा की जाएगी।

वहीं, फ्लाइट लेफ्टिनेंट और टीम कमेंटेटर कंवल संधू ने कहा कि इतिहास में पहली बार सोमनाथ मंदिर में 'सूर्यकिरण एयर शो' होगा। इस एक्सरसाइज में कुल छह फाइटर जेट शामिल होंगे। यह पूरी एक्सरसाइज ग्रुप कैप्टन और टीम लीडर अजय दशरथी के गाइडेंस में होगी।

उन्होंने कहा कि एयरफोर्स के पायलटों की ट्रेनिंग इन्हीं फाइटर प्लेन पर होती है। हवाई स्टंट के अलावा, अगर जरूरत पड़ी तो इन फाइटर जेट का इस्तेमाल इमरजेंसी, दुर्गम इलाकों में अचानक आए संकट और युद्ध के हालात में किया जा सकता है।

सूर्यकिरण एयर शो के दौरान ये फाइटर जेट करीब 800 से 900 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से उड़ान भरेंगे। फाइनल एयर शो से पहले सूर्यकिरण टीम 10 मई को सुबह 11 बजे से रिहर्सल करेगी। ये छह फाइटर जेट जामनगर स्टेशन से ऑपरेट होंगे। सूर्यकिरण की रोमांचक एक्सरसाइज के बारे में उन्होंने कहा कि शुरुआत में छह जेट एक साथ उड़ान भरेंगे और एक्सरसाइज करेंगे। बाद में, दोनों टीमें अलग-अलग होंगी और अलग-अलग फॉर्मेशन के ज़रिए आसमान में स्टंट दिखाएंगी। पूरी टीम के कोऑर्डिनेशन के बारे में उन्होंने बताया कि फाइटर जेट के सभी पायलट रेडियो कम्युनिकेशन समेत दूसरे इक्विपमेंट से लैस हैं। एक पायलट, स्क्वाड्रन लीडर अमन गोयल, ज़मीन पर रहेंगे, जो जेट पायलटों को हवा की स्पीड, एक-दूसरे से प्लेन की दूरी समेत ज़रूरी गाइडेंस, निर्देश और संभावित खतरे की जानकारी लगातार देते रहेंगे।

पक्षियों से सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि फाइटर जेट के स्टंट में पक्षी रुकावट न बनें, इसके लिए पहले से तैयारी की जाती है। इसके लिए बर्ड हैज़र्ड कंट्रोल (बीएचसी) हमेशा तैयार रहता है। सोमनाथ में, लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के सहयोग से, लोकल नागरिकों को एयर शो से दो दिन पहले बचा हुआ खाने का सामान बाहर न फेंकने के लिए मनाया गया है, ताकि पक्षी वहां न आएं। इसके अलावा, सूर्यकिरण टीम पटाखों से भी लैस है। ज़रूरत पड़ने पर पक्षियों को दूर रखने के लिए आसमान में पटाखे छोड़े जाते हैं। ये पटाखे ऐसे होते हैं कि सिर्फ़ आवाज़ से ही पक्षी दूर रहते हैं। ये पटाखे पक्षियों को नुकसान नहीं पहुंचाते।

इस तरह, ज़मीन से हवा तक और हवा से हवा तक, पूरी सूर्यकिरण टीम एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाकर प्रभासखेता इलाके में ये रोमांचक और दिल दहला देने वाले करतब दिखाएगी। सूर्यकिरण एरोबिक्स टीम एरियल ऑब्ज़र्वेशन के साथ-साथ एयर शो और उसकी रिहर्सल के लिए ज़रूरी तैयारी कर रही है।

बीएस येदियुरप्पा के जनसेवा के 50 साल पूरे, पीएम मोदी ने की जमकर सराहना

चित्रदुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के सार्वजनिक जीवन (जन सेवा) के 50 वर्ष पूरे होने पर उनकी जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा का राजनीतिक सफर संघर्ष, त्याग, समर्पण और जनता की सेवा की मिसाल रहा है।

चित्रदुर्ग में आयोजित 'अभिमनोत्सव' कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रधानमंत्री मोदी का संदेश पढ़कर सुनाया। यह कार्यक्रम येदियुरप्पा के सार्वजनिक जीवन के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। बाद में पीएम मोदी का संदेश फ्रेम करवाकर येदियुरप्पा को सौंपा गया।

अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक में 'अभिमनोत्सव' का आयोजन होना खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा का पांच दशक लंबा सफर केवल राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनता के प्रति उनकी निष्ठा और अथक मेहनत की कहानी भी है।

पीएम मोदी ने कहा कि भले ही वह कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से मौजूद नहीं हो सके, लेकिन उनका मन वहां उपस्थित सभी लोगों के साथ है, जो एक ऐसे नेता का सम्मान कर रहे हैं जिसने अपना जीवन जनसेवा और राष्ट्र निर्माण को समर्पित कर दिया।

प्रधानमंत्री ने याद किया कि उन्हें कई वर्षों तक येदियुरप्पा के साथ काम करने का अवसर मिला। उन्होंने उन्हें मेहनती, विनम्र और कार्यकर्ताओं से जुड़ा हुआ नेता बताया। मोदी ने कहा कि संघर्ष के दौर से लेकर सफलता के समय तक, येदियुरप्पा की एक बात हमेशा समान रही कि कर्नाटक की जनता और पार्टी के सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता।

उन्होंने कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले येदियुरप्पा ने किसानों, मजदूरों, गरीबों और वंचित वर्गों के बीच लगातार काम करते हुए लोगों का भरोसा जीता। इसी भरोसे के दम पर जनता ने उन्हें कई बार अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपीं और राज्य का नेतृत्व करने का अवसर दिया।

भाजपा के कर्नाटक में विस्तार का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पार्टी के शुरुआती दौर में जब संगठन कमजोर था और कई चुनौतियां थीं, तब येदियुरप्पा ने बूथ स्तर तक जाकर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने राज्यभर में लगातार यात्राएं कर संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई।

पीएम मोदी ने कहा कि एक समय भाजपा को कुछ क्षेत्रों तक सीमित पार्टी बताने की कोशिश की जाती थी, लेकिन येदियुरप्पा ने यह साबित किया कि भाजपा देश के हर नागरिक की पार्टी है।

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री के रूप में येदियुरप्पा के कार्यकाल की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि, सिंचाई, ग्रामीण विकास और किसान कल्याण के क्षेत्र में उनके प्रयासों का कर्नाटक पर गहरा असर पड़ा। अलग कृषि बजट पेश करने की पहल को भी मोदी ने ऐतिहासिक बताया।

सीएक्यूएम ने दिल्ली-एनसीआर में चलाया 'ऑपरेशन क्लीन एयर', ग्राउंड पर मिली कई खामियां

नई दिल्ली। एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को नोएडा में 'ऑपरेशन क्लीन एयर' के तहत एक विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर दिखाई देने वाली धूल के स्तर का आकलन करना और शहर में चल रहे सड़क सफाई और झाड़ू लगाने के कार्यों की समीक्षा करना था।

CAQM

निरीक्षण अभियान के लिए आयोग द्वारा गठित 19 फ्लाइंग स्क्वाड टीमों को नोएडा भर में तैनात किया गया था। टीमों ने नोएडा प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 46 सड़क खंडों का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, नोएडा के सेक्टर 20, 21, 59, 62, 80, 82, 83, 84, 87, 88, 138, 140, 141 और 145 सहित कई स्थानों पर अत्यधिक धूल और निर्माण एवं विध्वंस कचरे के संचय के 28 मामले देखे गए। जांच में कुछ खंडों पर नियमित सफाई, धूल नियंत्रण उपायों और निर्माण एवं विध्वंस कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन और निपटान में कमियां पाई गईं।

आयोग ने संबंधित अधिकारियों को नियमित मशीनीकृत सफाई, लक्षित जल छिड़काव और संचित निर्माण एवं विध्वंस कचरे के समय पर संग्रहण और निपटान के माध्यम से धूल नियंत्रण उपायों को तेज करने का निर्देश दिया है। नोएडा प्राधिकरण को अनधिकृत डंपिंग को रोकने और निर्धारित पर्यावरणीय मानदंडों का निरंतर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निगरानी और प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने की भी सलाह दी गई है। आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि निर्धारित धूल नियंत्रण उपायों के कार्यान्वयन में किसी भी प्रकार की चूक और संबंधित अधिकारियों की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को जवाबदेही तय करने और ऐसी कमियों के लिए जिम्मेदार पाए गए अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की सलाह दी गई है।

इस बात पर जोर दिया गया कि शहरी क्षेत्रों में धूल-मिट्टी प्रदूषण का एक प्रमुख कारण बनी हुई है और इससे निपटने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा केंद्रित और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। आयोग ने जमीनी स्तर पर निरंतर निगरानी, बेहतर रखरखाव प्रक्रियाओं और धूल नियंत्रण उपायों के जवाबदेही-आधारित कार्यान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। आयोग ने यह भी दोहराया कि वायु प्रदूषण के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने और स्थानीय स्तर पर प्रदूषण के स्रोतों को कम करने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत दिल्ली-एनसीआर में 'ऑपरेशन क्लीन एयर' अभियान जारी रहेंगे। संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों ने आयोग को आश्वासन दिया कि निरीक्षण अभियान के दौरान पाई गई कमियों पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आप ने पंजाब के खजाने को 'कंगला' बना दिया: राघव चड्ढा

नई दिल्ली। राज्यसभा भाजपा सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने पंजाब की जनता के विश्वास और जनादेश के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि आप ने समृद्ध और खुशहाल पंजाब बनाने का वादा किया था, लेकिन राज्य को आर्थिक बर्बादी की ओर धकेल दिया।

राघव चड्ढा ने कहा कि पंजाब की जनता ने आप को पंजाब सरकार चलाने का जनादेश दिया था, पंजाब को लूटने का नहीं। आप ने पंजाब को 'रंगला' बनाने का वादा किया था, लेकिन पंजाब के खजाने को 'कंगला' बनाने का काम किया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के दौरान कथित तौर पर नौवीं मंज़िल की बालकनी से 21 लाख रुपए नकद फेंके जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए चड्ढा ने पैसे के स्रोत और वैधता पर गंभीर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि कोई भी ईमानदार व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई को इस तरह नहीं फेंक सकता।

अगर यह पैसा ईमानदारी से कमाया गया होता तो कोई इसे नौवीं मंज़िल से नीचे नहीं फेंकता। 21 लाख छोड़िए, ईमानदारी से कमाए गए 21 रुपए भी कोई नहीं फेंकता। उन्होंने आगे कहा कि यह घटना स्वयं भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग की ओर इशारा करती है।

राघव चड्ढा ने जांच के दौरान सामने आए कथित दस्तावेजों का उल्लेख करते हुए कहा कि यूएई, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया स्थित कंपनियों के जरिए सैकड़ों करोड़ रुपये की राउंड-ट्रिपिंग किए जाने के संकेत मिले हैं।

उन्होंने कहा कि विदेशी कंपनियों के माध्यम से धन के कथित लेनदेन से बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार के नेटवर्क का संकेत मिलता है।

राघव चड्ढा ने कहा कि जांच में सामने आए दस्तावेज बताते हैं कि यूएई, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में कंपनियां बनाकर फंड्स की राउंड-ट्रिपिंग की गई। यह पंजाब के जनादेश के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात है।

उन्होंने आगे कहा कि ये खुलासे उन चिंताओं को सही साबित करते हैं जिन्हें पहले सात राज्यसभा सांसदों समेत कई नेताओं ने पार्टी से दूरी बनाते समय उठाया था।

राघव चड्ढा ने कहा कि पार्टी छोड़ चुके कई नेताओं ने लगातार चेतावनी दी थी कि आप अब उन सिद्धांतों पर नहीं चल रही जिनका वह दावा करती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दे उठाने की कोशिशों को दबाया गया।

उन्होंने कहा कि हमने बार-बार कहा था कि आप भ्रष्ट और समझौता कर चुके लोगों के हाथों में फंस चुकी है। जब भी हमने पार्टी के भीतर ये मुद्दे उठाए, हमें चुप करा दिया गया। उन्होंने कहा कि हालिया घटनाओं ने अब पंजाब की जनता के सामने आप की सच्चाई उजागर कर दी है।

पंजाब की बिगड़ती आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए चड्ढा ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तरफ राज्य लगभग 5 लाख करोड़ के कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है, वहीं दूसरी ओर जनता के पैसे को विदेश भेजे जाने के आरोप सामने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एक तरफ पंजाब भारी कर्ज के बोझ से जूझ रहा है, दूसरी ओर आरोप सामने आ रहे हैं कि पंजाब के खजाने को लूटकर हवाला के जरिए पैसा विदेश भेजा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता सत्ता में बैठे लोगों से जवाबदेही, ईमानदारी और पारदर्शिता की हकदार है।

शपथ के बाद सीएम सुवेंदु अधिकारी ने ली शीर्ष अधिकारियों के साथ पहली बैठक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के कुछ ही घंटों बाद, सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को राज्य के शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ अपनी पहली बैठक की। इस बैठक में मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला, गृह सचिव संघमित्रा घोष और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सिद्ध नाथ गुप्ता शामिल थे।

यह बैठक मध्य कोलकाता के एस्प्लेनेड इलाके में स्थित लोक निर्माण विभाग के ऑडिटोरियम में हुई। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री अधिकारी ने राज्य की समग्र प्रशासनिक और कानून-व्यवस्था की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

सुवेंदु अधिकारी से यह भी उम्मीद की जा रही है कि वे सोमवार शाम 5 बजे राज्य सचिवालय 'नबन्ना' में राज्य प्रशासन और कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक करेंगे।

सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में राज्य के डीजीपी, कोलकाता पुलिस कमिश्नर और राज्य भर के विभिन्न पुलिस ज़ोन के वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है।

इससे पहले दिन में, राज्यपाल आर.एन. रवि ने ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं की उपस्थिति में सुवेंदु अधिकारी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद, सुवेंदु अधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बातचीत की।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल भी अपडेट किए, और अपने नाम के साथ 'मुख्यमंत्री' का पदनाम जोड़ा।

इस बीच, शनिवार को सुवेंदु अधिकारी के साथ पांच अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, निशीथ प्रमाणिक और खुदीराम टुडू शामिल हैं।

बाकी मंत्रियों के सोमवार को लोक भवन में शपथ लेने का कार्यक्रम है। नई कैबिनेट की पहली बैठक भी संभवतः सोमवार को ही होगी।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, भाजपा विधायक तापस रॉय के मंगलवार को प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ लेने की संभावना है, जबकि नव-निर्वाचित विधायकों के बुधवार और गुरुवार को शपथ लेने की उम्मीद है।

असम चुनाव में हार के बाद कांग्रेस ने शुरू की समीक्षा प्रक्रिया : गौरव गोगोई

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कांग्रेस ने आंतरिक समीक्षा प्रक्रिया शुरू कर दी है। पार्टी सांसद और वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई ने शनिवार को कहा कि राज्य नेतृत्व ने चुनावी हार की पूरी जिम्मेदारी ली है और इस संबंध में पार्टी हाईकमान को भी जानकारी दे दी गई है।

पार्टी नेताओं के साथ बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में गौरव गोगोई ने कहा कि 2026 विधानसभा चुनाव के नतीजे कांग्रेस के लिए बेहद निराशाजनक रहे। उन्होंने कहा, 'मैं पहले भी कह चुका हूं कि हम इस हार की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। हमने हाईकमान को भी इसकी जानकारी दे दी है। अब संगठनात्मक बदलाव और आगे की रणनीति पर फैसला केंद्रीय नेतृत्व को लेना है।

उन्होंने बताया कि पार्टी ने हार के कारणों का पता लगाने और जमीनी स्तर से फीडबैक जुटाने के लिए पूर्व विधायकों, चुनाव लड़ चुके उम्मीदवारों और नवनिर्वाचित विधायकों से बातचीत शुरू कर दी है। गोगोई ने कहा, 'हम यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि जमीनी स्तर पर लोगों से क्या प्रतिक्रिया मिल रही है और भविष्य में क्या सुधार किए जाने चाहिए।

उन्होंने बताया कि शनिवार की बैठक समीक्षा प्रक्रिया का दूसरा चरण थी, जिसमें जिला स्तर के नेताओं और वरिष्ठ पदाधिकारियों को बुलाया गया।

गौरव गोगोई ने कहा, 'अगले एक महीने तक हम 2026 के चुनाव परिणामों के वास्तविक कारणों की पहचान करने की कोशिश करेंगे।'

असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा था, जबकि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने राज्य में आसानी से सत्ता बरकरार रखी।

संक्षिप्त खबरें

धमतरी के हसदा शिविर में उमड़ी भीड़, सैकड़ों आवेदनों का त्वरित समाधान

धमतरी। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित 'सुशासन तिहार 2026' के तहत धमतरी जिले में आयोजित समाधान शिविरों में प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। शनिवार को इसी क्रम में मगरलोड विकासखंड के ग्राम पंचायत हसदा में शुक्रवार को आयोजित समाधान शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भागीदारी देखी गई।

शिविर में कुल 479 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 437 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। इनमें मांग संबंधी 475 आवेदनों में से 436 तथा प्राप्त 4 शिकायतों में से 1 का त्वरित निपटारा शामिल है।

इस शिविर में हसदा सहित खिसोरा, धौराभाठा, मोतिमपुर और रांकाडीह समेत 12 से अधिक ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों में तत्काल समाधान प्रदान किया।

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत लाभ भी वितरित किए गए। पंचायत विभाग ने 7 हितग्राहियों को नए राशन कार्ड प्रदान किए, जबकि समाज कल्याण विभाग ने 2 दिव्यांग व्यक्तियों को ट्राइसाइकिल और 6 वृद्धजनों को पेंशन स्वीकृति आदेश दिए।

गैर उद्देश्य पाठ्यक्रम पर उठ रहे सवाल रचनात्मकता की नई कुलपति से उम्मीद

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय एक समय देश में पत्रकारिता एवं जनसंचार शिक्षा के विशिष्ट केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था, लेकिन अब यही विश्वविद्यालय अपने मूल उद्देश्य और वैधानिक दायरे से भटकता नजर आ रहा है। छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा पारित छत्तीसगढ़ विधानसभा अधिनियम क्रमांक 24, दिसंबर 2004 के राजपत्र (गजट) के तहत स्थापित इस विश्वविद्यालय का विधिवत उद्घाटन भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 16 अप्रैल 2005 को किया था। विश्वविद्यालय की स्थापना का स्पष्ट उद्देश्य पत्रकारिता, जनसंचार, मीडिया अध्ययन एवं उससे जुड़े विषयों में उच्च शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण प्रदान करना था। हालांकि वर्तमान स्थिति इसके ठीक विपरीत दिखाई दे रही है। विश्वविद्यालय में अब एमबीए (ह्यूमन रिसोर्स), एमबीए (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन), बीबीए, बी.लिब., एम.लिब., एम.ए. (हिंदी साहित्य) तथा एम.ए. (छत्तीसगढ़ी) जैसे अनेक ऐसे पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनका पत्रकारिता एवं जनसंचार से प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि विशेष अधिनियम के तहत स्थापित किसी विश्वविद्यालय द्वारा अपने मूल विषयों को दरकिनार कर असंबंधित पाठ्यक्रम चलाना अधिनियम की भावना और उद्देश्य दोनों के विपरीत है। विशेषज्ञ यह भी सवाल उठा रहे हैं कि जब प्रदेश में सामान्य एवं पारंपरिक विषयों के संचालन के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय तथा शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय जैसे विश्वविद्यालय पहले से संचालित हैं, तब पत्रकारिता एवं जनसंचार के लिए स्थापित विशेष विश्वविद्यालय द्वारा गैर-प्रासंगिक विषयों का संचालन किस आधार पर किया जा रहा है। जानकारों के अनुसार इससे न केवल विश्वविद्यालय पर अनावश्यक वित्तीय भार बढ़ा है, बल्कि पत्रकारिता शिक्षा की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। सबसे अधिक सवाल एमबीए (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन) पाठ्यक्रम को लेकर उठ रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अस्पताल प्रशासन जैसे तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम के संचालन के लिए विश्वविद्यालय के पास स्वयं का अस्पताल, संबद्ध चिकित्सा संस्थान अथवा पर्याप्त प्रायोगिक अधोसंरचना होना अनिवार्य है। किंतु विश्वविद्यालय के पास ऐसी कोई समुचित व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आ रही है। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक शिक्षा देकर डिग्री प्रदान करना शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के भविष्य दोनों के साथ खिलवाड़ माना जा रहा है। शिक्षा जगत में यह भी चर्चा है कि विश्वविद्यालय धीरे-धीरे 'पत्रकारिता विश्वविद्यालय' की अपनी मूल पहचान खोता जा रहा है। जिन उद्देश्यों को लेकर इस संस्थान की स्थापना की गई थी, वही विषय आज उपेक्षा का शिकार होते दिखाई दे रहे हैं, जबकि गैर-प्रासंगिक पाठ्यक्रमों का विस्तार लगातार बढ़ रहा है। शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों ने राज्य सरकार तथा उच्च शिक्षा विभाग से मांग की है कि विश्वविद्यालय में संचालित सभी पाठ्यक्रमों की वैधानिकता, अधिनियम के अनुरूपता और शैक्षणिक आवश्यकता की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विशेष अधिनियम के तहत स्थापित संस्थान अपनी मूल भावना और उद्देश्य से विचलित न हों। विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि यदि समय रहते स्थिति की गंभीर समीक्षा नहीं की गई, तो यह विश्वविद्यालय अपने विशिष्ट चरित्र, शैक्षणिक विश्वसनीयता और राष्ट्रीय पहचान- तीनों को खो सकता है।

डबल-इंजन सरकार के तहत विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा पश्चिम बंगाल: मुख्यमंत्री

रायपुर । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में सुवेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण को राज्य की राजनीति में एक 'ऐतिहासिक अध्याय' बताया और कहा कि 'डबल इंजन सरकार' के तहत राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में बदलाव की जनता की लंबे समय से प्रतीक्षित इच्छा आखिरकार पूरी हो गई है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, साय कोलकाता में अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए और बाद में उनसे मुलाकात की।

साय ने अधिकारी और पश्चिम बंगाल कैबिनेट के सभी नवनियुक्त सदस्यों को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

प्रेस विज्ञप्ति में साय ने कहा, 'यह जनादेश केवल सरकार बदलने के लिए नहीं है, बल्कि पश्चिम बंगाल में विकास, सुशासन और एक नई कार्य संस्कृति स्थापित करने के लोगों के संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और डबल इंजन सरकार (केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार) की ताकत के साथ पश्चिम बंगाल विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

साय ने कहा कि नई सरकार युवाओं के लिए रोजगार के बेहतर अवसर पैदा करेगी, किसानों के लिए समृद्धि के नए रास्ते खोलेगी और महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित और सशक्त वातावरण सुनिश्चित करेगी।

उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल की जनता ने विकास, पारदर्शिता और सुशासन में अपना स्पष्ट विश्वास व्यक्त किया है।

साय ने आगे कहा कि अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल नई ऊर्जा और दिशा के साथ आगे बढ़ेगा, जिससे महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के लिए बेहतर अवसर और 'सोनार बांग्ला' (स्वर्ण बंगाल) के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में प्रगति सुनिश्चित होगी।

सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जो राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक नाटकीय भगवा मोड़ है।

हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में भाजपा ने 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा में 207 सीटें हासिल कीं और तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन को समाप्त कर दिया।

शिवनाथ नदी किनारे अवैध रेत भंडारण करते 2 वाहन जप्त

राजनांदगांव । राजनांदगांव जिले में खनिज विभाग ने अवैध रेत परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो माजदा वाहनों को जप्त किया है, शनिवार को यह जानकारी दी गयी। यह कार्रवाई कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।

खनिज विभाग की टीम ने कुमरदा और डोंगरगांव क्षेत्र में शिवनाथ नदी किनारे स्थित ग्राम मोतीपुर, नांदिया और धनगांव में निरीक्षण किया। जांच के दौरान ग्रामीणों की उपस्थिति में यह पाया गया कि मोतीपुर स्थित नदी से अवैध रूप से रेत खनन कर करीब 500 मीटर दूर पानी टंकी के पास लगभग 18 ट्रिप रेत का भंडारण किया गया था।

टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संग्रहित रेत का परिवहन कर रहे दो माजदा वाहनों को जप्त कर थाना डोंगरगांव के सुपुर्द कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, जब्त वाहनों में एक वाहन क्रमांक सीजी 04 आरएल 7909, जो लोकेश निर्मलकर के स्वामित्व में है और चालक रेखचंद द्वारा संचालित किया जा रहा था, तथा दूसरा वाहन क्रमांक सीजी 09 जेसी 0764, जो शंकर देवांगन के स्वामित्व में है और चालक सोमेश नायक चला रहा था, शामिल हैं।

दोनों मामलों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने बताया कि जिले में अवैध खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए नियमित गश्त और सघन जांच अभियान जारी रहेगा।

चिरमिरी के एसईसीएल क्षेत्रों को 75 साल बाद मिलेगी सरकारी बिजली की सुविधा

बस्तर । छत्तीसगढ़ के चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र में दशकों से चली आ रही बिजली की समस्या का अब स्थाई समाधान होने जा रहा है। शनिवार को जानकारी दी गयी की क्षेत्र के एस.ई.सी.एल. प्रभावित वार्डों में पहली बार छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (ष्टस्क्क्षष्टरु) का सरकारी बिजली नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। आजादी के करीब 75 साल बीत जाने के बाद भी इन क्षेत्रों के हजारों परिवार अब तक केवल कोयला खदानों द्वारा प्रदान की जाने वाली बिजली पर निर्भर थे जिसमें निरंतर कटौती और अस्थिरता की समस्या बनी रहती थी।

इस ऐतिहासिक परियोजना के क्रियान्वयन की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आवश्यक बजट जारी कर दिया है। 8 मई 2026 को जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत 30 मार्च 2026 को 53.08 करोड़ रुपये की राशि चिरमिरी नगर निगम को आवंटित की गई है। इसके अतिरिक्त पुराने बजट की शेष 0.49 करोड़ रुपये की राशि को शामिल करते हुए कुल 53.57 करोड़ रुपये की लागत से वित्तीय वर्ष 2026-27 में विद्युत अधोसंरचना विकास के कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। परियोजना के तहत चिरमिरी के डोमनहिल, गेल्हापानी, कोरिया कॉलरी और पोड़ी जैसे दूरस्थ और एस.ई.सी.एल. प्रभावित क्षेत्रों में बिजली का नया और आधुनिक नेटवर्क बिछाया जाएगा। इन क्षेत्रों के निवासियों के लिए यह निर्णय किसी वरदान से कम नहीं है क्योंकि कोयला उत्पादन के माध्यम से देश को रोशन करने वाली इस भूमि के अपने ही लोग अब तक व्यवस्थित सरकारी बिजली से वंचित थे। मुख्यमंत्री द्वारा 09 दिसंबर 2024 को जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के प्रवास के दौरान की गई यह घोषणा अब धरातल पर उतरने के लिए तैयार है।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस निर्णय को क्षेत्र की जनता के हक की जीत बताया है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आजादी के बाद से अधूरा रहा यह सपना अब साकार होने जा रहा है जिससे हजारों परिवारों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार आएगा। अधोसंरचना कार्य शुरू होने से न केवल घरों को रोशनी मिलेगी बल्कि क्षेत्र के व्यापारिक और सामाजिक विकास को भी नई गति मिलने की संभावना है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार क्रमांक-1399/मनोज के तहत इस परियोजना की रूपरेखा स्पष्ट कर दी गई है।

बिलासपुर की बुजुर्ग महिला से डिजिटल अरेस्ट से एक करोड़ ठगे, राजस्थान से दो गिरफ्तार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के दो आरोपियों को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने बिलासपुर की एक बुजुर्ग महिला से 1.04 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की थी, शनिवार को यह जानकारी दी गयी।

पुलिस दोनों आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर बिलासपुर लाई है, अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पीड़िता को व्हाट्सएप कॉल पर खुद को संजय पीएसआई बताने वाले व्यक्ति ने आतंकवादी संगठन से जुड़े मामले में फंसाने का डर दिखाया। आरोपियों ने वीडियो कॉल से महिला को घंटों डिजिटल अरेस्ट में रखा। उन्होंने पुलिस, ईडी और आरबीआई जैसी सरकारी एजेंसियों का भय दिखाया। परिवार के सदस्यों को गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी भी दी गई।

महिला को विश्वास में लेने के लिए फर्जी सरकारी दस्तावेज, सुप्रीम कोर्ट के आदेश और आरबीआई नोटिस भेजे गए। लगातार मानसिक दबाव के कारण महिला उनके झांसे में आ गई। इसके बाद महिला ने अलग-अलग बैंक खातों में कुल 1 करोड़ 4 लाख 80 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इतना ही नहीं, ठगों ने केस खत्म करने के नाम पर अतिरिक्त 50 लाख रुपये की मांग भी की।

पीड़िता द्वारा अपने पुत्र को जानकारी देने पर ठगी का खुलासा हुआ और साइबर थाना बिलासपुर में शिकायत दर्ज हुई। पुलिस ने बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल ट्रांजेक्शन का तकनीकी विश्लेषण किया। जांच में पता चला कि ठगी की रकम कई खातों में लेयरिंग के जरिए भेजी गई थी।

तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने राजस्थान के चुरू जिले से रूपेंद्र सिंह (21 वर्ष) और विशाल सिंह (20 वर्ष) को गिरफ्तार किया। दोनों ग्राम पोती, थाना रतननगर, जिला चुरू के निवासी हैं। पूछताछ में उन्होंने कमीशन के लालच में बैंक खाते उपलब्ध कराने और ठगी की रकम निकालने की बात कबूली।

बालोद में कार के कुचलने से 3 दोस्तों की मौत

बालोद । छत्तीसगढ़ के बालोद में तेज रफ्तार कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर में 3 दोस्तों की मौत हो गई है। हादसे में एक का पैर कटकर अलग हो गया, दूसरे का हाथ कटा और तीसरे का पैर टूट गया है। बाइक सवार तीनों युवक के शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए। कार और बाइक के भी परखच्चे उड़ गए।

मृतकों की पहचान सिर्राभाठा निवासी तरुण यादव (20), राहुल सेवता (20) और नरेंद्र भुआर्या (21) निवासी मुड़खुसरा के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र के खैरीडीह गांव की है।

शुक्रवार रात करीब 10 बजे सिर्राभाठा निवासी तरुण यादव अपने दोस्त राहुल और नरेंद्र भुआर्य के साथ बाइक से डौंडीलोहारा जा रहे थे। इसी दौरान राजनांदगांव की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें सामने से जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में तरुण का हाथ शरीर से अलग हो गया, वहीं पीछे बैठे राहुल का पैर कटकर 50 मीटर दूर पैरावट में जा छिटका। नरेंद्र के शरीर पर भी गहरे जख्म थे।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां राहुल ने तड़पते हुए दम तोड़ दिया, जबकि दो की मौके पर ही मौत हो गई थी। राहुल का कटा हुआ पैर शनिवार सुबह ग्रामीणों को मिला। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

डौंडीलोहारा टीआई सुनील तिर्की ने बताया कि, तेज रफ्तार और लापरवाही से यह हादसा हुआ है। युवक डौंडीलोहारा आ रहे थे। कार सवार दल्लीराजहरा से वापस राजनांदगांव लौट रहे थे।

अभी कानूनी प्रक्रिया जारी है। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया जाएगा। नशे में थे या नहीं, यह पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

धमतरी में 150 करोड़ का सीबीजी प्लांट प्रस्ताव, हरित ऊर्जा हब बनने की ओर कदम

धमतरी। धमतरी जिला छत्तीसगढ़ में हरित ऊर्जा के एक बड़े केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में अग्रसर है। शनिवार को जानकारी दी गयी की जिला प्रशासन और प्रमुख तेल कंपनियों के बीच हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में 150 करोड़ रुपये की लागत से कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) संयंत्र स्थापित करने की योजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और ऑयल इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करना है।

प्रस्तावित संयंत्र के माध्यम से धान के अवशेषों और अन्य कृषि कचरों का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग किया जाएगा। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा बल्कि किसानों को उनके कृषि अपशिष्ट के बदले अतिरिक्त आय भी प्राप्त होगी। इसके साथ ही इस औद्योगिक निवेश से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होने की प्रबल संभावना है। बैठक में ऑयल ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संतनु कुमार सैकिया, महाप्रबंधक राजीव कुमार तमुली और ऑयल इंडिया लिमिटेड के सलाहकार सुदीश कुमार सिंह ने जिले में उपलब्ध संसाधनों और निवेश की संभावनाओं पर तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिया।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने निवेशकों को जिले में उपलब्ध भूमि, परिवहन नेटवर्क और प्रशासनिक सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि धमतरी जिला कृषि आधारित उद्योगों के लिए अत्यंत अनुकूल है। इस चर्चा में खाद्य, कृषि विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र और राइस मिलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय भागीदारी की। राइस मिलर्स एसोसिएशन ने संयंत्र के लिए आवश्यक कच्चे माल के रूप में धान अवशेषों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जानकारी साझा की। यह परियोजना कार्बन उत्सर्जन को कम करने और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित हो सकती है जिससे धमतरी को सतत औद्योगिक विकास के क्षेत्र में एक अग्रणी पहचान मिलेगी।

एसईसीएल-सिपेट की पहल: 1000 बेरोजगार युवाओं को मिलेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण

रायपुर। प्रदेश के युवाओं को तकनीकी कौशल से सशक्त बनाकर रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) बिलासपुर और केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) रायपुर ने संयुक्त पहल शुरू की है। इस पहल के तहत 1000 जरूरतमंद युवाओं के लिए चार माह का नि:शुल्क आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा।

जिला रोजगार अधिकारी, बलरामपुर के अनुसार यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बलरामपुर-रामानुजगंज, सूरजपुर, सरगुजा, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, जशपुर, कोरबा और रायगढ़ जिलों के स्थानीय बेरोजगार युवाओं के लिए उपलब्ध रहेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योगों की मांग के अनुरूप तकनीकी दक्षता विकसित कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना है।

प्रशिक्षण के अंतर्गत मशीन ऑपरेटर (प्लास्टिक प्रोसेसिंग), इंजेक्शन मोल्डिंग, ब्लो मोल्डिंग, प्लास्टिक एक्सट्रूजन, टूल रूम, सीएनसी लेथ तथा सीएनसी मिलिंग से संबंधित पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रतिभागियों को प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही आवास, भोजन और प्रशिक्षण की व्यवस्था पूर्णत: नि:शुल्क रहेगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रतिभागियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का भी प्रावधान है। इच्छुक अभ्यर्थी पंजीयन और काउंसलिंग से संबंधित जानकारी के लिए सिपेट के नोडल अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में 77 जल संशाधनों के कायाकल्प का काम शुरू करेगा डीडीए, एलजी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अपने अधिकार क्षेत्र के तहत आने वाले जल संसाधनों के कायाकल्प, जीर्णोद्धार और दीर्घकालिक संरक्षण पर दी गई एक विस्तृत प्रस्तुति की समीक्षा की।

यह प्रस्तुति उपराज्यपाल द्वारा लगभग एक सप्ताह पहले डीडीए को दिए गए निर्देशों के बाद दी गई। उपराज्यपाल संधू ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे शहर की उन अमूल्य, लेकिन अतिक्रमण और रखरखाव की कमी के कारण तेजी से खराब हो रही जल संपत्तियों के पुनरुद्धार और जीर्णोद्धार के लिए एक ठोस कार्य योजना को तेजी से लागू करें।

समीक्षा बैठक में उपराज्यपाल को बताया गया कि डीडीए राजधानी भर में 77 जल संसाधनों के कायाकल्प का काम तुरंत शुरू करेगा, जबकि बाकी बचे जल संसाधनों पर काम चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। इन 77 जल निकायों में से 6 का जीर्णोद्धार अगले 30 दिनों के भीतर, 48 का 60 दिनों के भीतर और बाकी 23 का 90 दिनों के भीतर किया जाएगा। संधू ने निर्देश दिया कि इस संबंध में सभी योजनाएं तुरंत जमीनी स्तर पर लागू की जाएं और उनके पूरा होने के लिए तय समय-सीमा का सख्ती से पालन किया जाए।

जीर्णोद्धार अभियान के पहले चरण में निष्क्रिय जल संसाधनों के वास्तविक कायाकल्प का काम ड्रेजिंग, खुदाई और गाद निकालने के जरिए किया जाएगा। इसके साथ ही उनके जलग्रहण क्षेत्रों की भी सफाई की जाएगी, ताकि उनमें बारिश का पानी ज्यादा से ज्यादा मात्रा में जमा हो सके। डीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि एक बार पुनर्जीवित हो जाने के बाद दूसरे चरण में तटबंधों को मजबूत करने, पौधरोपण, बाड़ लगाने और सौंदर्यीकरण का काम किया जाएगा।

उपराज्यपाल ने कहा कि दिल्ली की झीलें, तालाब और अन्य जलीय पारिस्थितिकी तंत्र अमूल्य पर्यावरणीय संपत्तियां हैं, जो भूजल पुनर्भरण, पारिस्थितिक संतुलन और जलवायु अनुकूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उपराज्यपाल ने एक्स पर लिखा, 'गर्मियों की शुरुआत के साथ ही मैंने डीडीए द्वारा दी गई एक प्रजेंटेशन की समीक्षा की। यह प्रजेंटेशन मेरे उन निर्देशों के आधार पर तैयार की गई थी, जिनमें दिल्ली की अनमोल, लेकिन तेजी से खराब हो रही जल संसाधनों के पुनरुद्धार और जीर्णोद्धार के लिए एक ठोस कार्ययोजना को तेजी से लागू करने की बात कही गई थी।

डीडीए तत्काल 77 जल-निकायों पर काम शुरू कर रहा है। इनमें से 6 का जीर्णोद्धार अगले 30 दिनों के भीतर, 48 का 60 दिनों के भीतर और शेष 23 का 90 दिनों के भीतर कर दिया जाएगा।

इसके अलावा विकास से जुड़ी कुछ अन्य महत्वपूर्ण पहलों पर भी चर्चा की गई। विशेष रूप से उन पहलों पर जिनका उद्देश्य द्वारका, रोहिणी और नरेला जैसी उप-नगरियों में आमूलचूल परिवर्तन लाना है। मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी योजनाओं को तत्काल प्रभाव से लागू करना सुनिश्चित करें। साथ ही उनके लिए निर्धारित समय-सीमाओं का पूरी सख्ती से पालन करें।

जमीन विवाद में अधेड़ की बेरहमी से हत्या, 5 दिन बाद पईन से मिला शव

नालंदा। बिहार के नालंदा जिले के मानपुर थाना क्षेत्र के तेतरावां गांव स्थित पईन से पुलिस ने शनिवार को 5 दिनों से लापता एक अधेड़ का शव बरामद किया है। मृतक की पहचान अस्थावां थाना क्षेत्र के अस्थावां बस्ती निवासी सुरेश राम के 45 वर्षीय पुत्र सोनू राम के रूप में हुई है। परिजनों ने गांव के ही एक दबंग पर 13 कट्ठा जमीन हड़पने और बकाया 13 लाख रुपए नहीं देने के विवाद में गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है।

मृतक के मौसेरे भाई सबलू कुमार ने बताया कि गांव के ही दबंग मुकेश यादव ने सोनू की 13 कट्ठा जमीन पर कब्जा कर लिया है। आरोपी ने पहले 8 कट्ठा जमीन अपने नाम लिखवा ली थी, लेकिन पैसे नहीं दिए। पैसे मांगने पर उसने 5 कट्ठा जमीन और जबरन जोत ली। जमीन के एवज में कुल 13 लाख रुपए बकाया थे। इसे लेकर 24 अप्रैल को गांव में पंचायती भी हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों के बीच विवाद और हाथापाई हुई थी। मृतक के परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। पिछले माह 25 अप्रैल को ही बेटी की शादी हुई थी।

सबलू ने बताया कि पंचायती के दो-तीन दिन बाद तक सोनू दिखे थे, लेकिन पिछले 4-5 दिनों से वे लापता थे। पुलिस के माध्यम से तेतरावां के पईन में शव पड़े होने की सूचना मिली। शव के पास से मिले आधार कार्ड से उनकी शिनाख्त हुई। परिजनों का आरोप है कि सोनू का हाथ टूटा हुआ है, सिर पर चोट के गहरे निशान हैं और गला दबाकर उनकी निर्मम हत्या की गई है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनते ही कोलकाता पुलिस की बदली पसंद, ममता बनर्जी को किया अनफॉलो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन होते ही प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव नजर आया। कोलकाता पुलिस के 'एक्स' हैंडल ने पश्चिम बंगाल के कई वरिष्ठ नेताओं को अनफॉलो कर दिया और नई सरकार के नेताओं को फॉलो किया।

पश्चिम बंगाल चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को प्रचंड जीत मिली। इसी क्रम में सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सीएम पद की शपथ ली। सत्ता परिवर्तन होते ही प्रशासनिक और राजनीतिक गतिविधियों में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है।

यह बदलाव सोशल मीडिया पर भी देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में कोलकाता पुलिस के एक्स अकाउंट ने पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ नेताओं को अनफॉलो कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, कोलकाता पुलिस के आधिकारिक अकाउंट ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और पार्टी से जुड़े कुछ अन्य नेताओं को अनफॉलो कर दिया है। वहीं, कोलकाता पुलिस के एक्स हैंडल ने अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) और गृह मंत्रालय (एमएचए) के आधिकारिक हैंडल को फॉलो करना शुरू कर दिया है।

साथ ही कोलकाता पुलिस ने पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी को भी फॉलो किया। यह बदलाव राज्य में बदले सत्ता समीकरणों के बाद देखा जा रहा है।

वहीं, इससे पहले दिन में पश्चिम बंगाल की सत्ता में 15 साल तक काबिज रहीं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और सीएम सुवेंदु अधिकारी ने भी अपना सोशल मीडिया प्रोफाइल अपडेट किया।

सुवेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण करने के बाद टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' बायो में खुद को 'पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री (15वीं, 16वीं और 17वीं विधानसभा)' के रूप में संबोधित किया है। साथ ही, उन्होंने अपने बायो में तृणमूल कांग्रेस की संस्थापक अध्यक्ष का भी लिखा है।

वहीं, सीएम पद की शपथ लेते ही सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्रोफाइल में 'पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री' अपडेट कर दिया।

पाचन, त्वचा से लेकर बालों तक के लिए फायदेमंद बड़हर, प्रकृति का खजाना खट्टा-मीठा 'फल'

नई दिल्ली। मौसम में हो रहे बदलाव इन दिनों कई लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दे रहे हैं। गर्मी बढ़ने के साथ पाचन कमजोर होना, त्वचा का रूखापन और बालों का झड़ना आम हो गया है। ऐसे में प्रकृति ने ऐसे कई फल दिए हैं, जो न केवल सेहत के लिए लाभदायी हैं, बल्कि स्वाद में भी लाजवाब होते हैं। आयुर्वेद में बड़हर को प्रकृति का उपहार कहा जाता है, जो स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बेहद उपयोगी है। यह फल विटामिन और पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो मौसमी बदलावों में होने वाली परेशानियों से निपटने में मदद करता है। बड़हर को कई नामों से जाना जाता है। यह पोषण से भरपूर फल विटामिन ए, विटामिन सी, आयरन, पोटेशियम और फाइबर का अच्छा स्रोत है। गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक देने और ऊर्जा बनाए रखने में यह सहायक होता है।

विशेषज्ञों की सलाह है कि मौसम में बदलाव के इस समय में बड़हर को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह बेहद फायदेमंद है। बाजार में मौजूद यह सस्ता और आसानी से उपलब्ध फल स्वास्थ्य को प्राकृतिक तरीके से संभालने का बेहतरीन विकल्प है।

बिहार सरकार के वन विभाग के अनुसार, बड़हर का नियमित सेवन पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है, जिससे गर्मी में होने वाली कब्ज, अपच और पेट संबंधी समस्याओं से राहत मिलती है। फाइबर की अच्छी मात्रा होने के कारण यह पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और आंतों को स्वस्थ रखता है। विटामिन ए और सी त्वचा को निखारते हैं, रूखेपन को दूर करते हैं और गर्मी में होने वाले दाने-फुंसी से बचाव करते हैं। आयरन और अन्य पोषक तत्व बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं और झड़ने की समस्या को कम करते हैं। यही नहीं इसके पोषक तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में कारगर हैं।

इटैलियन ओपन: पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी, सिएरा को शिकस्त देकर 'अंतिम-16' में गॉफ

रोम। कोको गॉफ ने इटैलियन ओपन 2026 के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। 22 वर्षीय अमेरिकन खिलाड़ी ने शनिवार को अर्जेंटीना की सोलाना सिएरा के खिलाफ धीमी शुरुआत और तीसरे सेट में मिली कड़ी चुनौती से उबरते हुए 5-7, 6-0, 6-4 से जीत हासिल की।

फोरम इटालिको के क्ले कोर्ट पर 2 घंटे 10 मिनट तक चले मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त कोको को वर्ल्ड नंबर 72 सिएरा ने तीसरे दौर के एक तनावपूर्ण मुकाबले में कड़ी टक्कर दी। पहला सेट गंवाने के बाद, गॉफ ने दूसरे सेट में सिएरा को एक भी गेम जीतने नहीं दिया। इसके बाद निर्णायक सेट में भी कोको ने शानदार वापसी करते हुए रोम में अपने अभियान को जीवित रखा।

गॉफ ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले सेट में 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद सिएरा ने जोरदार पलटवार किया। अर्जेंटीना की खिलाड़ी ने 11वें गेम में एक अहम 'ब्रेक' हासिल किया और फिर अपनी सर्विस बचाते हुए पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। गॉफ अपने इस प्रदर्शन से नाखुश थीं, यही वजह रही कि उन्होंने सेट गंवाने के बाद रैकेट से अपने सिर पर हल्के से टैप किया।

यह 'री-सेट' तुरंत और प्रभावी साबित हुआ। इसके बाद शानदार वापसी करते हुए गॉफ ने दूसरे सेट पर शुरू से आखिर तक पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा। गॉफ ने एक भी गेम नहीं गंवाया और आक्रामक 'रिटर्निंग' से सिएरा को पूरी तरह से पछाड़ दिया।

हालांकि, तीसरे और निर्णायक सेट में एक नया ड्रामा देखने को मिला। सिएरा ने लगातार दो 'ब्रेक' हासिल करते हुए 3-0 की बढ़त बना ली थी। ऐसा लग रहा था कि वह एक बड़ा उलटफेर करने वाली हैं, लेकिन मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन गॉफ ने लगातार पांच गेम जीतकर मैच का पासा पलट दिया। वह जीत के बेहद करीब पहुंच गईं।

हालांकि, जब गॉफ 5-3 के स्कोर पर सर्विस करते हुए 'मैच प्वाइंट' को भुनाने में नाकाम रहीं, तो सिएरा ने एक बार फिर 'ब्रेक' हासिल कर लिया, लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी ने तुरंत ही फिर से नियंत्रण पा लिया, एक और 'ब्रेक' हासिल किया और अपने तीसरे 'मैच प्वाइंट' पर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ, गॉफ ने रोम में अपने करियर की 19वीं मैच जीत दर्ज की, जो किसी भी अन्य नॉन-ग्रैंड स्लैम इवेंट की तुलना में सबसे ज्यादा है। क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के लिए, गॉफ का अगला मुकाबला 16वीं सीड इवा जोविक और हमवतन टेलर टाउनसेंड के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

आर्चरी वर्ल्ड कप: साहिल जाधव ने गोल्ड पर लगाया निशाना

शंघाई। साहिल जाधव ने शनिवार को आर्चरी वर्ल्ड कप 2026 स्टेज 2 में पुरुषों के व्यक्तिगत कंपाउंड प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह उनके करियर का पहला वर्ल्ड कप मेडल भी है।

25 वर्षीय एथलीट ने ब्रॉन्ज मेडल मैच में डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से हराया। पहला सेट 30-29 से हारने के बाद, साहिल ने अगले चार सेट जीतकर वापसी की और पोडियम पर अपनी जगह पक्की की। इससे पहले, आठवीं सीड वाले भारतीय ने क्वार्टर-फाइनल में 147 के स्कोर के साथ ऑस्ट्रिया के 2021 वर्ल्ड चैंपियन निको वीनर को शूट-ऑफ में बेहद कम अंतर से हराया था। उनका सफर सेमीफाइनल में खत्म हुआ, जहां मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन फ्रांस के निकोलस गिरार्ड ने उन्हें 147-145 से हराया, जिससे साहिल ब्रॉन्ज मेडल मैच में हिस्सा लेने के लिए आगे बढ़े।

साहिल ने अपने इस कैंपेन में तीसरे राउंड में भारतीय अनुभवी खिलाड़ी अभिषेक वर्मा को हराया, तो राउंड ऑफ 16 में जर्मनी के रुवेन फ्लस के खिलाफ 149-146 के अंतर से जीत दर्ज की। इस साल के शंघाई वर्ल्ड कप में कंपाउंड इवेंट्स में उनका ब्रॉन्ज मेडल भारत का एकमात्र मेडल रहा। पिछले साल भारत ने 5 इस इवेंट में पांच मेडल जीते थे। कुशल दलाल का सफर क्वार्टर-फाइनल में समाप्त हुआ, तो पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ओजस देवताले राउंड ऑफ 16 में हारकर बाहर हुए। पिछले साल शंघाई में गोल्ड मेडल जीतने वाले भारत की पुरुषों की कंपाउंड टीम इस साल क्वार्टर-फाइनल तक का ही सफर तय कर सकी।

महिलाओं के कंपाउंड टीम इवेंट में भारत को क्वार्टर-फाइनल में तुर्किये के खिलाफ 233-227 से हार का सामना करना पड़ा। शंघाई की डिफेंडिंग चैंपियन मधुरा धमनगांवकर, यूएसए की टॉप सीड एलेक्सिस रुइज से राउंड ऑफ 32 में बाहर हो गईं। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन अदिति स्वामी महिलाओं के व्यक्तिगत कंपाउंड इवेंट में भारत की ओर से सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी रहीं, लेकिन क्वार्टर-फाइनल शूट-ऑफ में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा से हार गईं। जाटमा ने इससे पहले भारत की लीडिंग कंपाउंड आर्चर ज्योति सुरेखा वेन्नम को राउंड ऑफ 16 में 148-147 से हराया था।

एलए ओलंपिक 2028 में डेब्यू करने जा रहे मिक्स्ड कंपाउंड टीम इवेंट में अदिति स्वामी और ओजस देवताले क्वार्टर-फाइनल में एलेक्सिस रुइज और जेम्स लुट्ज की अमेरिकी जोड़ी से हार गए। रविवार को रिकर्व इवेंट्स में भारत के पास अभी भी मेडल जीतने का मौका है। सिमरनजीत कौर महिलाओं के व्यक्तिगत सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं, और भारतीय महिला रिकर्व टीम गोल्ड मेडल मैच में चीन से मुकाबला करेगी।

केजरीवाल ने मुगल बादशाह से की पीएम मोदी की तुलना, बोले-देश के कुछ हिस्सों पर किया बेईमानी से कब्जा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना मुगल बादशाह औरंगजेब से की और उन पर देश के बड़े हिस्सों पर बेईमानी से कब्जा करने का आरोप लगाया। केजरीवाल का यह बयान पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के बाद आया है। प्रेस वार्ता के दौरान केजरीवाल ने कहा कि पंजाब गुरुओं की धरती है। कई सौ साल पहले, औरंगजेब ने अपराध और जुल्म के जरिए देश के कई हिस्सों पर कब्जा कर लिया था। उसके बाद औरंगजेब पंजाब आया था। पीएम मोदी ने भी देश के कई हिस्सों पर कब्जा कर लिया है और अब पंजाब आ गए हैं।

पंजाबी पहचान और सिख गुरुओं के बलिदान के मुद्दे को उठाते हुए केजरीवाल ने कहा कि औरंगजेब ने गुरुओं पर बहुत जुल्म ढाए थे।

दिल्ली भाजपा कार्यालय पर आतंकी हमले का अलर्ट, बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली। दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थित दिल्ली भाजपा प्रदेश मुख्यालय सहित अन्य कार्यालयों पर आतंकी हमला कर सकते हैं। यह जानकारी इंटेलिजेंस एजेंसियों के सूत्रों के हवाले से दी गई है। हमले का अलर्ट मिलते दिल्ली भाजपा कार्यालय पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इसके साथ ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं।

खुफिया एजेंसियों से सूचना मिली है कि आतंकी अपने मंसूबों को कामयाब करने के लिए सुसाइड बॉम्ब, कार बम, शूटआउट और आईईडी को प्लांट कर सकते हैं। इस खतरे को देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी खतरे से निपटा जा सके। हालांकि अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

13 अप्रैल को ईमेल के माध्यम से दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। ईमेल में दावा किया गया था कि तीन घंटे के भीतर विधानसभा परिसर में साइनाइड गैस से भरे 15 आरडीएक्स बम धमाके किए जाएंगे। इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गई थीं। ईमेल में बेहद आपत्तिजनक और भड़काऊ बातें भी लिखी गई थीं।

इसके पहले 25 मार्च को भी विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। उस समय विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन में जानकारी दी थी कि स्पीकर कार्यालय को एक ईमेल मिला था। धमकी को बेहद गंभीरता से लेते हुए तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस का बम स्क्वॉड मौके पर पहुंचा और पूरे विधानसभा परिसर की गहन जांच की गई थी, लेकिन कुछ नहीं मिला था।

हाल ही में 5 मई को पंजाब के जालंधर और अमृतसर में बम धमाका हुआ था। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव का कहना है कि ऐसा लगता है कि पाकिस्तान की आईएसआई 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ से पहले राज्य में हालात बिगाड़ने की कोशिश कर रही है। डीजीपी यादव के मुताबिक, अमृतसर में रात करीब 10:50 बजे खासा आर्मी कैंप की चारदीवारी के पास कम तीव्रता वाले धमाके की सूचना मिली। यह घटना जालंधर में बीएसएफ मुख्यालय के पास हुए एक धमाके के ठीक दो घंटे बाद हुई।

राजगीर मलमास मेला: पाथवे से 20 फीट पीछे लगेंगी दुकानें, एडीएम ने खुद कराई मापी

पटना। पौराणिक राजगीर मलमास मेले के इतिहास में पहली बार आपदा प्रबंधन विभाग की गाइडलाइन को सख्ती से लागू किया जा रहा है। लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर इस बार पाथवे (पैदल पथ) से 20 फीट पीछे हटकर ही थियेटर, सर्कस, झूला, होटल और दुकानें लगेंगी। शनिवार को एडीएम आपदा रंजन चौधरी ने पूरे दल-बल के साथ मेला क्षेत्र पहुंचकर फीता से जमीन की मापी कराई और ठेकेदारों व दुकानदारों को निर्धारित सीमा के भीतर ही प्रतिष्ठान लगाने के सख्त निर्देश दिए।

एडीएम रंजन चौधरी ने बताया कि मलमास मेले में हर दिन भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। किसी भी आपात स्थिति या भगदड़ से निपटने के लिए पहले से ही पुख्ता तैयारी की जा रही है। इसके तहत पूरे मेला क्षेत्र और कुंड क्षेत्र में दर्जनों स्थानों पर 'बफर जोन' बनाए जा रहे हैं। इन खाली जगहों का इस्तेमाल भीड़ को नियंत्रित करने और जरूरत पड़ने पर राहत-बचाव कार्य को तेजी से चलाने के लिए किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि तय सीमा और नियमों का उल्लंघन किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्नान के दौरान कुंड क्षेत्र में श्रद्धालुओं को सुरक्षित रखने के लिए इस बार बड़े पैमाने पर 'जिक-जैक' (टेढ़ी-मेढ़ी) बैरिकेडिंग कराई जा रही है। इससे लोगों की कतार व्यवस्थित रहेगी और अनावश्यक धक्का-मुक्की की नौबत नहीं आएगी। जमीन आवंटन और निरीक्षण के इस मौके पर राजगीर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अजित कुमार, उपसमाहर्ता (स्थापना) अभिषेक कुमार, जिला खेल पदाधिकारी शालिनी कुमारी, समाहर्ता मनीष कुमार और सिटी मैनेजर सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व केसरी

कहानी

मनोज कामदेव

मौत का इंटरव्यू

शहर के शोर,भागदौड़ और ऊँची-ऊँची इमारतों के बीच एक ऐसी इमारत भी थी,जिसके बारे में कोई खुलकर बात नहीं करता था, क्योंकि उसे न तो किसी नक्शे में दिखाया गया था और न ही किसी साइनबोर्ड पर उसका नाम लिखा था। वह इमारत बाहर से जितनी साधारण दिखती थी,अंदर से उतनी ही रहस्यमयी और ठंडी थी जैसे वहाँ समय रुककर बैठ गया हो और हर आने वाला इंसांन अपनी ही ज़िंदगी के सवालों से घिर जाता हो। उसके दरवाज़े पर सिर्फ एक शब्द उकेरा था 'प्रतीक्षा' और यही शब्द हर उस इंसान को भीतर खींच लेता था, जिसके भीतर अनजाने में ही सही, कुछ अधूरा रह गया होता था।

अतुल एक साधारण लेकिन व्यवस्थित जीवन जीने वाला युवक था,जिसकी दिनचर्या तय थी और लक्ष्य स्पष्ट थे, लेकिन इन सबके बावजूद उसके भीतर एक खालीपन हमेशा बना रहता था,जिसे वह न तो अपने काम से भर पाया था और न ही रिश्तों से। वह अक्सर खुद से सवाल करता था कि आखिर वह क्यों इतना थका हुआ महसूस करता है, जबकि उसके जीवन में कोई बड़ी कमी दिखाई नहीं देती। उस रात जब वह सोने गया, तो उसे पहली बार एक अजीब सी आवाज़ सुनाई दी कोई उसे नाम लेकर बुला रहा था, और जब उसने आँखें खोलीं,तो वह अपने कमरे में नहीं, बल्कि उसी रहस्यमयी इमारत के सामने खड़ा था,जिसके बारे में उसने कभी सोचा भी नहीं था।

अंदर कदम रखते ही अमन को ऐसा लगा जैसे वह किसी सामान्य जगह पर नहीं, बल्कि समय और वास्तविकता के बीच कहीं खड़ा हो। लंबे गलियारे की दीवारों पर अनगिनत घड़ियाँ टंगी थीं,पर उनमें से किसी में भी समय समान नहीं था कुछ तेज़ चल रही थीं,कुछ उल्टी दिशा में,और कुछ पूरी तरह रुकी हुई थीं,मानो वे हर व्यक्ति के जीवन के अलग-अलग अनुभवों का प्रतिनिधित्व कर रही हों। हर घड़ी की टिक-टिक एक अलग कहानी कह रही थी कुछ अधूरे सपनों की, कुछ छूटे हुए पलों की, और कुछ ऐसे फैसलों की, जिन्हें समय रहते नहीं लिया गया था।

गलियारे के अंत में एक दरवाज़ा था, जिस पर बड़े अक्षरों में लिखा था 'इंटरव्यू कक्ष '। जैसे ही अतुल उस दरवाज़े के पास पहुँचा, उसे भीतर से एक अजीब-सी ठंडक महसूस हुई, लेकिन साथ ही एक अनजाना आकर्षण भी, जो उसे पीछे हटने नहीं दे रहा था। दरवाज़ा अपने आप खुल गया, और वह अंदर चला गया, जहाँ एक खाली कमरा था जिसमें केवल दो कुर्सियाँ रखी थीं एक उसके लिए और एक उसके सामने बैठे उस अदृश्य-सी उपस्थिति के लिए, जो उसकी प्रतीक्षा कर रही थी।

जैसे ही अतुल बैठा और सामने बैठी आकृति स्पष्ट होने लगी तब एक शांत लेकिन गहरी आवाज़ गूँजी 'स्वागत है,अतुल मैं मृत्यु हूँ।' उस क्षण अतुल के शरीर में एक हल्की सी सिहरन दौड़ गई, लेकिन वह भागा नहीं, क्योंकि कहीं भीतर उसे महसूस हो रहा था कि यह भागने का समय नहीं,समझने का समय है। मृत्यु ने बिना किसी भाव के कहा कि यह कोई सजा नहीं, बल्कि एक इंटरव्यू है एक ऐसा इंटरव्यू जिसमें यह तय किया जाएगा कि उसका जीवन अब किस दिशा में आगे बढ़ेगा। मृत्यु ने पहला सवाल किया 'तुमने अब तक अपने जीवन में क्या हासिल किया है?' अमन ने बिना देर किए अपने करियर,अपनी उपलब्धियों और अपनी स्थिरता का उल्लेख किया,लेकिन जैसे ही उसने जवाब दिया, उसे खुद ही महसूस हुआ कि उसके शब्दों में गर्व कम और आदत ज्यादा थी। मृत्यु ने उसे टोकते हुए पूछा कि क्या उसने कभी यह सोचा है कि इन उपलब्धियों के पीछे उसने कितना कुछ खोया है, और क्या वह सच में उन पलों में

मौजूद भी था, जिन्हें वह अपनी सफलता मानता है।

दूसरा सवाल और अधिक गहरा था 'तुमने अपने जीवन में किसे सच में खुश किया?' अमन के दिमाग में कई चेहरे आए,लेकिन किसी एक चेहरे पर वह रुक नहीं पाया। उसे अपनी माँ याद आई, जो हर बार उससे मिलने की उम्मीद करती थी, और वह हमेशा 'कल' कहकर टाल देता था। उसे अपने पुराने दोस्त याद आए,जिनसे उसने धीरे-धीरे दूरी बना ली थी। अंत में उसने धीमे स्वर में स्वीकार किया कि शायद उसने किसी को भी पूरी तरह खुश नहीं किया, और यह स्वीकार करना उसके लिए किसी बड़े सच का सामना करने जैसा था।

तीसरा सवाल सबसे निर्णायक था 'अगर तुम्हें अपनी ज़िंदगी फिर से जीने का मौका मिले, तो क्या बदलोगे?' इस सवाल पर अमन कुछ देर तक चुप रहा। उसकी आँखें बंद हो गईं और उसके सामने उसका पूरा जीवन एक फिल्म की तरह चलने लगा जहाँ हर फ्रेम में वह या तो भाग रहा था या किसी लक्ष्य के पीछे अंधा होकर दौड़ रहा था। उसने गहरी साँस लेकर कहा कि वह रुकना सीखता, लोगों को समय देता, और खुद को भी समझने की कोशिश करता, क्योंकि असल में वह जीवन नहीं, सिर्फ उसे निभा रहा था।

मृत्यु कुछ पल के लिए शांत रही, फिर उसने एक पुरानी फाइल खोली, जिसमें अतुल की पूरी ज़िंदगी दर्ज थी उसके निर्णय,उसके अवसर, उसके टाले हुए पल,और वे सभी क्षण जहाँ वह जी सकता था लेकिन उसने केवल आगे बढ़ना चुना। मृत्यु ने फाइल को बंद करते हुए कहा कि अतुल ने सच बोला है,लेकिन सच को समझने में उसने काफी समय गंवा दिया है, और यही समय अब उसके फैसले को प्रभावित करेगा।

मृत्यु ने बिना किसी भाव के बताया कि अब उसके जीवन की अवधि निर्धारित की जाएगी। अतुल का दिल तेज़ी से धड़कने लगा,क्योंकि यह पहली बार था जब उसे अपने समय की वास्तविक कीमत समझ में आ रही थी। मृत्यु ने कहा कि उसने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा बिना जागरूकता के बिताया है, इसलिए उसके पास जो समय बचा है, वह पहले से कम कर दिया जाएगा लेकिन यह निर्णय सजा नहीं, बल्कि एक अवसर है कि वह बाकी समय को सच में जी सके।

अमन के भीतर डर और स्वीकार्यता का एक अजीब मिश्रण था। उसने पूछा कि क्या वह इस निर्णय को बदल सकता है, या कम से कम कुछ और मौका पा सकता है। मृत्यु ने उसे ध्यान से देखते हुए कहा कि यह इंटरव्यू केवल निर्णय का अंत नहीं, बल्कि शुरुआत भी है, और असली परीक्षा अब उसके जीवन में होगी जहाँ उसे यह साबित करना होगा कि वह अब सच में जीने के लिए तैयार है या नहीं।

अगले ही क्षण अतुल अपने कमरे में था, सुबह की हल्की रोशनी खिड़की से भीतर आ रही थी, लेकिन उसके भीतर एक नई चेतना जाग चुकी थी। अब उसे हर छोटी चीज़ महत्वपूर्ण लगने लगी घड़ी की टिक-टिक, लोगों की आवाज़, और उसके अपने विचार। उसने महसूस किया कि पहले वह समय को काट रहा था, और अब वह समय के साथ चलना सीख रहा है।

उसने अपने जीवन में बदलाव शुरू कर दिए और अपनी माँ के साथ समय बिताया, पुराने दोस्तों से संपर्क किया, और अपने काम को भी एक नए दृष्टिकोण से देखने लगा। अब वह सिर्फ परिणाम के पीछे नहीं भागता था, बल्कि प्रक्रिया को भी महसूस करता था। उसके व्यवहार में जो परिवर्तन आया, वह धीरे-धीरे उसके आसपास के लोगों को भी प्रभावित करने लगा,और वे उसे पहले से अधिक समझने लगे।

समय बीतता गया, और अतुल अब अपने हर पल को सचेत होकर जीने लगा था। वह जानता था कि उसका समय सीमित है, लेकिन इस सीमितता ने ही उसके जीवन को अर्थपूर्ण बना दिया था। अब उसे मृत्यु का डर नहीं था, बल्कि वह उसके साथ एक समझ बना चुका था एक ऐसा संबंध जो उसे हर दिन बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करता था।

एक दिन, अचानक फिर वही आवाज़ उसके कानों में गूँजी और वह खुद को फिर उसी 'प्रतीक्षा' इमारत के सामने खड़ा पाया। लेकिन इस बार उसके चेहरे पर डर नहीं, बल्कि एक शांत मुस्कान थी। जब वह अंदर पहुँचा, तो मृत्यु ने उसे देखकर कहा 'अब तुम समझ गए हो।' अमन ने उत्तर दिया 'हाँ अब मैं जी रहा हूँ।' मृत्यु मुस्कुराई और बोली 'तुम्हारा इंटरव्यू सफल रहा अब तुम्हें वही जीवन दिया जाता है, जो तुम सच में जीने के लायक बन चुके हो।' और उस क्षण इमारत धीरे-धीरे गायब होने लगी क्योंकि असली इंटरव्यू बाहर नहीं, भीतर पूरा हो चुका था।

**फ्लैट न. 9&10, गौड़ रेजीडेंसी, चन्दर नगर,
ग़ज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश -201011
मोबाइल : 9818750159**

पुस्तक समीक्षा

भिलाई : बदलते समय की रोचक कहानियां

डॉ सुधीर शर्मा

भारत के औद्योगिक इतिहास में कुछ शहर केवल नक्शे पर दर्ज नाम नहीं होते, वे अपने भीतर एक युग की स्मृतियाँ, संघर्ष और सपने सँजोए रहते हैं। छत्तीसगढ़ की धरती पर बसा भिलाई ऐसा ही शहर है, जिसकी पहचान केवल एक औद्योगिक नगर के रूप में नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के निर्माण की जीवंत प्रयोगशाला के रूप में रही है। यहाँ की मिट्टी में श्रम की गंध है, यहाँ की सड़कों पर इतिहास के पदचिह्न हैं और यहाँ की हवा में उस दौर की प्रतिध्वनि सुनाई देती है जब राष्ट्र निर्माण एक सामूहिक संकल्प हुआ करता था।

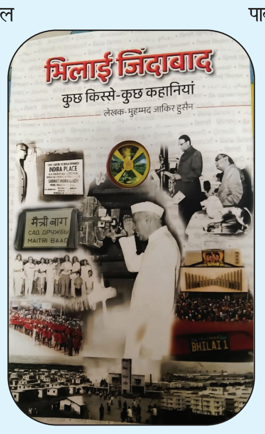

पुस्तक नाम	- भिलाई जिंदाबाद
लेखक	- मुहम्मद जाकिर हुसैन
प्रकाशक	- सर्वप्रिय प्रकाशन नई दिल्ली
मूल्य	- 400 रूपये ।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने जिस समाजवादी और मिश्रित अर्थव्यवस्था के मॉडल को अपनाया, उसमें भारी उद्योगों को राष्ट्र की रीढ़ माना गया। इसी सोच के केंद्र में रहा भिलाई इस्पात संयंत्र, जिसकी स्थापना केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं थी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की आकांक्षा का प्रतीक थी। 1950 के दशक में जब देश योजनाबद्ध विकास की राह पर अग्रसर हुआ, तब भिलाई का नाम राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उभरने लगा। यह वह समय था जब देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भारी उद्योगों को आधुनिक भारत के 'नए मंदिर' कहा करते थे। भिलाई उन्हीं मंदिरों में से एक बना, जहाँ मशीनों की गड़गड़ाहट के साथ भविष्य की रूपरेखा गढ़ी जा रही थी।

भिलाई की स्थापना की कहानी केवल सरकारी फाइलों या योजनाओं में सीमित नहीं है। यह उन गाँवों की कहानी भी है जिनकी जमीन अधिग्रहित हुई, उन परिवारों की कहानी है जिन्होंने अपनी पुरानी दुनिया छोड़कर नई बस्तियों में जीवन बसाया। कोटराभाठा, सुपेला, जामुल, कुरुद और मरौदा जैसे गाँवों की स्मृतियाँ आज भी बुजुर्गों की बातचीत में जीवित हैं। खेतों की हरियाली के स्थान पर जब सेक्टरों की व्यवस्थित रेखाएँ खिंचीं, तब एक ग्रामीण भूगोल शहरी परिदृश्य में बदल गया। यह परिवर्तन सहज नहीं था, परंतु समय की धारा में वह अपरिहार्य बन गया। भिलाई का एक विशेष पक्ष उसकी बहुसांस्कृतिक संरचना है। देश के कोने-कोने से आए इंजीनियर, तकनीशियन और श्रमिक यहाँ एक साथ बसे। बंगाल, पंजाब, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और दक्षिण भारत से आए लोगों ने अपनी-अपनी भाषाएँ, खान-पान और त्योहार साथ लाए। इस विविधता ने भिलाई को केवल औद्योगिक नगर नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संगम बना दिया। दुर्गा पूजा से लेकर गणेशोत्सव और छत्तीसगढ़ी लोकपर्वों तक, यहाँ उत्सवों की एक साझा परंपरा विकसित हुई। इस मेलजोल ने एक ऐसी नागरिक संस्कृति को जन्म दिया, जिसमें स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों रंग समाहित हैं।

समय के साथ भिलाई ने केवल विकास ही नहीं, संकट भी देखे। औद्योगिक दुर्घटनाएँ, श्रमिक आंदोलन, बिजली और कोयले के संकट, आर्थिक उदारीकरण के बाद की चुनौतियाँ–इन सबने इस नगर को झकझोरा। 1990 के दशक में जब देश ने उदारीकरण की नीति अपनाई, तब सार्वजनिक उपक्रमों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगने लगे। निजीकरण और आउटसोर्सिंग की प्रक्रियाओं ने पुराने ढाँचे को चुनौती दी। भिलाई भी इससे अछूता नहीं रहा। उत्पादन के नए मानदंड, तकनीकी आधुनिकीकरण और वैश्विक प्रतिस्पर्धा ने इस इस्पात नगरी को आत्ममंथन के लिए विवश किया।

फिर भी, यह उल्लेखनीय है कि भिलाई ने हर संकट के बाद स्वयं को पुनर्गठित किया। यहाँ की श्रमिक चेतना और प्रबंधन की सामूहिक समझ ने कई बार संभावित ठहराव को नई गति में बदला। इस्पात की तरह ही इस शहर की आत्मा भी तपकर मजबूत हुई। भिलाई की पहचान केवल उत्पादन के आँकड़ों से नहीं, बल्कि उस मानवीय रिश्ते से है जो यहाँ के लोगों को जोड़ता है। सेक्टरों की योजनाबद्ध बस्तियाँ, स्कूल, अस्पताल, पार्क और सांस्कृतिक भवन–ये सब उस कल्याणकारी सोच के प्रतीक हैं, जिसने इस नगर को आकार दिया। आज जब डिजिटल युग में सूचना और संचार के साधन बदल रहे हैं, तब भी भिलाई का इतिहास हमें यह सिखाता है कि विकास केवल तकनीकी उन्नति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों की निरंतरता भी है। यहाँ की पीढ़ियाँ बदल रही हैं; पुराने श्रमिकों की जगह नई तकनीकी दक्षता वाले युवा ले रहे हैं। फिर भी, शहर की स्मृतियों में वह दौर जीवित है जब इस्पात संयंत्र के सायरन के साथ दिन की शुरुआत होती थी और शाम को श्रमिक कॉलोनियों में जीवन की चहल-पहल गूँजती थी। भिलाई की कहानी हमें यह भी याद दिलाती है कि औद्योगिक नगर केवल आर्थिक इकाइयाँ नहीं होते, वे सामाजिक और सांस्कृतिक प्रयोगशालाएँ भी होते हैं। यहाँ श्रम और सपनों का संगम हुआ, यहाँ संघर्ष और सहयोग का संतुलन बना। यह शहर आज भी अपने अतीत के गौरव और वर्तमान की चुनौतियों के बीच संतुलन साधते हुए आगे बढ़ रहा है।

समय के बदलते परिदृश्य में जब सार्वजनिक उपक्रमों की भूमिका पर बहस जारी है, तब भिलाई एक जीवंत उदाहरण की तरह सामने खड़ा है। यह शहर हमें बताता है कि यदि दूरदृष्टि, सामाजिक प्रतिबद्धता और तकनीकी नवाचार साथ हों, तो कोई भी औद्योगिक परियोजना केवल कारखाना नहीं रहती, वह समाज का धड़कता हुआ हृदय बन जाती है।

भिलाई की गाथा दरअसल उस भारत की गाथा है जिसने कठिनाइयों के बीच अपने लिए रास्ता बनाया। यह उस विश्वास की कहानी है कि विकास केवल मशीनों से नहीं, मनुष्यों से होता है। इस फौलादी नगर की आत्मा में आज भी वही उम्मीद धड़कती है–कि समय चाहे जैसा भी हो, श्रम, साहस और सामूहिकता की शक्ति से भविष्य गढ़ा जा सकता है। प्रस्तुत पुस्तक भिलाई ज़िंदाबाद के लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने भिलाई को जीया है, बचपन से लेकर अपनी जवानी की सांसें भिलाई को दी हैं। वे एक रचनात्मक और सकारात्मक पत्रकारिता तथा लेखन के सच्चे श्रमिक हैं। अपने अनुभव और भिलाई को ढालने वाले अनेक विभूतियों से सुनकर तथा समझकर उन्होंने यह पुस्तक लिखी है। बीते बीस-तीस बरस के देखे-सुने किस्सों का यह संग्रह है। यह भिलाई की अस्मिता और गौरव का शंखनाद है भिलाई ज़िंदाबाद। लेखक को इसके लिए साधुवाद है। ये किस्से आनेवाली पीढ़ी के लिए इतिहास से लेकर वर्तमान की गाथा है। भविष्य के सपनों को पूरा करने का मंत्र है। बधाई जाकिर और धन्यवाद उन किस्सागोई व्यक्तित्वों का जो इसके गवाह हैं।

अध्यक्ष, हिंदी एवं पत्रकारिता विभाग, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई छत्तीसगढ़

व्यंग्य

व्यंग्य का भूत

विनोद कुमार विक्की

एक समय था, जब छपासी बाबू के कमजोर व्यंग्य-लेखन से केवल उनका परिवार ही संक्रमित था। घरवाले उनकी रचनाएँ पढ़ते-सुनते इस कदर त्रस्त थे कि चाय की प्याली भी उन्हें व्यंग्यात्मक प्रतीत होने लगी थी। धीरे-धीरे यह संक्रमण फैमिली लाइफ़, सोशल लाइफ (समाज) से सोशल मीडिया तक फैल गया। सोशल मीडिया पर मित्रों ने ओइजा बोर्ड की तरह पहले 'वाह-वाह, बहुत खूब, शानदार' की आड़ में व्यंग्य-आत्मा का आह्वान तो किया, लेकिन आलोचना के मंत्र से उस रूह को वापस भेजना भूल गए। धीरे- धीरे छपासी बाबू पर व्यंग्य की रूहानी शक्ति ने कब्ज़ा जमाना शुरू कर दिया। परिणामतः बेचारे पाठक, छपासी बाबू के भीतर समा चुकी व्यंग्य-आत्मा के व्यंग्यातंक के शिकार होने लगे।

संपादक महोदय की अनुकंपा हो या स्वयंभू व्यंग्यकार घोषित होने की तीव्र लालसा,छपासी बाबू को व्यंग्य लिखने की ऐसी खुजली हुई कि वह अब चर्मरोग का स्थायी रूप ले चुकी थी। प्रतिदिन सुबह, दोपहर, शाम और देर रात वे व्यंग्य के नाम पर ऐसी रचनाएँ परोसते, मानो पाठकों के दिमाग का 'भेजा फ्राई' ही उनका साहित्यिक लक्ष्य हो। परिणामस्वरूप पाठक समुदाय मानसिक रूप से दुर्बल पड़ने लगा।

अंततः पीड़ित पाठकों ने सामूहिक बैठक बुलाई और व्यंग्य-मठ के फादर, अर्थात् आलोचक महोदय, के चरणों में जाकर अपनी व्यथा सुनाई। आलोचक ने अपना 'व्यंग्य-दर्शी उपकरण' उठाया और छपासी बाबू के सोशल मीडिया खाते का निरीक्षण किया। दो-चार पोस्ट पढ़ते ही वे समझ गए–मामला गंभीर है; यह साधारण लेखन नहीं, व्यंग्य-प्रेत-बाधा है!

स्थिति की गंभीरता देखते हुए फादर ने 'राग दरबारी' नामक पवित्र ग्रंथ उनके मस्तक पर रखकर उच्चारण किया– 'इन द नेम ऑफ सटायरिस्ट,इन द नेम ऑफ सटायर,इन द नेम ऑफ होली स्पिरिट... बताओ, कौन हो तुम?

छपासी धीरे से बोले– 'मैं व्यंग्यकार हूँ!

फिर फादर ने उनके कान में यूट्यूब पर उपलब्ध परसाई रचनावली का पाठ सुनाते हुए पूछा– 'इन द नेम ऑफ सटायर, सच-सच बताओ, कौन हो तुम?

छपासी गरजे– 'मैं व्यंग्य-लेखक हूँ! अब क्या मुझे एसआईआर का प्रमाण देना पड़ेगा!

फादर ने शांत स्वर में कहा– 'पर तुम्हारी रचनाओं में व्यंग्य कहाँ है? '

छपासी मुस्कुराए– 'मन की आँखों से पढ़िए, विशुद्ध, खांटी व्यंग्य दिखेगा। '

आलोचक बोले– 'सोशल मीडिया पर आपकी रचनाओं का थोक उत्पादन और प्रकाशन तो ठीक है, पर व्यंग्य का अंश हमें कभी दिखाई नहीं दिया। '

छपासी तर्क पर उतर आए– 'अरे ओ व्यंग्यज्ञानी! हवा, भगवान और रूह भी तो दिखाई नहीं देते! तो क्या वे नहीं हैं? वैसे ही मेरी रचनाओं में व्यंग्य अदृश्य रूप से विद्यमान है। फादर ने अंतिम अस्त्र चलाया– 'परसाई, जोशी,त्यागी–किस युग के व्यंग्यकार हो? '

छपासी गर्व से बोले– 'हम तो हड़प्पा काल के व्यंग्यकार हैं!

'तो अब तक कुछ लिखा क्यों नहीं?

छपासी भड़क उठे– 'अरे, इतना लिखा कि ढेर लग गया! जब तुम लोगों ने हड़प्पाकालीन लिपि को अपठनीय मान लिया, तो मेरी रचनाओं में व्यंग्य कैसे समझोगे?

फादर (आलोचक) समझ गए–भूत बड़ा चंट है, आसानी से उतरने वाला नहीं। उन्होंने ढेर सारे ताबीज अभिमंत्रित कर पाठकों में बाँट दिए।

पाठकों ने पूछा– 'यह क्या है?

फादर(समीक्षक) गंभीरता से बोले– 'यह 'नज़रअंदाज़ यंत्र' है। इसे धारण कर लो। जब तक छपासी बाबू पर व्यंग्य-प्रेत सवार है, यही एकमात्र बचाव है। तब से पाठक निश्चिंत हैं। निराकार व्यंग्य-आत्मा को अपने नश्वर शरीर में स्थायी निवास प्रमाणपत्र जारी करने वाले छपासी बाबू आज भी प्रतिदिन सोशल मीडिया और संपादकों की कृपा से व्यंग्य-जगत में तांडव मचा रहे हैं।

फर्क सिर्फ इतना है कि अब पाठक 'नज़रअंदाज़ यंत्र' पहनकर अपना साहित्यिक स्वास्थ्य सुरक्षित रखे हुए हैं।

**_ महेशखूंट बाजार,
खगड़िया (बिहार) 851213
मो-7765954969**

गीत

जीवन का कौन ठिकाना है / संजय पंकज

तुमसे चलकर तुम तक आना
जीने का बस एक बहाना
सोते - जगते तुमको भजना
सांस सांस तुमको गाना है
जीवन का कौन ठिकाना है!

हीरे का सौदागर पीतल
बेच रहा तो क्या मजबूरी
व्यर्थ भटकते जंगल जंगल
ढूंढ मरा हिरणा कस्तूरी

बसी नयन में ज्योति तुम्हारी
अपना अनमोल खजाना है!
जीवन का कौन ठिकाना है!!

किसने देखी गहरी घाटी
किसने गिरि पर ध्वजा उड़ाई
किसने अंबर के सीने पर
चढ़कर चंद्र-किरण लहराई

मुझ में सारे संदर्भ भरे
दृश्यों का बड़ा तराना है!
जीवन का कौन ठिकाना है!!

मन के भीतर सजा बगीचा
रंग-बिरंगे फूल खिलाए
कोयल बुलबुल मधुकर तितली
अपनी धुन पर नाचे गाए

रंग राग का तना चंदोवा
छंद गंध का नजराना है!
जीवन का कौन ठिकाना है!!

ग़ज़ल / महफ़िल से पहले

माणिक विश्वकर्मा नवरंग

शमा जलती है रोज़ महफ़िल से पहले,
कई मोड़ आते हैं मंज़िल से पहले।

न सँभले तो इकदिन भुगतना पड़ेगा ,
नहीं पूछता वक़्त ग़ाफ़िल से पहले।

जो देखा नहीं पास से कोई दरिया ,
क़दम उसके रुकते हैं साहिल से पहले ।

उसे सालों हम भी न पहचान पाये,
जो रहता था इस दिल में बिस्मिल से पहले ।

सुकूं मिलता था क़त्ल होने में 'नवरंग'
मिला करते थे रोज़ क़ातिल से पहले.

**मकान नं 139 , यूनीहोम्स कॉलोनी, भाटागाँव ,
जिला - रायपुर- 492013
मो.9424141875, 7974850694**

लघुकथा — साथी साथ निभाना

नील मणि

विदेश से मायके पहुंची बेटी सुबह अपने बेटों की फरमाइश पूरी करने में जुटी है। श्रुति के पूछने पर नाश्ते में बच्चों ने ऑमलेट को चुना। श्रुति ने बच्चों की पसंद की सब्जियां आदि डाल यत्न से ऑमलेट तैयार कर बच्चों को दिया। एक ग्रास मुंह में जाते ही छोटे बेटे ने कहा - मॉम आमलेट में कोई स्वाद नहीं. ' .दूसरे ने फरमाइश रख दी- मॉम, पोटैटो,पराठा. ' छोटे ने हाँ में सिर हिलाया। अब... दोनों ऑमलेट गए सीधे डस्टबिन में। फिर पंराठे बने। नाश्ता पूरा होने के बाद माँ ने बेटी से धीरे से कहा - 'श्रुति, तुम अपने बच्चों को बिगाड़ रही हो। दिन भर बेटी ने देखा कि माँ हर एक-दो घंटे में पापा की कोई न कोई सेवा करती हैं – कभी चाय, कभी दवा, कभी फल। जब मां काढ़ा लेकर जाती तो पापा कहते- 'नहीं, अभी काढ़ा पीने का मन नहीं, अभी सूप ले आओ।
मां फिर सूप बनाकर ले जाती। बेटी से रहा न गया, बोली - 'माँ, तुमने पापा की आदतें बिगाड़ रखी हैं। 'माँ मुस्कुराई- 'बेटा, आदतें तो फौजी महकमे ने बिगाड़ दीं हैं। अब हम अकेले हैं, तो समय भी इन्हीं छोटे-छोटे कामों में कट जाता है। साथ निभाना पड़ता है और थोड़ा सामंजस्य भी बैठाना होता है।
बेटी की आँखें भर आईं– 'अब समझी माँ... इसीलिए तो पापा तुम्हारे बिना कहीं रहना नहीं चाहते।

**मेरठ -
मों. 9412708345**

दो कविताएँ

ललन चतुर्वेदी

एक सुंदर वाक्य लिखना चाहता हूं
बाजार जाता हूं तो ताजा सब्जियां छांटता हूं
फूलवारी से सबसे सुंदर फूल लोढ़ता हूं
किसी से मिलते हुए मुस्कान आगे रखता हूं
बोलने के पहले सौ बार सोचता हूं
जानता हूं मौखिक हो या लिखित
सब कुछ रिकार्ड हो जाता है
आज नहीं तो कल कोई
साक्ष्य के रूप में इसका उपयोग कर सकता है
और नहीं भी करे तो क्या ?
मैं सार्वजनिक जीवन में निजता का कायल नहीं हूं
सब मेरे हैं, मैं सबका हूं
जैसे कोई लिपिक सुधारता है बार-बार टंकितप्रारूप
वैसे ही मैं अपनी हर गलती स्वीकारते हुए
स्वयं को सुधारना चाहता हूं

अफसोस नहीं कि लिख पाया कोई अच्छी कविता
लेकिन जब भी मौका मिले एक सुंदर वाक्य
लिखना चाहता हूं।
आम को अमरूद नहीं लिखूंगा
गाय नहीं हूं कि खूंटे में बांध दोगे
पुचकारकर पेन्हा लोगे और दूहने लगोगे सुबह-शाम
रुपया गिना लोगे और पगहा पकड़ा
*दोगे ऐरू- गैरू के हाथ
यदि मन भर गया तो कर दोगे कसाई के हवाले
श्रीमान! एक कवि से कभी मत यह भरम
पालें।
स्वतंत्रचेता कवि हूं
मिला है जिसे सरस्वती का वरदान
नहीं करूंगा किसी का स्तुति- गान
आम को अमरूद नहीं लिखूंगा
किसी से कविताई नहीं सीखूंगा
तोता नहीं हूं कि पिंजड़े में कैद कर लोगे
और तुम्हारे सिखाए गीत दोहराऊंगा
सुनो, तुम्हारे दरबार में हाजिरी नहीं लगाऊंगा
अमराइयों में विचरूंगा
कोयल की तरह सबसे अलग तान भरूंगा
देख लूंगा जब समय नहीं रहा हमारा
चुपचाप कूच कर जाऊंगा ।

***लोक कवि भिखारी ठाकुर की प्रसिद्ध पंक्ति ।**

लघुकथा — स्नेह भरी झिड़की

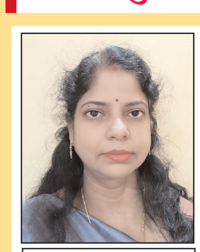

शीला श्रीवास्तव

मां जी ! दूध पी लीजिए ।' नीता अपनी सास मालती जी को दूध का गिलास थमाते हुए बोली । ' रहने दे बहू । मैं दूध पीकर क्या करूंगी? यह दूध तुम बिट्टू को दे दो । वह बढ़ता हुआ बच्चा है ।उसे दूध की ज्यादा जरूरत है ।' मालती जी बोली

' दूध की जरूरत आपको भी है मां जी ।' नीता आत्मीयता भरे स्वर में बोली। ' अरे बहू !अब यह सब खाने-पीने से क्या फायदा! मैं कौन सा अब कोई काम की रही । बस समय काट रही हूं।' मालती जी अलसाते हुए बोली ' कैसी बाते कर रहीं मां जी ! माना आपको अपने पोते - पोतियों से ज्यादा फ़िक्र है, पर थोड़ी अपनी भी फ़िक्र कर लिया कीजिए।एक बुजुर्ग के पोषण एवं सेहत के देखरेख करना उतना ही ज़रूरी है जितना कि एक बच्चे की । ढलती उम्र में कमजोर होते शरीर को अधिक पोषण की आवश्यकता होती है। पोषाहार न लेने से बुढ़ापे में बीमार पड़ने की अशंका और बढ़ जाती है , इसलिए चुपचाप दूध पी लीजिए। अपनी बहू की स्नेह भरी झिड़की सुन मालती जी भावूक हो गई और भरे गले बोली , ' तू नहीं मानेगी बहू ..ला दे दूध का गिलास नीता ने मुस्कुराते हुए दूध का गिलास अपनी सास के हाथों में थमा दी ।दूध पीते हुए मालती जी अपनी बहू को ढेरों आशीर्वाद देती रहीं।

विजय नगर इंदौर (म.प्र.)

गुजरात ने बढ़ाई बैटरी ऊर्जा स्टोरेज क्षमता, 870 मेगावाट तक पहुंचा नेटवर्क

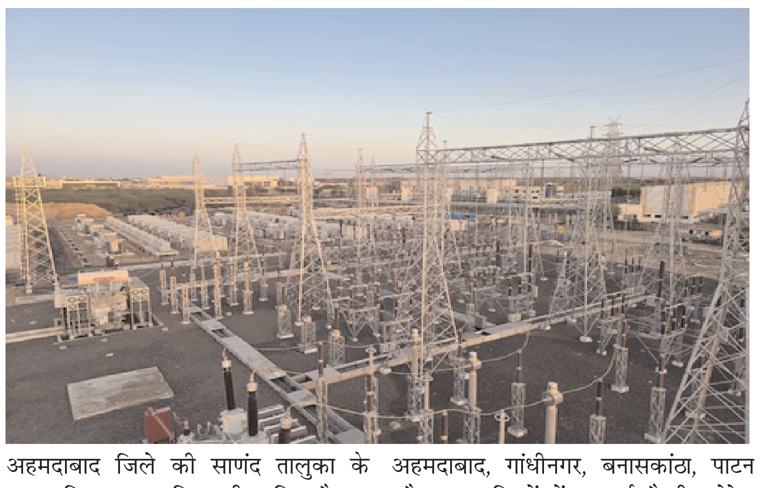

गांधीनगर। गुजरात ने नवीकरणीय ऊर्जा के उतार-चढ़ाव वाले उत्पादन को नियंत्रित करने और ग्रिड की स्थिरता को मतबूत करने के व्यापक प्रयासों के तहत पांच चालू स्थानों पर अपनी बैटरी ऊर्जा स्टोरेज क्षमता को बढ़ाकर 870 मेगावाट कर दिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

राज्य की यह नई क्षमता वृद्धि, बैटरी ऊर्जा स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) को जल्दी अपनाने की उसकी पहल पर आधारित है। इसकी शुरुआत सबसे पहले मेहसाणा जिले के मोढेरा में हुई थी, जिसे भारत के पहले सौर-ऊर्जा संचालित गांव के रूप में मान्यता प्राप्त है, जहां सौर ऊर्जा उत्पादन को बैटरी स्टोरेज के साथ एकीकृत किया गया था।

गुजरात ने इसी मॉडल का अनुसरण करते हुए धीरे-धीरे कई स्थानों पर स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर की तैनाती का विस्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, अब राज्य भर में पांच स्थानों पर बैटरी स्टोरेज सिस्टम चालू हैं। हाल ही में चालू की गई सुविधाओं में अहमदाबाद जिले की साणंद तालुका के चारल स्थित एक सुविधा भी शामिल है।

अन्य चालू स्थानों में मोढेरा और कच्छ स्थित लखपत शामिल हैं, जिससे कुल स्थापित क्षमता 870 मेगावाट तक पहुंच गई है। यह विस्तार, राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण रणनीति के तहत पहले चरणबद्ध तरीके से की गई स्थापनाओं के बाद किया गया है। मौजूदा परियोजनाओं के अलावा, अहमदाबाद, गांधीनगर, बनासकांठा, पाटन और कच्छ जिलों में 13 नई बैटरी स्टोरेज परियोजनाओं का पंजीकरण किया गया है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य स्टोरेज क्षमता को और मजबूत करना तथा ग्रिड में नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण को बढ़ावा देना है, क्योंकि सौर और पवन स्रोतों से ऊर्जा उत्पादन लगातार बढ़ रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि बैटरी स्टोरेज के विस्तार का मुख्य उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन, विशेष रूप से सौर ऊर्जा के उत्पादन में होने वाले उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करना है। सौर ऊर्जा का उत्पादन दिन के समय अपने चरम पर होता है, लेकिन शाम के समय इसमें गिरावट आ जाती है, जबकि आमतौर पर इसी समय बिजली की मांग बढ़ जाती है।

संग्रहीत बिजली का उपयोग बिजली की मांग के चरम समय में किया जा सकता है, जिससे ग्रिड पर पड़ने वाला दबाव कम होता है और बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इस पहल को 'गुजरात एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा नीति-2025' में शामिल किया गया है। इस नीति के तहत बैटरी स्टोरेज परियोजनाओं को स्वतंत्र इकाइयों के रूप में और साथ ही नई तथा मौजूदा नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के साथ मिलाकर विकसित किया जा रहा है।

इस नीतिगत ढांचे में भविष्य में औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के साथ भी स्टोरेज सिस्टम को एकीकृत करने का प्रावधान है।

दो दिन में 97 लाख से ज्यादा घरेलू एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी, ऑनलाइन बुकिंग 99 प्रतिशत पहुंची: सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को बताया कि पिछले दो दिनों में करीब 87.66 लाख सिलेंडर बुकिंग के मुकाबले 97 लाख से ज्यादा घरेलू एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी की गई। वहीं, रसोई गैस की ऑनलाइन बुकिंग बढ़कर 99 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि घरेलू एलपीजी की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है। उपभोक्ताओं के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजे गए ऑथेंटिकेशन कोड के आधार पर 95 प्रतिशत डिलीवरी की जा रही है, ताकि डिस्ट्रीब्यूटर स्तर पर गैस की हेराफेरी रोकी जा सके। पश्चिम एशिया संकट के कारण सप्लाई में आई दिक्कतों के बावजूद किसी भी रिटेल गैस एजेंसी पर गैस खत्म होने की स्थिति सामने नहीं आई है।

पिछले दो दिनों में करीब 1.11 लाख छोटे 5 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर भी बेचे गए। 3 अप्रैल से अब तक सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने 10,700 से ज्यादा जागरूकता शिविर लगाए हैं, जिनमें शहरी इलाकों में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों को छोटे सिलेंडर के उपयोग के बारे में जानकारी दी जा रही है।

इसके अलावा, पिछले दो दिनों में 15,493 मीट्रिक टन से ज्यादा कमर्शियल एलपीजी की बिक्री हुई, जो 19 किलोग्राम वाले करीब 8.15 लाख सिलेंडरों के बराबर है।

आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के कार्यकारी निदेशकों की तीन सदस्यीय समिति राज्य सरकारों और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कमर्शियल एलपीजी बिक्री की योजना तय कर रही है। करीब 6.5 लाख पीएनजी कनेक्शन में गैस सप्लाई शुरू की जा चुकी है और अतिरिक्त 2.66 लाख कनेक्शन के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है। इसके साथ कुल पीएनजी कनेक्शन की संख्या 9.16 लाख तक पहुंच गई है। वहीं, 7.08 लाख नए ग्राहकों ने नए कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है। बयान में आगे कहा गया है कि एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देश भर में लगातार कार्रवाई जारी है। गुरुवार को पूरे देश में 2,000 से ज्यादा छापेमारी की गई।

सरकार ने महाराष्ट्र के पहले आधुनिक 'फ्यूचर-रेडी' डाकघर का किया उद्घाटन, ग्राहकों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

नई दिल्ली। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को कहा गया है कि नवीनीकृत अंधेरी रेलवे स्टेशन (आरएस) डाकघर का 'जन सेवा कनेक्ट' पहल के तहत 'फ्यूचर-रेडी' पोस्ट ऑफिस के रूप में उद्घाटन किया गया।

संचार मंत्रालय के अनुसार, इस नए और आधुनिक पोस्ट ऑफिस में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक इंटीरियर, ग्राहकों के लिए बेहतर सुविधाएं, डिजिटल सेवाएं, तेज सेवा प्रणाली और नई ब्रांडिंग जैसी सुविधाएं दी गई हैं।

'जन सेवा कनेक्ट' इंडिया पोस्ट की एक बड़ी आधुनिकीकरण योजना है, जिसका उद्देश्य डाकघरों को आसान, तेज और डिजिटल सुविधाओं से लैस सामुदायिक सेवा केंद्रों में बदलना है। इस पहल के तहत महाराष्ट्र में करीब 2,000 डाकघरों को आधुनिक बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। अंधेरी आरएस पोस्ट ऑफिस उन 40 डाकघरों में शामिल है, जिन्हें देश के 17 राज्यों में 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' के तौर पर चुना गया है। यह महाराष्ट्र का पहला और देश का दूसरा पोस्ट ऑफिस है, जिसे इस पहल के तहत शुरू किया गया है।

इस पोस्ट ऑफिस का उद्घाटन केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया।

सिंधिया ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आधुनिक, भविष्य के अनुरूप और नागरिकों पर केंद्रित डाक व्यवस्था बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

वहीं, फडणवीस ने कहा कि इंडिया पोस्ट लोगों को जोड़ने और अंतिम व्यक्ति तक सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

देश भर में 1.65 लाख से ज्यादा डाकघरों के नेटवर्क के साथ इंडिया पोस्ट वित्तीय समावेशन और सार्वजनिक सेवाएं पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

विभाग ने वर्ष 2025-26 के दौरान सकल डाक राजस्व में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो इसके आधुनिकीकरण प्रयासों का असर दिखाता है।

बयान के अनुसार, 1932 में स्थापित अंधेरी आरएस पोस्ट ऑफिस का नवीनीकरण इंडिया पोस्ट की उस योजना का हिस्सा है, जिसके तहत पारंपरिक डाकघरों को आधुनिक, ग्राहक-केंद्रित और तकनीक आधारित सेवा केंद्रों में बदला जा रहा है।

यह परियोजना नई दिल्ली के स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के सहयोग से पूरी की गई है।

2047 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त 500 अरब डॉलर का योगदान दे सकता है खनन क्षेत्र: रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि भारत का खनन उद्योग आधुनिक तकनीकों और टिकाऊ खनन तरीकों को तेजी से अपनाता है तो यह 2047 तक देश की अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त 500 अरब डॉलर का योगदान दे सकता है और करीब 2.5 करोड़ नई नौकरियां पैदा कर सकता है।

डेलॉयट और इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, तेजी से बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों और विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार के कारण खनिजों की मांग बढ़ रही है, जिससे भारत का खनन क्षेत्र बड़े बदलाव के दौर में प्रवेश कर रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में खनन उद्योग अहम भूमिका निभा सकता है।

फिलहाल खनन क्षेत्र का भारत की जीडीपी में सीधा योगदान करीब 2 से 3 प्रतिशत है। साथ ही यह इस्पात, सीमेंट, ऑटोमोबाइल, बिजली और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे प्रमुख उद्योगों को भी समर्थन देता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का खनन क्षेत्र अब 'माइनिंग 4.0' से आगे बढ़कर 'माइनिंग 5.0' मॉडल की ओर बढ़ रहा है।

'माइनिंग 4.0' मुख्य रूप से ऑटोमेशन और डिजिटल तकनीकों पर आधारित था, जबकि 'माइनिंग 5.0' में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), एडवांस एनालिटिक्स, डिजिटल ट्विन और आपस में जुड़े ऑपरेशनल सिस्टम का इस्तेमाल होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'माइनिंग 5.0' पारंपरिक खनन मॉडल से हटकर तकनीक-आधारित, टिकाऊ और ज्यादा मूल्य देने वाले खनन सिस्टम की दिशा में बड़ा बदलाव है।

रिपोर्ट के अनुसार, कई भारतीय खनन कंपनियां पहले ही अलग-अलग डिजिटल तकनीकों का इस्तेमाल कर रही हैं, लेकिन इन तकनीकों को एक साथ जोड़कर काम करने में अभी भी चुनौतियां हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर कंपनियां योजना, उत्पादन, लॉजिस्टिक्स, रख-रखाव, सुरक्षा और टिकाऊ संचालन को एकीकृत डिजिटल सिस्टम से नहीं जोड़ती हैं, तो डिजिटल निवेश का पूरा फायदा नहीं मिल पाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नीतिगत सुधार, इस्पात की बढ़ती मांग, महत्वपूर्ण खनिजों की जरूरत और सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल खनन क्षेत्र में तेजी से बदलाव ला रही हैं। इसके अलावा, एआई-आधारित सुरक्षा सिस्टम, स्वचालित खनन संचालन, रियल टाइम मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म और हाइब्रिड क्लाउड-एज डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी तकनीकों को भारत के भविष्य के खनन क्षेत्र का प्रमुख आधार बताया गया है।

2.57 लाख करोड़ रुपए के टैक्स बकाया की वसूली के लिए सीबीडीटी चलाएगा बड़ा अभियान: रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) चालू वित्त वर्ष में 2.57 लाख करोड़ रुपए के पुष्टि किए गए टैक्स बकाये की वसूली के लिए प्रयास तेज करने जा रहा है।

इस अभियान के तहत वित्त वर्ष 2026-27 में देश भर के 10,000 सबसे बड़े टैक्स बकाया मामलों की निगरानी के लिए विशेष टीमें बनाई जाएंगी। टैक्स विभाग के अधिकारियों ने एनडीटीवी प्रॉफिट को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक, टैक्स वसूली और अनुपालन निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल फॉरेंसिक जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा।

सीबीडीटी अधिकारियों ने बताया कि टैक्स वसूली टीमें डिफॉल्टरों से जुड़ी संपत्तियों और गिरवी रखी गई परिसंपत्तियों का पता लगाने के लिए सीईआरएसएआई के मॉर्गेज और एसेट डेटाबेस का भी उपयोग कर सकती हैं।

टैक्स विभाग बड़े एडवांस टैक्स देने वालों पर भी नजर रखेगा और टैक्स छूट तथा कटौतियों के गलत इस्तेमाल की पहचान करेगा।

वित्त वर्ष 2025-26 में सीबीडीटी ने 2.24 लाख अपीलों का निपटारा किया, जिनमें 8.27 लाख करोड़ रुपए की विवादित टैक्स मांग शामिल थी।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, लंबित अपीलों की संख्या वित्त वर्ष 2025-26 में 5.40 लाख से घटकर 4.95 लाख रह गई। साथ ही अधिकारियों को गैर-अनुपालन करने वाले टैक्सदाताओं से वसूली पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। बजट 2026 के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य 26.97 लाख करोड़ रुपए रखा गया है।

इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर मामूली बढ़ा, लेकिन सरकार के संशोधित अनुमान से कम रहा। इसकी वजह बदलते आर्थिक हालात बताए गए हैं। अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में प्रत्यक्ष कर संग्रह में 5.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 23.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। हालांकि यह संशोधित अनुमान 24.21 लाख करोड़ रुपए से करीब 81,000 करोड़ रुपए कम रहा, जिससे यह संकेत मिला कि टैक्स राजस्व में अपेक्षा से कम बढ़ोतरी हुई।

वहीं, हाल ही में लागू किए गए आयकर अधिनियम 2025 को लेकर मुख्य आयकर आयुक्त (आईटी एवं टीपी) निरुपमा कोतरू ने कहा कि इससे भारत का टैक्स सिस्टम ज्यादा सरल, समझने में आसान और करदाताओं के अनुकूल बना है।

उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य आम लोगों को बिना किसी भ्रम के टैक्स रिटर्न भरने में मदद करना और सामान्य टैक्स प्रक्रिया के लिए पेशेवरों पर निर्भरता कम करना है।

देश भर में पूरी तरह लागू हुए चारों नए लेबर कोड्स

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चारों श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) को पूरी तरह लागू कर दिया है। सरकार ने इनके तहत बनाए गए नियमों को आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित कर दिया है। इन सुधारों को पहली बार लागू किए जाने के पांच साल से ज्यादा समय बाद अब नया श्रम कानून ढांचा देश भर में पूरी तरह प्रभावी हो गया है।

चारों श्रम संहिताएं (वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियां संहिता 2020) 21 नवंबर 2025 से लागू हो चुकी थीं।

अब नियमों के प्रकाशित होने के बाद देश भर में नई श्रम व्यवस्था पूरी तरह से लागू हो गई है।

गौरतलब है कि इन श्रम संहिताओं को 29 पुराने श्रम कानूनों को हटाकर एक सरल और व्यवस्थित ढांचा बनाने के लिए लाया गया था।हालांकि अधिकारियों के अनुसार, पहले कुछ व्यवस्थाएं इसलिए लागू नहीं हो पाई थीं क्योंकि उनसे जुड़े नियम अधिसूचित नहीं किए गए थे। इससे पहले मई में श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने नए श्रम कानूनों के तहत 40 साल और उससे अधिक उम्र के सभी कर्मचारियों के लिए देशव्यापी वार्षिक स्वास्थ्य जांच अभियान शुरू किया था। अब 40 वर्ष से ऊपर के सभी कर्मचारियों का हर साल देश भर में मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

डॉ. मंडाविया ने कहा कि चारों श्रम संहिताओं का लागू होना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस गारंटी को दर्शाता है, जिसके तहत देश भर के श्रमिकों को सम्मान, कल्याण और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि नए श्रम सुधारों में पुरुष और महिला कर्मचारियों के लिए समान वेतन का प्रावधान किया गया है। साथ ही मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया है। महिलाओं के लिए वर्क फ्रॉम होम की सुविधा भी शामिल की गई है।इसके अलावा, नौकरी गंवाने वाले कर्मचारियों को दोबारा प्रशिक्षण देकर नए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय री-स्किलिंग फंड बनाने का भी प्रावधान किया गया है।

रिलायंस समूह से जुड़े मामलों में सीबीआई ने मुंबई के 17 स्थानों पर चलाया तलाशी अभियान

मुंबई। सीबीआई ने शनिवार को अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों-रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कामर्शियल फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज तीन मामलों में मुंबई में 17 परिसरों में तलाशी अभियान चलाया।

सीबीआई की ओर से जारी बयान के अनुसार, ये तलाशी अभियान उपरोक्त कंपनियों के निदेशकों के आवासीय परिसरों के साथ-साथ उन मध्यस्थ कंपनियों के कार्यालय परिसरों में चलाए गए, जिनके खातों का उपयोग बैंक फंड की हेराफेरी के लिए किया गया था। तलाशी अभियान 8 मई को मुंबई स्थित सीबीआई मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश द्वारा जारी सर्च वारंट के आधार पर चलाया गया और इसके दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए।

सीबीआई के अनुसार, तलाशी के दौरान यह भी सामने आया कि कई मध्यस्थ कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं। मामले की जांच जारी है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में सीबीआई ने अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह के खिलाफ विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एलआईसी द्वारा दर्ज शिकायतों के आधार पर सात मामले दर्ज किए हैं। ये मामले हजारों करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी से जुड़े हैं।

इन मामलों में कथित नुकसान की कुल राशि 27,337 करोड़ रुपये बताई गई है। सीबीआई ने इससे पहले इन मामलों के पंजीकरण के तुरंत बाद पिछले कुछ महीनों में 14 स्थानों पर भी तलाशी अभियान चलाया था। रिलायंस कम्युनिकेशन के बैंकिंग परिचालन के समग्र प्रभारी रहे डी विश्वनाथ और बैंकिंग संचालन व फंड के उपयोग और भुगतान प्रबंधन में सक्रिय सहयोग देने वाले अनिल कलय को 20 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था।

सीबीआई के बयान में कहा गया, दोनों आरोपी वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। समूह से जुड़े मामलों की जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट द्वारा की जा रही है।

हंतावायरस, नोरोवायरस... क्यों क्रूज शिप बन गए हैं बीमारियों का घर? वे 3 हिस्से जहां सबसे ज्यादा खतरा

क्रूज वेकेशन को अक्सर समंदर के बीच एक आलीशान और सुरक्षित सफर के तौर पर दिखाया जाता है। शानदार खाना, मनोरंजन और अलग-अलग देशों की सैर का लालच किसी को भी अपनी ओर खींच लेता है। लेकिन पिछले कुछ समय में जहाजों पर फैली बीमारियों ने एक डरावनी हकीकत पेश की है। क्रूज शिप अब संक्रामक बीमारियों के लिए सबसे संवेदनशील जगह बन गए हैं। पिछले हफ्ते ही दो बड़े जहाजों पर वायरस का हमला हुआ है। इसमें एमवी होंडियस पर घातक हंतावायरस और कैरिबियन प्रिंसेस पर नोरोवायरस का प्रकोप शामिल है।

कोरोना महामारी के बाद क्रूज टूरिज्म में काफी तेजी आई है। लोग अब अंटार्कटिक और दूरदराज के इलाकों की यात्रा करना पसंद कर रहे हैं। लेकिन यात्रियों की बढ़ती संख्या के साथ जोखिम भी बढ़ गया है। पिछले कुछ सालों में क्रूज पर नोरोवायरस, कोविड-19, लीजियोनेयर्स रोग और ई. कोलाई जैसे संक्रमण देखे गए हैं। अब हंतावायरस की एंट्री ने एक्सपर्ट्स की नींद उड़ा दी है। आखिर क्यों करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी यात्री इन बीमारियों का शिकार हो रहे हैं? यह सवाल अब ग्लोबल टूरिज्म इंडस्ट्री के सामने खड़ा है।

एमवी होंडियस पर हंतावायरस का कहर कैसे बरपा?

सबसे ज्यादा चौंकाने वाली घटना डच ऑपरेशन वाले जहाज एमवी होंडियस पर हुई। यहां हंतावायरस के कारण कई यात्री गंभीर रूप से बीमार हो गए और कुछ की मौत भी हो गई। यह मामला इसलिए भी गंभीर था क्योंकि इसमें एंडीज वायरस स्ट्रेन पाया गया।

यह हंतावायरस का वह दुर्लभ रूप है जो इंसानों से इंसानों में फैल सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक इस क्लस्टर से जुड़े आठ लोग बीमार हुए। इनमें से तीन लोगों की जान जा चुकी है।

जब 2 मई को पहली बार इस आउटब्रेक की रिपोर्ट आई, तब जहाज पर 147 यात्री और क्रू मेंबर्स मौजूद थे। इसके अलावा 34 लोग पहले ही रास्ते में उतर चुके थे। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि संक्रमित मरीजों का इलाज दक्षिण अफ्रीका, नीदरलैंड और स्विट्जरलैंड में चल रहा है।

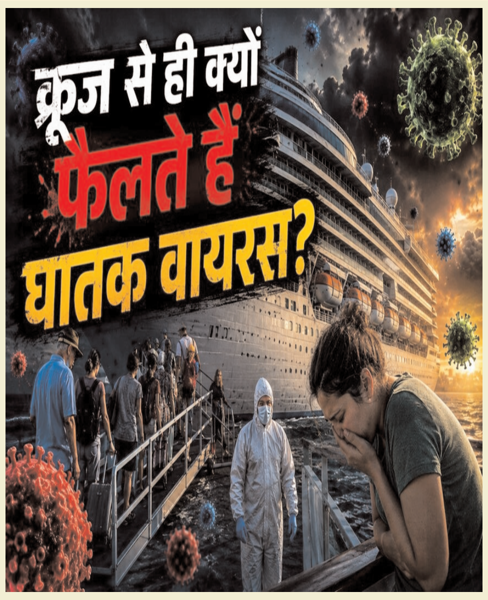

जांच में पता चला कि यह संक्रमण शायद जहाज पर चढ़ने से पहले ही शुरू हो गया था। पहला मरीज अर्जेंटीना या चिली में संक्रमित हुआ होगा। इन इलाकों में एंडीज वायरस का इतिहास रहा है। बाद में जहाज की बंद जगह में यह एक से दूसरे व्यक्ति में फैल गया।

अंटार्कटिक टूरिज्म में छिपा है कौन सा बड़ा खतरा?

एमवी होंडियस की घटना ने एक्सपीडिशन और अंटार्कटिक टूरिज्म पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह सेक्टर क्रूज इंडस्ट्री में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ अंटार्कटिका टूर ऑपरेटर्स के आंकड़े हैरान करने वाले हैं।

अंटार्कटिका जाने वाले पर्यटकों की संख्या 2015 में 37,000 थी, जो 2025 तक बढ़कर 1,17,000 से ज्यादा हो गई। पिछले साल करीब 80,000 लोग ऐसे थे, जो जहाज से उतरकर बर्फ पर टहलने भी गए।

रिमोट एरिया में जाने वाले इन जहाजों पर मेडिकल सुविधाएं सीमित होती हैं। अगर कोई गंभीर बीमारी फैलती है, तो इमरजेंसी इवैक्यूएशन करना बहुत मुश्किल होता है।

अंटार्कटिका जैसे इलाकों में आसपास कोई बड़ा अस्पताल नहीं होता। ऐसे में जहाजों पर बीमारी की निगरानी और इलाज की तैयारी को लेकर हेल्थ एक्सपर्ट्स काफी चिंतित हैं। दूरदराज के इलाकों में टूरिज्म का बढ़ता शौक अब एक बड़ी चुनौती बन गया है।

नोरोवायरस क्यों है क्रूज यात्रियों का सबसे बड़ा दुश्मन?

हंतावायरस भले ही घातक है, लेकिन क्रूज पर सबसे ज्यादा तबाही नोरोवायरस मचाता है। इसे अक्सर 'क्रूज शिप वायरस' भी कहा जाता है।

हाल ही में सीडीसी ने पुष्टि की कि कैरिबियन प्रिंसेस जहाज पर 100 से ज्यादा लोग नोरोवायरस का शिकार हुए।

इस आउटब्रेक ने 102 यात्रियों और 13 क्रू मेंबर्स को अपनी चपेट में ले लिया। मरीजों को उल्टी और दस्त जैसी गंभीर पेट की समस्याओं का सामना करना पड़ा।

यह जहाज फ्लोरिडा से रवाना हुआ था और बहामास की ओर जा रहा था। प्रिंस क्रूज ने बयान दिया कि उन्होंने जहाज के हर हिस्से को सैनिटाइज किया है।

लेकिन सवाल यह है कि बार-बार सफाई के बाद भी यह वायरस क्यों लौट आता है? इस साल मार्च में भी स्टार प्रिंसेस जहाज पर करीब 200 लोग बीमार पड़े थे।

सीडीसी के डेटा के मुताबिक, पिछले साल 18 अलग-अलग क्रूज आउटब्रेक में 2,200 से ज्यादा लोग नोरोवायरस की चपेट में आए।

क्या क्रूज शिप वायरस फैलाने वाली मशीन बन गए हैं?पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट्स क्रूज शिप को 'सेमी-एनक्लोज्ड इकोसिस्टम' कहते हैं। इसका मतलब है कि एक बंद जगह में बहुत ज्यादा आबादी का होना। शहरों में लोग काम के बाद अपने घरों को चले जाते हैं, लेकिन जहाज पर हजारों लोग 24 घंटे एक साथ रहते हैं।

आधुनिक मेगा-क्रूज जहाजों पर 6,000 से ज्यादा यात्री और 2,000 क्रू मेंबर्स होते हैं। यह एक तैरते हुए छोटे शहर जैसा है, जहां सोशल डिस्टेंसिंग मुमकिन नहीं है।

कम फॉलोअर्स? नो एलपीएल: श्रीलंका लीग के अजीब मानदंडों ने सबको चौंकाया

हाल ही में आई एक खबर ने क्रिकेट प्रशंसकों के बीच हलचल मचा दी है, जिसमें कहा गया है कि श्रीलंका में आयोजित होने वाली लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में खिलाड़ियों की भागीदारी के लिए अब सोशल मीडिया की लोकप्रियता को एक योग्यता मानदंड बना दिया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंका स्थित एक समाचार एग्रीगेटर ने बताया है कि एलपीएल ने 10 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक होने वाले टूर्नामेंट के छठे सीजन के लिए अपनी चयन प्रक्रिया में फॉलोअर्स की संख्या को भी शामिल किया है। लीग द्वारा मैच के अनुभव के साथ-साथ बाजार मूल्य यानी मार्केटैबिलिटी को औपचारिक रूप से मापने के इस कदम ने कई लोगों को हैरान कर दिया है। इन नियमों की अजीब प्रकृति को देखते हुए कई लोगों ने ऑनलाइन खुले तौर पर सवाल उठाए कि क्या एलपीएल के ये नियम वास्तविक भी हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यह शायद एक सोची-समझी चाल है ताकि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से ध्यान हटाकर कुछ समय के लिए लंका प्रीमियर लीग पर लाया जा सके।

इन नियमों में पांच स्तरों वाली संरचना शामिल है और खिलाड़ियों को इसे पूरा करने के लिए कुछ आवश्यक शर्तें दी गई हैं। यदि ये दावे वाकई सच हैं, तो अब तक की जानकारी के अनुसार सबसे ऊपरी स्तर यानी आइकॉन श्रेणी के लिए एक खिलाड़ी के पास कम से कम 75 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, दुनिया भर में 100 से अधिक फ्रेंचाइजी मैच और पिछले 18 महीनों में 30 मैचों का अनुभव होना चाहिए। लेकिन गैर-क्रिकेट जरूरत यह है कि उनके सोशल मीडिया पर 2,50,000 या उससे अधिक फॉलोअर्स होने चाहिए।

दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी, स्टार कैटेगरी में भी 2,50,000 या उससे अधिक सोशल मीडिया फॉलोअर्स की समान आवश्यकता रखी गई है। हालांकि, इस श्रेणी में क्रिकेट के अनुभव की शर्त थोड़ी कम है, जहाँ खिलाड़ी को 50 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 100 फ्रेंचाइजी मैच खेलने की आवश्यकता होती है। इसके नीचे गोल्ड श्रेणी आती है, जहाँ खिलाड़ियों को 30 टी20 अंतरराष्ट्रीय, 75 से अधिक फ्रेंचाइजी मैच और कम से कम 1,50,000 फॉलोअर्स की शर्त पूरी करनी होगी। क्लासिक श्रेणी के नियम थोड़े अस्पष्ट हैं, जिसमें खिलाड़ियों को 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय, 50 से अधिक फ्रेंचाइजी मैच और उनके खाते में 20 हालिया मैच होने चाहिए। लेकिन यहाँ मुख्य मोड़ यह है कि खिलाड़ी के पास एक उचित प्रशंसक आधार और व्यावसायिक अपील होनी चाहिए।

सोशल मीडिया पर जब लोगों ने एलपीएल के इन नए नियमों को देखा, तो उन्हें अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ। रेडिट पर एक यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि मुझे यह सुनिश्चित करने के लिए पूरा लेख पढ़ना पड़ा कि कहीं मैं इसे गलत तो नहीं पढ़ रहा हूँ। एक अन्य यूजर ने सवाल किया कि अगर कोई सोशल मीडिया पर सक्रिय नहीं है या उसका कोई अकाउंट ही नहीं है तो क्या होगा। उन्होंने पूछा कि अगर हेज़लवुड जैसा कोई खिलाड़ी उपलब्ध हो, तो भी वह नहीं खेल पाएगा क्योंकि उसका कोई सोशल मीडिया अकाउंट नहीं है।

कुछ लोगों का मानना है कि यह एलपीएल के अपने फॉलोअर्स बढ़ाने और अपनी डिजिटल लोकप्रियता को बेहतर बनाने की एक रणनीति हो सकती है। एक अन्य व्यक्ति ने लिखा कि यह केवल समय की बात थी कि उन्होंने इस गुप्त रणनीति को लिखित रूप में पेश कर दिया। यदि आप किसी उभरती हुई लीग में किसी को अस्सी हजार डॉलर दे रहे हैं, तो आप केवल उनका स्ट्राइक रेट नहीं खरीद रहे हैं, बल्कि आप उनके फॉलोअर्स तक पहुँच भी खरीद रहे हैं ताकि लीग की डिजिटल उपस्थिति को कृत्रिम रूप से बढ़ाया जा सके।

एक्स पर भी लोग समान रूप से हैरान थे। एक यूजर ने लिखा कि मुझे पूरा यकीन है कि ऐसे खिलाड़ियों की सूची बहुत छोटी होगी जिनके पास 50 से अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, 100 से अधिक फ्रेंचाइजी मैच और 2.5 लाख से अधिक सोशल मीडिया फॉलोअर्स हों और वे प्रीमियम श्रेणियों के लिए दी जाने वाली सैलरी पर एलपीएल में खेलने के इच्छुक हों।

हाइपर-कनेक्टेड दुनिया में साइलेंट नोटिफिकेशन नया लग्जरी क्यों है

साल 2016 में 'वास्तविकता से जुड़ने' और 'अंतर्मन की सुनने' जैसे सरल लेकिन शक्तिशाली विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए एक आंदोलन शुरू हुआ था। ये केवल नारे नहीं थे; ये इस बात की याद दिलाते थे कि मनुष्यों को अपने डिजिटल नेटवर्क के साथ-साथ अपनी आंतरिक लय से जुड़े रहने की भी आवश्यकता है। हमने अपने आंतरिक दिशा-सूचक को डिजिटल मानचित्र से बदल दिया है। उस समय भी यह स्पष्ट था कि डिजिटल दुनिया किसी की कल्पना से कहीं अधिक तेजी से बढ़ेगी। यह चिंता बढ़ रही थी कि यदि हम मजबूत सीमाएं बनाने में विफल रहे, तो यह 'डिजिटल जंगल' हमें मानसिक थकान की स्थिति में धकेल देगा। वर्ल्ड डिजिटल डिटॉक्स डे की संस्थापक डॉ. रेखा चौधरी बताती हैं कि तकनीक अपने आप में कभी समस्या नहीं थी, बल्कि डिस्कनेक्ट होने में हमारी अक्षमता असली चुनौती बन गई।

जब हम ध्यान नहीं दे रहे थे, तब यह जंगल घना होता गया। यह बदलाव रातों-रात नहीं हुआ, बल्कि धीरे-धीरे और शांति से हुआ जब तक कि यह हर जगह नहीं फैल गया। आज हम में से अधिकांश निरंतर जुड़ाव की स्थिति में रहते हैं और सुबह से रात तक अपने फोन को करीब रखते हैं। हमारी जेबें घर के सबसे व्यस्त कमरे बन गई हैं। मन अब शायद ही कभी सच्ची शांति का अनुभव करता है। यहाँ तक कि जब नोटिफिकेशन साइलेंट होते हैं, तब भी अपडेट चेक करने की मनोवैज्ञानिक इच्छा बनी रहती है। व्यवधान अब केवल बाहरी आवाज नहीं रह गया है; यह एक गहरी आदत बन गई है। हम उन संदेशों के भूतों से डरे हुए हैं जो अभी तक आए भी नहीं हैं।

यही कारण है कि खामोशी एक आधुनिक विलासिता (लग्जरी) बन गई है। मानव जीवन में जब भी कोई चीज़ दुर्लभ हो जाती है, तो उसका मूल्य आसमान छूने लगता है। हम उसी शांति के लिए भारी कीमत चुका रहे हैं जो कभी मुफ्त हुआ करती थी। आपके पास जो सबसे महंगी चीज़ हो सकती है, वह है 'कुछ न होने' का एक पल। विडंबना यह है कि शांति कभी हमारी स्वाभाविक अवस्था थी।

मानव मन को ठहराव के लिए बनाया गया था और स्थिरता को सामान्य माना जाता था। तकनीक ने उस लय को मौलिक रूप से बदल दिया है, जिससे चीजें शांत होने पर हमें असहजता महसूस होने लगती है। हम अपने साथ अकेले रहना भूल गए हैं।

इसके परिणाम हमारे दैनिक जीवन में दिखाई देते हैं। हम इसे बढ़ती मानसिक थकान, कम ध्यान केंद्रित कर पाने की अवधि और भावनात्मक थकावट में देखते हैं। यह उस मन की भावना है जो शरीर के विश्राम करने पर भी सक्रिय रहता है। डॉ. चौधरी का मानना है कि सतर्कता की यह निरंतर स्थिति पीढ़ियों के भावनात्मक स्वास्थ्य को चुपचाप नया आकार दे रही है। इंजन चल रहा है, लेकिन कार पार्क है। इस हाइपर-कनेक्टेड वातावरण में बिना किसी रुकावट के एक छोटा सा पल भी गहरा सुकून देता है। साइलेंट नोटिफिकेशन एक मनोवैज्ञानिक बफर प्रदान करते हैं। वे व्यक्ति और तुरंत प्रतिक्रिया देने की मांग के बीच एक आवश्यक ठहराव पैदा करते हैं।

ठहराव देरी नहीं है; यह एक सांस है। ये पल दिमाग को सांस लेने का मौका देते हैं। ऐसी दुनिया में जो कभी बोलना बंद नहीं करती, मस्तिष्क के लिए सांस लेने की जगह ढूँढना अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि रिकवरी के लिए अनिवार्य है। कभी-कभी सबसे उत्पादक काम जो आप कर सकते हैं, वह है गायब हो जाना। सच्ची लग्जरी को अक्सर गलत तरीके से 'अधिक' होने के रूप में समझा जाता है: अधिक गति, अधिक पहुंच, अधिक कनेक्टिविटी। लेकिन भविष्य एक अलग दिशा की ओर इशारा कर रहा है।

चीन की उस जेल के अंदर का हाल जहाँ शीर्ष अधिकारी 'निलंबित मृत्युदंड' काटते हैं

चीन ने अपने दो शीर्ष सैन्य जनरलों, जो दोनों पूर्व रक्षा मंत्री रह चुके हैं, को मौत की सजा सुनाई है, लेकिन उन्हें तुरंत फांसी नहीं दी जाएगी। उन्हें 'निलंबित मृत्युदंड' (सस्पेंडेड डेथ सेंटेंस) दिया जाएगा।

निलंबित मृत्युदंड क्या है? 7 मई को एक सैन्य अदालत ने वेई फेंगहे और ली शांगफू को भ्रष्टाचार के आरोपों में दो साल की मोहलत के साथ मौत की सजा सुनाई। निलंबित मृत्युदंड का अर्थ है कि यदि वे दो साल में कोई नया अपराध नहीं करते या कोई समस्या खड़ी नहीं करते हैं, तो सजा को बिना पैरोल के आजीवन कारावास में बदल दिया जाएगा, जिसका अर्थ है कि वे कभी रिहा नहीं होंगे और अपना पूरा जीवन जेल में बिताएंगे। इसका मतलब यह भी है कि उन्हें तुरंत मृत्युदंड नहीं दिया जाएगा। चीन में ऐसे कैदियों की संख्या पर कोई आधिकारिक आंकड़े नहीं हैं। अनुमान है कि हर साल हजारों लोगों को मौत की सजा मिलती है, और उनमें से कई को निलंबित मृत्युदंड दिया जाता है। 99 प्रतिशत से अधिक मामलों में मौत की सजा पर अमल नहीं किया जाता है।

क्या ऐसे अपराधी पैरोल के पात्र हैं? भ्रष्टाचार के दोषी उच्च पदस्थ अधिकारी जिन्हें निलंबित मृत्युदंड मिलता है, वे पैरोल के पात्र नहीं होते हैं। सामान्य कैदियों को उनके अपराध और स्थान के आधार पर अलग-अलग प्रांतीय जेलों में भेजा जाता है। उन्हें किस जेल में रखा जाता है? पूर्व रक्षा मंत्रियों जैसे उच्च पदस्थ अधिकारियों, मंत्रियों और जनरलों को अक्सर बीजिंग की किनचेंग जेल में रखा जाता है, जो एक उच्च सुरक्षा वाली जेल है और शीर्ष भ्रष्ट अधिकारियों तथा राजनीतिक कैदियों को रखने के लिए जानी जाती है। वहाँ क्या सुविधाएं हैं? इस जेल में बड़े सेल (कोठरियाँ) हैं और कहा जाता है कि यह अटैच्ड बाथरूम, वाशिंग मशीन, डेस्क और सोफे जैसी सुविधाओं से लैस है। किनचेंग जेल में उच्च पदस्थ कैदियों को बड़े कमरे, टीवी, पढ़ने-लिखने के लिए डेस्क और किताबें जैसी कई सुविधाएं मिलती हैं। पहले खाना एक होटल के शेफ द्वारा बनाया जाता था, और अब भी खाना काफी अच्छा होता है। उच्च पदस्थ कैदियों को बेहतर भोजन मिलता है जो दिन में दो बार परोसा जाता है, जिसमें दो शाकाहारी व्यंजन और एक मांस या मछली का व्यंजन तथा सूप होता है। साप्ताहिक रूप से दूध और फल भी दिए जाते हैं। सामान्य कैदियों को कम और घटिया गुणवत्ता वाला भोजन मिलता है और वे कभी-कभी भूखे भी रहते हैं, लेकिन उच्च कैदियों को बेहतर भोजन और उनके सेल में टीवी मिलता है। सामान्य जेलों की तुलना में इन कैदियों को बेहतर चिकित्सा देखभाल और कुछ विशेष विशेषाधिकार मिलते हैं। किनचेंग जैसी जेलों में मंजूरी मिलने पर वे कपड़े, किताबें और चिकित्सा सामग्री प्राप्त कर सकते हैं।

काम और कार्यों के बारे में क्या? चीन की जेल प्रणाली में जबरन श्रम (फोर्स्ड लेबर) एक हिस्सा है। कैदियों को कारखानों, कृषि या अन्य आवश्यक कार्यों में काम करना पड़ता है। उच्च पदस्थ कैदी शारीरिक काम कम कर सकते हैं, लेकिन उन्हें पढ़ने और राजनीतिक अध्ययन जैसे कार्य दिए जाते हैं। क्या वे आगंतुकों से मिल सकते हैं? हाँ, वे आगंतुकों से मिल सकते हैं, लेकिन सीमित तरीके से, आमतौर पर पूर्व अनुमति के साथ केवल परिवार के सदस्य ही मिल सकते हैं। मुलाकात कांच के विभाजन वाले विशेष कमरों में होती है। सामान्य जेलों में मुलाकातें कम होती हैं और नियम अधिक सख्त होते हैं। लक्जरी जेल चीन की जेल प्रणाली बहुत ही गोपनीय है और कहा जाता है कि भीड़भाड़ वाले सेल के कारण सामान्य कैदियों के लिए यह बहुत कठोर है। लेकिन उच्च पदस्थ राजनीतिक और भ्रष्ट अधिकारियों को बेहतर उपचार मिलता है जिसे 'क्लब फेड' कहा जाता है। 2012 में शी जिनपिंग के सत्ता में आने के बाद से लाखों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है या जारी है। इसका उद्देश्य पार्टी और सेना पर नियंत्रण मजबूत करना, वफादारी सुनिश्चित करना और यह दिखाना है कि भ्रष्टाचार को खत्म किया जा रहा है।

गर्मी में पालक खाना चाहिए या नहीं? इन दो तरह के लोगों के लिए 'टॉक्सिन' से कम नहीं

पालक में बहुत कम कैलोरी होती है और यह कई प्रकार के विटामिन और खनिजों से भरा होता है। इसमें विशेष रूप से विटामिन च, फोलेट, आयरन और मैग्नीशियम होता है, जो हेल्दी रक्त और मजबूत हड्डियों से लेकर एनर्जी बढ़ाने तक हर चीज के लिए आवश्यक है। पालक को दाल, सब्जी, सूप और सलाद के रूप में डाइट में शामिल किया जा सकता है। लेकिन क्या इसे गर्मी में खाना सुरक्षित होता है?

पालक एक पत्तेदार हरी सब्जी है, जो मुख्य रूप से ठंड में उगाई जाती है। इसकी असली ताजगी का लुत्फ उठाना है, तो इसे आप अक्टूबर से फरवरी तक खा सकते हैं। हालांकि, यह गर्मी में भी खाने के लिए सुरक्षित होता है। लेकिन यदि आपको किडनी से संबंधित समस्या है, तो इसके सेवन से खास परहेज करें।

किन लोगों को गर्मी में नहीं खाना चाहिए पालक

किडनी के मरीज

गर्मी के मौसम में किडनी से संबंधित समस्याएं बहुत ज्यादा आम हो जाती हैं। ऐसे में यदि आप किडनी से जुड़ी किसी भी तरह की बीमारी से जूझ रहे हैं या इसका इलाज करवा रहे हैं, तो डाइट में बिना डॉक्टर की सलाह के पालक का सेवन न करें। दरअसल, पालक में ऑक्सलेट की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जो कैल्शियम के साथ प्रतिक्रिया करके कैल्शियम क्रिस्टल बना सकते हैं। ये गुर्दे में पथरी का एक प्रमुख कारण भी हैं।

गठिया के मरीज

गर्मी के मौसम में वैसे भी लोग खट्टी चीजों का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं, जो गठिया की समस्या को ट्रिगर करने का काम करता है। ऐसे में यदि आप डाइट में पालक भी शामिल करते हैं, तो इससे जोड़ों में तेज दर्द बढ़ सकता है।

इस बात का भी रखें ध्यान

वैसे तो पालक सेहतमंद गुणों से भरपूर होता है, लेकिन यदि आप इसे सही तरह से धोकर और पकाकर नहीं खाते हैं, तो इससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। कुछ लोग कच्चे पालक का जूस भी पीते हैं, लेकिन यह सही तरीका नहीं माना जाता है। यदि आप इसे जूस के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो पहले इसे अच्छी तरह से धोएं और कुछ देर पानी में उबालने के बाद इसका जूस या सलाद बनाकर खाएं।

गुरुग्राम जनगणना प्रगणकों को वापस लौटा रहा है – वे कौन हैं, वे क्या चाहते हैं और यदि आप मना करते हैं तो क्या होता है

गुरुग्राम के कुछ हिस्सों में एक बढ़ता हुआ गतिरोध सामने आ रहा है क्योंकि जनगणना 2027 के फील्डवर्क को अंजाम देने वाले प्रगणकों ने गेटेड हाउसिंग सोसायटियों और अपार्टमेंट परिसरों में प्रवेश से वंचित किए जाने की सूचना दी है। यह मुद्दा अब उस बिंदु तक बढ़ गया है जहाँ हरियाणा प्रशासन ने जनगणना कर्तव्यों को निभाने से इनकार करने और आधिकारिक काम में बाधा डालने के आरोपी दो सरकारी स्कूल के कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की है।

अधिकारियों का कहना है कि स्थिति गंभीर है क्योंकि जनगणना एक कानूनी रूप से अनिवार्य राष्ट्रीय अभ्यास है, और जनगणना अधिनियम के तहत, सहयोग करने से इनकार करने या कार्यों में बाधा डालने पर तीन साल तक की कैद हो सकती है।

वास्तव में जनगणना प्रगणक क्या हैं?

जनगणना प्रगणक सरकार द्वारा नियुक्त कर्मचारी होते हैं जिन्हें राष्ट्रीय जनगणना अभ्यास के दौरान घरेलू और जनसंख्या डेटा एकत्र करने का काम सौंपा जाता है। अधिकांश प्रगणक सरकारी स्कूल के शिक्षक और सार्वजनिक कर्मचारी होते हैं जिन्हें घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने के लिए अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

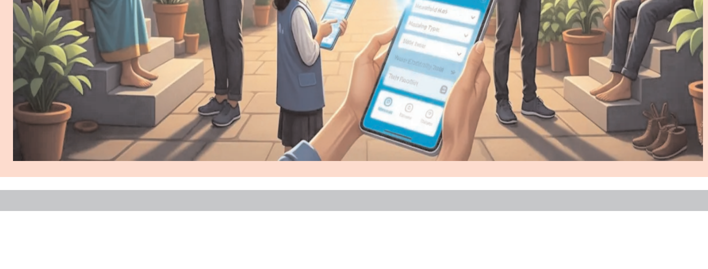

उनके काम में बुनियादी जनसांख्यिकीय और आवास संबंधी जानकारी एकत्र करना शामिल है जैसे:

परिवार के सदस्यों की संख्या

आयु और लिंग विवरण

शैक्षिक योग्यता

व्यवसाय और रोजगार की स्थिति

आवास की स्थिति

उपयोगिताओं और सुविधाओं तक पहुंच

जनगणना 2027 के लिए, प्रगणक निवासियों को भारत की पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना के हिस्से के रूप में शुरू की गई स्व-गणना प्रक्रिया को समझने में भी मदद कर रहे हैं।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि एकत्र की गई जानकारी गोपनीय रहती है और इसका उपयोग केवल सरकारी योजना और सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

गुरुग्राम में क्या हो रहा है?

अधिकारियों के अनुसार, गुरुग्राम में कई प्रगणकों ने शिकायत की है कि ऊंची इमारतों वाली सोसायटियों में सुरक्षाकर्मी और रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) वैध पहचान पत्र और अधिकार पत्र के बावजूद उन्हें प्रवेश देने से इनकार कर रहे हैं, जैसा कि द हिंदू में बताया गया है। पुनीत कुमार, जो जनगणना नोडल अधिकारी के रूप में भी कार्यरत हैं, ने कहा कि अधिकारियों को जनगणना टीमों से क्षेत्र के दौरों के दौरान प्रतिरोध का सामना करने की बार-बार शिकायतें मिली हैं। इसके जवाब में, प्रशासन ने अब औपचारिक रूप से आरडब्ल्यूए और हाउसिंग सोसाइटी प्रबंधन को उनके आधिकारिक क्रेडेंशियल्स को सत्यापित करने के बाद प्रगणकों को प्रवेश की अनुमति देने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि जनगणना अभ्यास सार्वजनिक हित में आयोजित किया जा रहा है और इसके लिए जनता के सहयोग की आवश्यकता है।

वक्त खुद बताएगा मैं कौन हूं, उर्वशी रौतेला ने बताया क्यों अब ट्रोल्स को नहीं देतीं जवाब

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर तो कभी अपने बयानों की वजह से वह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन जाती हैं। कई बार उनके दावों और बातों को लेकर लोग उन्हें ट्रोल भी करते हैं। इसको लेकर उर्वशी ने कहा कि अब उन्होंने खुद को जरूरत से ज्यादा समझाने की कोशिश करना बंद कर दिया है और समय को यह बताने देना चाहती हैं कि वह वास्तव में कौन हैं। आईएएनएस से बातचीत के दौरान उर्वशी रौतेला ने खुलकर उन गलतफहमियों पर बात की, जो लोग उनके बारे में बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग उनकी महत्वाकांक्षा को गलत तरीके से समझ लेते हैं। अगर कोई महिला ग्लैमर पसंद करती है, फैशन में दिलचस्पी रखती है और लगातार लाइमलाइट में रहती है, तो लोग यह मान लेते हैं कि वह सिर्फ दिखावे तक सीमित हैं जबकि हकीकत इससे बिल्कुल अलग हो सकती है।

उर्वशी ने कहा कि कई लोगों को लगता है कि ग्लैमरस दिखने वाली महिला गंभीर, मेहनती या समझदार नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें ऐसा महसूस होता था कि उन्हें हर किसी को यह साबित करना पड़ेगा कि वह सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा नहीं हैं बल्कि अपने काम को लेकर बेहद फोकस्ड और अनुशासित भी हैं। हालांकि अब उनकी सोच बदल चुकी है। अभिनेत्री ने कहा कि इंसान पूरी जिंदगी लोगों की सोच बदलने में नहीं लगा सकता। जो लोग सच में उनके काम और सफर को करीब से देखते हैं, वे धीरे-धीरे उनकी असली पहचान समझ ही जाते हैं। उर्वशी का कहना है कि अब वह खुद को बार-बार समझाने के बजाय अपने काम पर ध्यान देना ज्यादा पसंद करती हैं। उनके मुताबिक समय सबसे बड़ा जवाब होता है और वही लोगों को सच्चाई दिखाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी जल्द ही वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में अभिनेता रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका में हैं। यह सीरीज उत्तर प्रदेश के सुपरकॉप अविनाश मिश्रा की जिंदगी और अपराध के खिलाफ उनकी लड़ाई पर आधारित है। पहले सीजन को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और अब दूसरे सीजन को लेकर भी उत्साह बना हुआ है। इसके अलावा उर्वशी हाल ही में फिल्म 'डाकू महाराज' में नजर आई थीं। हालांकि फिल्मों से ज्यादा वह अक्सर अपने स्टाइल, सोशल मीडिया पोस्ट और बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं।

बिहार की मिट्टी में सम्मानित होना सबसे बड़ी खुशी: संजना पांड

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री संजना पांडे को हाल ही में आयोजित प्रतिष्ठित 'जी भोजपुरी 2026' समारोह में उनकी फिल्म 'कलेक्टर साहिबा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (समीक्षक) और 'बहुमुखी अभिनेत्री' के सम्मान से नवाजा गया।

शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए से अपनी इस बड़ी उपलब्धि को शेयर करते हुए प्रशंसकों और फिल्म की टीम का आभार व्यक्त किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पुरस्कार समारोह की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे अपनी ट्रॉफी के साथ गौरवान्वित महसूस करती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट किया कि उनके लिए केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक पल है। अभिनेत्री ने लिखा, 'जिस बिहार की मिट्टी में आप पले-बढ़े हो और उसी से आपकी पहचान जुड़ी है, उसी धरती पर सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है।

अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए अपनी सफलता का श्रेय टीम दिया। उन्होंने फिल्म निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी और सह-अभिनेता गौरव झा का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने लेखक अरविंद तिवारी और फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों और तकनीशियनों के प्रति भी आभार प्रकट किया। संजना ने कहा कि टीम वर्क और सबके समर्थन के बिना यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था।

संजना ने अपने संदेश के अंत में अपने परिवार, दर्शकों और ईश्वर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने एक लिखा, 'जब आप काम पूरी मेहनत शिद्दत और ईमानदारी से करते हो तो देखने वाले देख ही लेते हैं। जय भोजपुरी। जय भोजपुरी समाज।

इश्तियाक शैख बंटी द्वारा निर्देशित फिल्म में संजना पांडेय और गौरव झा के अलावा विनोद मिश्रा, अमित शुक्ला प्रकाश जैस, साहिल सिद्दीकी, सुबोध सेठ, रिंकू भर्ती, स्वीटी सिंह संतोष श्रीवास्तव, कंचन मिश्रा, निशा तिवारी और प्रेरणा सुषमा जैसे कलाकार हैं।

संजना की इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म को टेलीविजन और यूट्यूब दोनों में प्रसारित किया था। यूट्यूब पर रिलीज के 13 घंटों के अंदर ही फिल्म को 18 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके थे।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा नोरा फतेही का जलवा, कनाडा में करेंगी धमाकेदार परफॉर्मेंस

मुंबई। बॉलीवुड की डांसिंग सेंसेशन और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' के ओपनिंग सेरेमनी में अपनी परफॉर्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरती नजर आएंगी। यह सेरेमनी कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित होगी। नोरा का इस बड़े मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए गर्व की बात है।

'फीफा वर्ल्ड कप 2026' की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के मशहूर बीएमओ फील्ड स्टेडियम में होगी। इस खास मौके पर नोरा फतेही के साथ कई बड़े इंटरनेशनल म्यूजिक स्टार्स भी परफॉर्म करेंगे। इस लिस्ट में माइकल बुबले, एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजॉय, वेगेड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे कलाकार शामिल हैं।

वहीं अमेरिका में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे बड़े इंटरनेशनल स्टार्स मंच संभालेंगे। इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का एक बड़ा उत्सव बनने जा रहा है।

फीफा की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी देश की संस्कृति और विविधता को दुनिया के सामने पेश करेगी। समारोह की शुरुआत कनाडा की अलग-अलग खूबसूरत जगहों और वहां की परंपराओं को दिखाने वाले खास प्रस्तुतीकरण से होगी। इसके जरिए दुनिया भर से आए लोगों का स्वागत किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि यह समारोह एकता, उत्साह और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक होगा।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने इस समारोह को लेकर कहा, ''टोरंटो में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी कनाडा की पहचान और फीफा वर्ल्ड कप को लेकर लोगों के उत्साह को पेश करेगी। संगीत, संस्कृति और शानदार परफॉर्मेंस के जरिए पूरी दुनिया का स्वागत किया जाएगा। यह पल कनाडा के लिए गर्व, एकता और उत्साह का प्रतीक होगा, क्योंकि देश पहली बार फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर इतनी बड़ी भूमिका निभा रहा है।''फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कुल 104 मुकाबले खेले जाएंगे। ये मैच 16 अलग-अलग होस्ट शहरों में आयोजित होंगे।

वृंदावन पहुंचे अभिनेता सिद्धार्थ गुप्ता ने प्रेमानंद महाराज से लिया आशीर्वाद, कहा- 'मेरी मां की प्रार्थना पूरी हुई'

मुंबई। फिल्मों की दुनिया में कई बार ऐसे मौके आते हैं, जब किसी कलाकार की असल जिंदगी और उसकी रील लाइफ एक-दूसरे से जुड़ जाती है। ऐसा ही एक भावनात्मक और आध्यात्मिक पल हाल ही में अभिनेता सिद्धार्थ गुप्ता के साथ जुड़ा, जब वे अपनी फिल्म 'कृष्णावतारम' के रिलीज से पहले वृंदावन पहुंचे, जहां उन्होंने प्रेमानंद महाराज जी से आशीर्वाद लिया। इसका अनुभव उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा किया।

एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता ने इंस्टाग्राम में प्रेमानंद महाराज जी से मुलाकात की और तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह हाथ जोड़े श्रद्धाभाव से उनका आशीर्वाद लेते दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने 'जय श्री कृष्ण' लिखा और आगे मां की इच्छा और आस्था की कहानी बताई।

उन्होंने पोस्ट के जरिए कहा, 'जिस दिन मुझे 'कृष्णावतारम' में भगवान श्रीकृष्ण का किरदार निभाने के लिए चुना गया, तब से मेरी मां की सबसे बड़ी इच्छा यही थी कि फिल्म के दुनिया के सामने आने से पहले मैं वृंदावन जाकर प्रेमानंद महाराज जी का आशीर्वाद लूं।

सिद्धार्थ ने लिखा, ''उस समय मुझे यह समझ नहीं आ रहा था कि यह कैसे संभव होगा, लेकिन कुछ प्रार्थनाएं अपना रास्ता स्वयं बना लेती हैं। श्रीकृष्ण की कृपा और हमारी पूरी टीम के सामूहिक विश्वास से हमें वृंदावन में महाराज जी से व्यक्तिगत रूप से मिलने, उन्हें हमारा ट्रेलर दिखाने और 'कृष्णावतारम' के लिए उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने आगे लिखा, ''मेरे लिए यह सिर्फ एक पल नहीं था... यह एक सपने के पूरे होने जैसा था, मेरी मां की प्रार्थना का उत्तर था, और जीवनभर साथ रहने वाला आशीर्वाद था।''

फिल्म 'कृष्णावतारम' में सिद्धार्थ गुप्ता भगवान कृष्ण की भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन हार्दिक गज्जर ने किया है और इसमें कई बड़े कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

संस्कृति जयना, सुष्मिता भट्ट, निवासिनी कृष्णन, गोविंद नामदेव, जरीना वहाब, आशुतोष राणा और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार इस फिल्म का हिस्सा हैं।

फिल्म 7 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सोचा था थिएटर तालियों से गूंज उठेगा, लेकिन...एलआईके को मिली-जुली प्रतिक्रिया से निराश निर्देशक विग्नेश शिवन

चेन्नइ। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के चर्चित निर्देशक विग्नेश शिवन इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'लव इंश्योरेंस कंपनी' (एलआईके) को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

इसी बीच विग्नेश शिवन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी उम्मीदों, संघर्षों, निराशा और दर्शकों के प्रति आभार को खुलकर जाहिर किया। उन्होंने बताया कि फिल्म को लेकर उन्होंने कई बड़े सपने देखे थे, लेकिन नतीजे उनकी उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहे।

विग्नेश शिवन ने पोस्ट में कहा, 'मैंने इस फिल्म को लेकर कई बड़े सपने देखे थे। मुझे विश्वास था कि मेरी यह कहानी करोड़ों लोगों के दिल तक पहुंचेगी और सिनेमा जगत में बड़ा असर छोड़ेगी। रिलीज से पहले मैं लगातार यह सोच रहा था कि थिएटर तालियों की आवाज से गूंज उठेगा और लोग फिल्म को देखकर खूब हंसेंगे।'

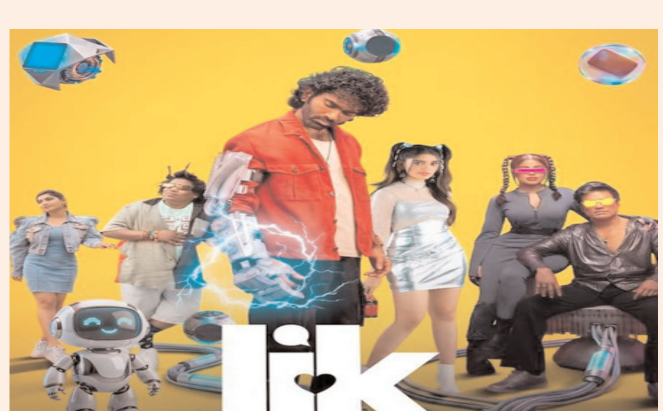

उन्होंने आगे कहा, 'फिल्म को थिएटर में प्यार जरूर मिला। लोगों की हंसी और प्रतिक्रिया भी देखने को मिली, लेकिन फिर भी फिल्म उस कमाई तक नहीं पहुंच सकी, जिसकी मुझे उम्मीद थी। मुझे विश्वास था कि फिल्म 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर जाएगी। सच कहूं तो मैं इससे भी ज्यादा कमाई की उम्मीद लगाए बैठा था। लेकिन आखिर में कुछ ऐसी कमी रह गई, जिसकी वजह से फिल्म पूरी तरह से दर्शकों के दिल से नहीं जुड़ सकी। यह बात मुझे थोड़ी दुखी करती है।

निर्देशक ने कहा, ''भले ही आखिरी नतीजा मेरी उम्मीदों जैसा नहीं रहा, लेकिन मैं फिर भी खुश और संतुष्ट हूं। मेरे लिए इस फिल्म का रिलीज हो जाना ही किसी बड़ी जीत से कम नहीं है। इस फिल्म को बनाना मेरे लिए आसान नहीं था। इसके पीछे कई ऐसी परेशानियां और चुनौतियां थीं, जिन्हें सिर्फ मैं ही महसूस कर सकता हूं। इस सफर में कई ऐसी रातें आईं, जब मैं सो नहीं पाया। कई बार डर और तनाव भी महसूस हुआ, लेकिन मैंने हार नहीं मानी।''

पोस्ट में विग्नेश शिवन ने कहा, 'मुझे उम्मीद थी कि फिल्म देखने के बाद इंडस्ट्री के कई बड़े लोग फोन करेंगे और मेरे काम की तारीफ करेंगे। मैं चाहता था कि जिन लोगों को मैं पसंद करता हूं, वो मेरी सराहना करें। लेकिन असलियत कुछ अलग निकली। मुझे फिल्म के लिए मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिलीं। कुछ लोगों ने सवाल उठाए और कुछ ने सीमित तरीके से ही तारीफ की। हालांकि इन सबके बावजूद मैं टूटा नहीं और न ही मेरा आत्मविश्वास कम हुआ है।'

उन्होंने फिल्म की कमाई का जिक्र करते हुए बताया, ''फिल्म ने 70 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार किया। जब फिल्म को 'औसत' कहा जाने लगा, उसके बाद भी बड़ी संख्या में लोग थिएटर पहुंचे। यह दर्शकों का सच्चा प्यार था। खराब प्रतिक्रियाओं और शोर के बावजूद लोगों ने फिल्म पर भरोसा दिखाया।''

हॉलीवुड में छाने को तैयार दिशा पाटनी, 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' से करेंगी अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत

मुंबई। बॉलीवुड कलाकारों ने अंतरराष्ट्रीय फिल्मों और वेब सीरीज की दुनिया में अपनी खास जगह बनानी शुरू कर दी है। प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद अब अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली इंटरनेशनल मूवी 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' एक बड़ी काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली मूवी है। इस कहानी को लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है। फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है। इसी संघर्ष के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सामने आता है, जो पूरी कहानी का सबसे अहम हिस्सा है।

फिल्म में जेसिका को एक ऐसी लड़की के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी पक्षों से है। वह दोनों गुटों के लीडर की बेटी है। यही वजह है कि उसे दो अलग-अलग दुनियाओं के बीच एक पुल माना जा रहा है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दुनिया का भविष्य उसी के फैसले पर निर्भर होता है।

ट्रेलर में कई ऐसे सीन्स हैं, जहां जेसिका अपनी शक्तियों को समझने और उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश करती है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं होती, बल्कि खुद को पहचानने और सही रास्ता चुनने की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है। ट्रेलर में दिशा पाटनी का एक्शन अवतार सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है। वह कई खतरनाक लड़ाई वाले सीन्स में नजर आती हैं। कभी तलवारों के साथ, तो कभी रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दिशा दिखाई देती हैं।

व्हाइट हाउस के कार्यक्रम में शांति और एकता के लिए हुई हिंदू प्रार्थना

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस में आयोजित 'नेशनल डे ऑफ प्रेयर' कार्यक्रम के दौरान हिंदू धर्म की परंपरा के अनुसार शांति और एकता के लिए प्रार्थना की गई। अमेरिका अपनी आजादी के 250वें वर्ष की ओर बढ़ रहा है और ऐसे समय में इस कार्यक्रम में धार्मिक विविधता की झलक देखने को मिली।

बीएपीएस (बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था) के एक स्वयंसेवक ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और हिंदू परंपरा के अनुसार प्रार्थना की। प्रार्थना शुरू करते हुए स्वयंसेवक ने कहा, 'मैं आप सभी से निवेदन करता हूं कि कृपया अपनी आंखें बंद करें और हाथ जोड़ें।

इसके बाद उन्होंने बार-बार शांति मंत्र का उच्चारण किया। इस प्रार्थना में पूरे संसार में शांति की कामना की गई।

वक्ता ने कहा, 'आकाश और अंतरिक्ष में शांति हो। धरती, जल और सभी जीवों में शांति बनी रहे। प्रकृति और पर्यावरण में शांति हो। स्वर्ग की शांति पूरे ब्रह्मांड में फैल जाए।

उन्होंने लोगों के व्यक्तिगत जीवन के लिए भी शांति की प्रार्थना की और कहा, हम सभी को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक शांति मिले।

अंत में वक्ता ने संस्था की ओर से इस अवसर के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'पूरे बीएपीएस समुदाय, न्यू जर्सी के रॉबिन्सविल स्थित स्वामीनारायण अक्षरधाम और हमारे गुरु, गुरु हरि मोहन स्वामी महाराज की ओर से हम इस अवसर के लिए आपका धन्यवाद करते हैं।

सोशल मीडिया पर बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने कहा कि व्हाइट हाउस में आयोजित 'नेशनल डे ऑफ प्रेयर' कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें सम्मान महसूस हुआ। संस्था ने कहा कि ऐसे अवसर हमें याद दिलाते हैं कि आस्था, सेवा और साझा मूल्य समाज को मजबूत बनाते हैं।

इससे पहले 'नेशनल डे ऑफ प्रेयर' पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संदेश में कहा, 'आज हम अमेरिका की प्रार्थना, आस्था और ईश्वर में विश्वास की पुरानी परंपरा का सम्मान करते हैं। जब हम अमेरिका की आजादी के 250 गौरवशाली वर्ष मना रहे हैं, तब हम यह संकल्प लेते हैं कि ईश्वर ने हमारे देश और लोगों को जो अनगिनत आशीर्वाद दिए हैं, उन्हें कभी नहीं भूलेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि प्राचीन सभ्यताओं से लेकर यूरोप के ईसाई साम्राज्यों और अमेरिका की स्थापना तक, पश्चिमी दुनिया का इतिहास ईश्वर के प्रति आस्था से जुड़ा रहा है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की आजादी की लड़ाई के दौरान भी यह आस्था साफ दिखाई दी थी। उस समय 'सेकंड कॉन्टिनेंटल कांग्रेस' ने स्वतंत्रता की लड़ाई में ईश्वर का आशीर्वाद और सुरक्षा पाने के लिए उपवास, प्रार्थना और आत्मचिंतन का दिन घोषित किया था।

पाकिस्तानः 'औरत मार्च कराची' को लेकर बवाल के बाद एनओसी, 'पहनावे से लेकर नारों' तक पर लगाई पाबंदी

कराची। पाकिस्तान की औरत मार्च पिछले कुछ दिनों से काफी सुर्खियों में रही। पुलिस-प्रशासन के बेजा पावर का इस्तेमाल इन पर किया गया और सरकार की खूब फजीहत भी हुई। ना-नुकुर के बाद रविवार को मार्च निकालने की इजाजत दे दी गई, लेकिन इसके साथ ही बहुत सारी पाबंदियां भी लगाई गई हैं। पहनावे से लेकर भाषण के शब्दों पर ध्यान देने की नसीहत है।

प्रमुख अंग्रेजी दैनिक डॉन के अनुसार, सिंध सरकार ने रविवार को सी व्यू पर आयोजित होने वाली औरत मार्च कराची सभा के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी कर दिया है, लेकिन इसके साथ 28 शर्तें भी लगाई गई हैं। इनमें लगाए जाने वाले नारों की सामग्री पर प्रतिबंध भी शामिल है। यह जानकारी शनिवार को सामने आई।

यह मार्च मदर्स डे (10 मई 2026) के अवसर पर सी व्यू में आयोजित की जानी है। मदर्स डे हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। पिछले रविवार को कराची में औरत मार्च के आयोजकों ने कहा था कि उन्होंने आसिफा भुट्टो जरदारी को एक पत्र भेजा है, क्योंकि संबंधित कार्यालयों को एनओसी के लिए दिए गए उनके अनुरोध पर 'कोई जवाब' नहीं मिला था। बुधवार को औरत मार्च द्वारा आयोजित की जाने वाली एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी कई आयोजकों की हिरासत के कारण बाधित हुई थी।

इसके बाद दक्षिण कराची के डिप्टी कमिश्नर जावेद नबी खुसो ने 8 मई की तारीख वाला एनओसी जारी किया, जिसमें रविवार को दोपहर 3:30 बजे से शाम 7:30 बजे तक 'मदर्स डे के उपलक्ष्य में औरत मार्च' आयोजित करने की अनुमति दी गई। एनओसी में 4 मई को दक्षिण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) की ओर से खोसो को भेजे गए 'नो ऑब्जेक्शन' पत्र का हवाला दिया गया, जो औरत मार्च द्वारा आसीफा भुट्टो जरदारी को पत्र भेजने के एक दिन बाद जारी किया गया था।

इसमें कहा गया, 'कोई भी सांप्रदायिक या आपत्तिजनक गतिविधि/भाषण की अनुमति नहीं होगी, जो विभिन्न समूहों के बीच नफरत पैदा करे या लोगों की भावनाओं को भड़काए अथवा आहत करे। जिला प्रशासन ने औरत मार्च कराची के वक्ताओं को 'पाकिस्तान की विचारधारा' या राज्य की नीतियों के खिलाफ कोई भाषण देने से रोक दिया। साथ ही वक्ताओं को सशस्त्र बलों के खिलाफ बोलने या 'समुदायों के बीच नफरत और उग्रवाद फैलाने' से भी प्रतिबंधित किया गया।

संक्षिप्त खबर

शेख हसीना ने सुवेंदु अधिकारी को दी बधाई, बोलीं-भारत-बांग्लादेश की दोस्ती में पश्चिम बंगाल की खास जगह है

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव में शनिवार को भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने बतौर मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण किया। इस मौके पर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच सच्ची दोस्ती के इतिहास में पश्चिम बंगाल की एक खास जगह है।

बांग्लादेश अवामी लीग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना की तरफ से सुवेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री चुने जाने पर बधाई और शुभकामनाएं। मैं अपनी और बांग्लादेश की जनता की तरफ से सुवेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भारी जीत और भारत के पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री बनने पर दिल से बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।

उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल के लोगों का फैसला सुवेंदु अधिकारी की मजबूत और लोगों को ध्यान में रखकर काम करने वाले नेतृत्व के लिए उनके गहरे भरोसे और सारहान को साफ दिखाता है। बांग्लादेश और भारत के बीच सच्ची दोस्ती के इतिहास में पश्चिम बंगाल की एक खास जगह है। हम एक जैसी भाषा, संस्कृति और विरासत से जुड़ा एक संबंध साझा करते हैं और मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में यह संबंध भविष्य में नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। शेख हसीना ने कहा कि पड़ोसी होने के नाते हमने हमेशा पश्चिम बंगाल की खुशहाली और शांति की कामना की है। मुझे उम्मीद है कि सुवेंदु अधिकारी के कार्यकाल में हमारे बीच आपसी सहयोग की पुरानी परंपरा और भी मजबूत होगी और हम दोनों बंगाल के लोगों के साझा विकास और भलाई के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

बधाई संदेश के आखिरी में शेख हसीना ने कहा, 'मैं सुवेंदु अधिकारी और पश्चिम बंगाल की नई चुनी हुई कैबिनेट के सभी सदस्यों को लगातार सफलता, अच्छी सेहत और लंबी उम्र की शुभकामनाएं देती हूं।

कोलकाता में आयोजित भव्य समारोह में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने सुवेंदु अधिकारी और उनके साथ पांच अन्य मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सुवेंदु अधिकारी के साथ जिन नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली, उनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निसिथ प्रमाणिक शामिल हैं। भाजपा की इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही राज्य में पहली बार किसी दक्षिणपंथी दल की सरकार बनी है।

कतर के पीएम ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति से की मुलाकात; रणनीतिक संबंधों व क्षेत्रीय तनाव पर की चर्चा

वाशिंगटन। कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल-थानी ने वाशिंगटन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात की। यह बातचीत रणनीतिक संबंधों और क्षेत्रीय तनावों पर केंद्रित थी।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, दोनों पक्षों ने कतर और अमेरिका के बीच करीबी रणनीतिक सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की।

उन्होंने कहा कि मीटिंग में क्षेत्रीय मुद्दे अहम थे। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में हुए नए डेवलपमेंट्स की समीक्षा की। उन्होंने पाकिस्तानी मीडिएशन की कोशिशों पर भी चर्चा की, जिनका मकसद तनाव को इस तरह कम करना है जिससे क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता बढ़े।

अल-थानी ने डिप्लोमेसी के लिए ज्यादा समर्थन की अपील की। ??उन्होंने सभी पक्षों को चल रही मीडिएशन की कोशिशों में शामिल होने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे शांतिपूर्ण तरीकों और बातचीत के जरिए संकट की असली वजहों को सुलझाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि ऐसी कोशिशों से एक बड़ा समझौता होना चाहिए जिससे इलाके में हमेशा के लिए शांति आए।

कतर ने इलाके में बीचबचाव की भूमिका निभाई है। यह कूटनीतिक कोशिशों पर अमेरिका के साथ मिलकर काम करता है। यह मीटिंग उस लगातार तालमेल को दिखाती है। अमेरिका ने डिप्लोमैटिक कोशिशों में मदद के लिए कतर जैसे क्षेत्रीय साझेदारों पर भरोसा किया है, खासकर मुश्किल झगड़ों में जहां सीधी बातचीत कम हो सकती है।

कतर में अमेरिका का एक बड़ा सैन्य बेस है और हाल के सालों में कई हाई-प्रोफाइल बातचीत में इसने भूमिका निभाई है। इसके तरीके ने झगड़ों को सुलझाने और आगे की अस्थिरता को रोकने के तरीके के तौर पर बातचीत और जुड़ाव पर जोर दिया है।

तुर्किए के यूएन दूत ने फिलिस्तीन में इजरायल के औपनिवेशीकरण उपायों की आलोचना की

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र में तुर्किए के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत अहमत यिल्डिज ने वेस्ट बैंक समेत फिलिस्तीनी इलाकों में इजरायल के 'औपनिवेशीकरण' के तरीकों की बुराई की और कहा कि उसके गैर-कानूनी कामों को रोका जाना चाहिए। यिल्डिज ने वेस्ट बैंक और ईस्ट येरुशलम पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अरिया-फॉर्मूला मीटिंग के दौरान ओआईसी ग्रुप के चेयरमैन के तौर पर ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन ग्रुप का बयान दिया। यह मीटिंग डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, लातविया और ब्रिटेन के स्थायी मिशन के प्रस्ताव पर हुई थी। यिल्डिज ने फिलिस्तीनी इलाकों में इजरायल की गैर-कानूनी कार्रवाइयों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इजरायल के 'फिलिस्तीन के लोगों, अधिकारों, जमीन, सुरक्षा और सम्मान पर लगातार हमलों' की वजह से इस मुद्दे की असली वजहों को सुलझाना बहुत जरूरी हो गया है।

यिल्डिज ने यूएनएससी के प्रस्ताव 2803 और 2334 के साथ-साथ कई दूसरे जरूरी यूएन प्रस्तावों को याद करते हुए कहा कि वे उन बुनियादी मुद्दों को सुलझाते हैं जिन्हें उन्होंने लंबे समय से चल रहे अन्याय के तौर पर बताया। यिल्डिज ने कहा, 'हम सभी औपनिवेशीकरण के तरीकों की निंदा करते हैं, जिसमें फिलिस्तीनी घरों पर कब्जा करना और उन्हें गिराना और फिलिस्तीनी परिवारों को निकालना शामिल है। ऐसे गैर-कानूनी कामों को रोकना होगा। ओआईसी की तरफ से बोलते हुए यिल्डिज ने गाजा सीजफायर का पालन करने की मांग की।

न्यूक्लियर एनर्जी इनोवेशन समिट फॉर अफ्रीका' में वर्चुअली शामिल होंगे मंत्री जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। भारत में रवांडा की उच्चायुक्त जैकलीन मुकांगीरा ने शनिवार को केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जितेंद्र सिंह को रवांडा के राष्ट्रपति की ओर से 'न्यूक्लियर एनर्जी इनोवेशन समिट फॉर अफ्रीका (एनईआईएसए 2026)' में भाग लेने का निमंत्रण सौंपा। जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि वह इस निमंत्रण के लिए 'बहुत आभारी' हैं। उन्होंने बताया कि यह सम्मेलन 18 से 21 मई 2026 तक रवांडा की राजधानी किगाली में आयोजित किया जाएगा।

हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने व्यक्तिगत रूप से रवांडा नहीं जा पाने पर खेद जताया, लेकिन उन्होंने सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से शामिल होकर निर्धारित सत्र को संबोधित करने पर सहमति जताई है।

सिंह ने कहा कि रवांडा की उच्चायुक्त और उनकी टीम ने भारत के साथ वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग को और विस्तार देने में गहरी रुचि दिखाई। साथ ही भारत के संस्थानों के साथ साझेदारी मजबूत करने की इच्छा भी व्यक्त की गई। भारत अफ्रीकी देशों के साथ विज्ञान, स्वास्थ्य, डिजिटल तकनीक और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर देता रहा है। भारत पहले भी अफ्रीकी देशों के साथ क्षमता निर्माण, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, अंतरिक्ष विज्ञान और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी करता रहा है।'एनईआईएसए 2026' सम्मेलन अफ्रीका में स्वच्छ ऊर्जा, परमाणु तकनीक और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा का अहम मंच बनने जा रहा है।

व्हाइट हाउस में मनाया गया मदर्स डे : ट्रंप ने शोक संतप्त माताओं को किया सम्मानित, फैमिली पॉलिसी पर दिया जोर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मदर्स डे से पहले व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में शोक संतप्त माताओं को सम्मान दिया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति ने सीमा सुरक्षा, ड्रग नियंत्रण और परिवार-केंद्रित नीतियों पर अपनी सरकार के रिकॉर्ड पर भी प्रकाश डाला।

रोज गार्डन में बोलते हुए ट्रंप ने एंजल मॉम्स और गोल्ड स्टार मॉम्स को संबोधित किया। उन्होंने उन्हें बेहद खास बताया और उनकी पीड़ा को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, 'लाखों अमेरिकी परिवारों के लिए रविवार प्यार, आभार और खुशी से भरा होगा। वैसे, मेरी मां बहुत अच्छी थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि वहां मौजूद कई माताएं अपने बच्चों के लिए हर परिस्थिति में खड़ी रहीं, चाहे वह सामान्य जीवन हो या बेहद कठिन समय। राष्ट्रपति ट्रंप ने उनके दर्द को अपनी इमिग्रेशन नीति से जोड़ते हुए कहा कि कुछ माताओं ने ओपन बॉर्डर पॉलिसी की वजह से अपने प्रिय बच्चों को खो दिया। उन्होंने आगे कहा, 'इन बेहद बहादुर और साहसी महिलाओं ने भयानक त्रासदी को भी मजबूत संकल्प में बदल दिया है। ट्रंप ने कहा, 'हमने अपने देश के इतिहास की सबसे खराब और खतरनाक सीमा स्थिति को तेजी से अमेरिकी इतिहास की सबसे मजबूत सीमा व्यवस्था में बदल दिया है। पिछले 11 महीनों में हमारे यहां गैर-कानूनी प्रवेश लगभग ना के बराबर हुए हैं।

उन्होंने सीमा सुरक्षा को ड्रग्स की रोकथाम से भी जोड़ा। ट्रंप ने कहा, 'हमारी सीमाओं पर जानलेवा फेंटानिल की तस्करी 59 फीसदी कम हो गई है और समुद्री रास्तों से आने वाली ड्रग्स 97 फीसदी घट गई हैं। जमीनी रास्तों पर रोकथाम की कोशिशें भी और मजबूत होंगी। इस कार्यक्रम में ट्रंप ने मैरी एन मेंडोजा, टैमी नोबल्स और जैकलीन मेडिना समेत कई मांओं का नाम लेकर उनका उल्लेख किया और कहा, 'आप जिस दौर से गुजर रही हैं, वह बेहद दुखद है। उन्होंने मरीन कैप्टन जेसी मेल्टन की कहानी याद करते हुए गोल्ड स्टार परिवारों को भी श्रद्धांजलि दी और कहा, 'जेसी ने हमारे देश के लिए अपनी जान दे दी। आपके महान बेटों जैसे लोगों की वजह से ही अमेरिका आज एक मजबूत और आजाद देश है।

राष्ट्रपति ने अफगानिस्तान में एबी गेट हमले को लेकर पिछली सरकार की आलोचना करते हुए इसे बेहद बड़ी विफलता बताया।

ट्रंप ने परिवारों के लिए बनाई गई कानूनी और नीतिगत पहलों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ी टैक्स कटौती लागू की और चाइल्ड टैक्स क्रेडिट को 2,200 डॉलर तक बढ़ाया।

अमेरिका ने एआई पहुंच को दिया बढ़ावा, सुरक्षा जोखिमों पर जताई चिंता

वाशिंगटन। अमेरिका चाहता है कि भारत समेत दक्षिण और मध्य एशिया के देशों को दुनिया की बेहतरीन तकनीक मिले और वे किसी विरोधी देश पर निर्भर न रहें। इसी दिशा में अमेरिका भारत के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहयोग को तेजी से बढ़ा रहा है। यह बात अमेरिका के विदेशी विभाग अधिकारी ने कही है।

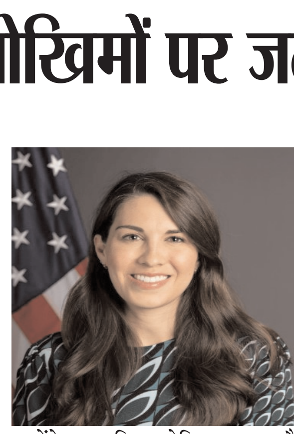

अमेरिकी विदेश विभाग उप सहायक सचिव बेथानी मॉरिसन ने यूएस-इंडिया एआई एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि तकनीक का फायदा सीधे लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहता है कि क्षेत्र के देशों को उच्च स्तर की तकनीक मिले और उसका इस्तेमाल समाज के विकास और लोगों के बेहतर जीवन के लिए हो।

मॉरिसन ने कहा कि एआई बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसलिए इसके इस्तेमाल के लिए स्पष्ट नियम और सुरक्षा व्यवस्था भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस तकनीक का पूरा लाभ लेने के लिए खुलापन, सुरक्षा और आपसी तकनीकी तालमेल पर ध्यान देना होगा। साथ ही ऐसे देशों पर निर्भरता से बचना होगा जो विरोधी सोच रखते हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका अपनी एआई तकनीक और उससे जुड़ी कार्यप्रणालियों को दुनिया तक पहुंचाना चाहता है। यह अमेरिका की उस बड़ी नीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह अमेरिकी एआई तकनीक का वैश्विक स्तर पर विस्तार कर रहा है।

विदेश मंत्री जयशंकर की त्रिनिदाद और टोबैगो के पीएम से हुई बात, सहयोग की अहम पहलों का किया खुलासा

नई दिल्ली/पोर्ट ऑफ स्पेन। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अपने आधिकारिक दौरे के दौरान त्रिनिदाद और टोबैगो में कई हाई-लेवल बैठकें कीं। इन बैठकों में उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग, सांस्कृतिक संबंधों, शैक्षणिक पहलों और क्षेत्रीय साझेदारी पर फोकस किया।

शनिवार सुबह त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचने पर विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'त्रिनिदाद और टोबैगो वापस आकर खुशी हुई। गर्मजोशी से स्वागत के लिए विदेश मंत्री शॉन सोबर्स को धन्यवाद। अगले दो दिनों में एक फायदेमंद दौरे की उम्मीद है।

इस दौरे के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर से मुलाकात की और द्विपक्षीय तथा क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। एक्स पर बैठक की जानकारी साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'पीएम कमला प्रसाद-बिसेसर से मिलकर बहुत खुशी हुई। द्विपक्षीय सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर उनकी सलाह को महत्व देता हूं।

मंत्री त्रिनिदाद और टोबैगो में स्कूली बच्चों के लिए 'मेड इन इंडिया' लैपटॉप वितरण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री प्रसाद-बिसेसर के साथ भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले के वादे का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'त्रिनिदाद और टोबैगो के स्कूली बच्चों को मेड इन इंडिया लैपटॉप देने के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर के साथ शामिल हुआ। पिछले साल पीएम नरेंद्र मोदी के वादे को पूरा करते हुए, यह सीखने, जागरूकता और अवसर का संदेश है।'

विदेश मंत्रालय और कैरिकॉम (सीएआरआईसीओएम) मामलों से जुड़े झंडा फहराने के कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों पर जोर देते हुए कहा, 'भारत के पारंपरिक रूप से त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ बहुत अच्छे और दोस्ताना संबंध रहे हैं। ये संबंध साझा इतिहास, उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष और क्रिकेट के खास जुड़ाव पर आधारित हैं। दोनों देशों के लोगों में बहुत कुछ समान है।

जयशंकर ने इस दौरे के दौरान कई समझौतों की घोषणा भी की। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, 'आज पर्यटन, विदेश मंत्रालय और कैरिकॉम भवन के सोलराइजेशन, क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स और आयुर्वेद चेयर की स्थापना को लेकर समझौते हुए।

दिल्ली सरकार ने सेंट्रल रिज क्षेत्र के 673.32 हेक्टेयर हिस्से को घोषित किया आरक्षित वन

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सेंट्रल रिज क्षेत्र के 673.32 हेक्टेयर हिस्से को 'आरक्षित वन' घोषित कर दिया है।

भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 20 के तहत जारी इस अधिसूचना के बाद राजधानी के इस महत्वपूर्ण पारिस्थितिक क्षेत्र को कानूनी सुरक्षा मिल गई है। इस क्षेत्र में सरदार पटेल मार्ग और राष्ट्रपति भवन के आसपास के हिस्से शामिल हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह फैसला दिल्ली की प्राकृतिक विरासत, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि रिज क्षेत्रों को कानूनी संरक्षण देने की प्रक्रिया कई दशकों से लंबित थी, जिसे अब उनकी सरकार ने पूरा किया है। हमारी सरकार पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण के विस्तार और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली रिज अरावली पर्वतमाला का विस्तार है और इसे राजधानी के 'ग्रीन लंग्स' यानी हरे फेफड़ों के रूप में जाना जाता है। यह क्षेत्र वायु गुणवत्ता सुधारने, भूजल स्तर बनाए रखने, जैव विविधता को संरक्षित करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1994 में दिल्ली के पांचों रिज क्षेत्रों को पहली बार भारतीय वन अधिनियम की धारा 4 के तहत अधिसूचित किया गया था, लेकिन उन्हें अंतिम कानूनी सुरक्षा नहीं मिल पाई थी। पिछले वर्ष दक्षिणी रिज के 4080.82 हेक्टेयर क्षेत्र को 'आरक्षित वन' घोषित किया गया था और अब सेंट्रल रिज के 673.32 हेक्टेयर क्षेत्र को यह दर्जा दिया गया है। इसके साथ ही अब तक कुल 4754.14 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित किया जा चुका है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि आरक्षित वन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर स्थानीय और पर्यावरण के अनुकूल वृक्ष लगाए जाएंगे। इनमें नीम, पीपल, शीशम, जामुन, इमली और आम जैसी प्रजातियां शामिल होंगी। इस पहल का उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन को मजबूत करना और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना भी है।

दिल्ली सरकार का मानना है कि इस निर्णय से अतिक्रमण और अवैध गतिविधियों पर रोक लगेगी तथा वन विभाग के संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार स्वच्छ हवा, सुरक्षित पर्यावरण और बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने के लिए गंभीरता से काम कर रही है।

रवींद्रनाथ टैगोर के प्रगतिशील विचार मानवता को प्रेरित कर रही है : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली। महान कवि, दार्शनिक और नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस पार्टी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर खड़गे ने गुरुदेव के विचारों को याद करते हुए उनके मानवतावादी और प्रगतिशील दृष्टिकोण को आज भी प्रेरणादायक बताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर रवींद्रनाथ टैगोर का एक प्रसिद्ध विचार साझा किया। उन्होंने लिखा, 'इससे बुरा कुछ नहीं कि समाज का एक वर्ग दूसरे वर्ग की राय को जबरदस्ती और उसकी इच्छा के खिलाफ दबाने की कोशिश करे। इसके साथ ही मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुदेव को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर एक दूरदर्शी मानवतावादी, महान कवि, दार्शनिक और समाज सुधारक थे। उन्होंने कहा कि गुरुदेव के शब्दों ने भारत को राष्ट्रगान दिया और कई पीढ़ियों को

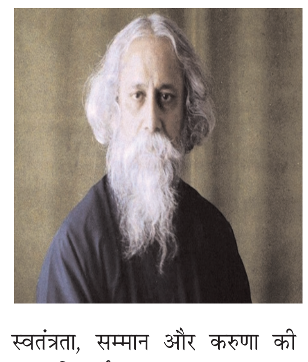

स्वतंत्रता, सम्मान और करुणा की भाषा सिखाई।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि टैगोर की प्रगतिशील सोच और कालजयी कला आज भी लोगों के मन को रोशन कर रही है और पूरी मानवता को प्रेरित कर रही है।

वहीं, कांग्रेस पार्टी ने भी अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट कर गुरुदेव को नमन किया। पार्टी ने लिखा कि रवींद्रनाथ टैगोर ने अपने विचारों, साहित्य और मानवता के संदेश के जरिए भारत की आत्मा को नई पहचान दी। कांग्रेस ने कहा कि उनका साहित्य, राष्ट्रभक्ति और शिक्षा के प्रति समर्पण हमेशा देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। बता दें कि रवींद्रनाथ टैगोर जयंती, जिसे 'पोचिशे बोइशाख' भी कहा जाता है, हर साल बंगाली महीने बैशाख की 25वीं तारीख को मनाई जाती है। इस साल पश्चिम बंगाल में यह दिन 9 मई को मनाया जा रहा है।

मई 1861 में कोलकाता के प्रसिद्ध जोरासांको ठाकुर बाड़ी में जन्मे रवींद्रनाथ टैगोर भारतीय साहित्य और संस्कृति की सबसे बड़ी हस्तियों में गिने जाते हैं। वे कवि, उपन्यासकार, नाटककार, दार्शनिक और गीतकार थे। वर्ष 1913 में वे साहित्य का नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले गैर-यूरोपीय बने। उन्होंने भारत के राष्ट्रगान के साथ-साथ बांग्लादेश के राष्ट्रगान की भी रचना की।

पश्चिम बंगाल समेत देशभर में टैगोर जयंती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, कविता पाठ, नृत्य नाटक और रवींद्र संगीत की प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही हैं।

संक्षिप्त खबर

गविनोद बंसल ने बंगाल में भाजपा की जीत को बताया लोकतांत्रिक पुनरोदय, कहा- एक से 207 सीटों का सफर ऐतिहासिक

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बढ़ती राजनीतिक ताकत और हिंदू समाज की भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है।

वीएचपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा संगठन को बंगाल में मिली राजनीतिक सफलता के लिए बधाई दी। विनोद बंसल ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही पश्चिम बंगाल में भाजपा एक सीट से बढ़कर 207 के आंकड़े तक पहुंची है। उन्होंने इसे स्वतंत्रता के बाद बंगाल की बड़ी लोकतांत्रिक विजय बताया और इस संघर्ष में बलिदान देने वाले सैकड़ों कार्यकर्ताओं व हजारों हिंदू समर्थकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। वीएचपी प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी द्वारा राज्य को 'अधिकारी' घोषित किए जाने के बाद भय से भरोसे की ओर लौटने का संदेश महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में बदलाव और लोगों के भीतर नए विश्वास का संकेत मिलता है।

विनोद बंसल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान का भी स्वागत किया, जिसमें उन्होंने घुसपैठ रोकने और अवैध घुसपैठियों को बाहर निकालने का भरोसा दिलाया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से यह बेहद अहम मुद्दा है और लंबे समय से हिंदू समाज जिन समस्याओं का सामना कर रहा था, अब उनके समाधान की उम्मीद बढ़ी है।

विनोद बंसल ने दावा किया कि भाजपा सरकार नारी सुरक्षा, गौ रक्षा और भरोसेमंद प्रशासन के जरिए राज्य में लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामान्य स्थिति बहाल करने का काम करेगी। वीएचपी नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल का हिंदू समाज कई दशकों से संघर्ष कर रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदू समाज को अपने धार्मिक त्योहारों और परंपराओं के पालन के लिए कई बार अदालतों का सहारा लेना पड़ा। उन्होंने राज्य में हुई हिंसा को बंगाल की गौरवशाली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा पर 'काला अध्याय' बताया। विनोद बंसल ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में बंगाली संस्कृति, स्वाभिमान और आध्यात्मिक पहचान का पुनरोदय होगा। उन्होंने कहा कि राज्य अब विकास और सामाजिक स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ सकता है। अपने संदेश के अंत में उन्होंने 'शुभमस्तु' लिखते हुए राज्य के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तेज आंधी और बारिश से बिहार में भारी तबाही, मंत्री रत्नेश सदा ने बिल्डरों को दी सख्त हिदायत

पटना। बिहार में मई की भीषण गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट बदल ली है। राजधानी पटना समेत कई जिलों में तेज तूफान और बारिश ने भारी तबाही मचाई, जिसने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। इस पूरे मामले पर बिहार सरकार में मंत्री रत्नेश सदा ने दुख जताया है। उन्होंन कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें आर्थिक मदद दी जाएगी। साथ ही प्रदेश के बिल्डरों के काम की मॉनिटरिंग के लिए एक एजेंसी बनाने की भी बात कही।

मंत्री रत्नेश सदा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'ऐसा लगा जैसे प्रकृति ने अपना आपा खो दिया हो। जिस तरह शुक्रवार को 135 किलोमीटर की रफ्तार से तूफान

आया, उसने भारी नुकसान पहुंचाया। इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई।

मंत्री ने बताया कि जिन लोगों की मौत हुई है, उनके परिवारों को सरकार की ओर से चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। साथ ही जिन इलाकों में ज्यादा नुकसान हुआ है, वहां लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य का आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है और हर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

रत्नेश सदा ने यह भी कहा कि बिहार कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं से जूझता रहता है। इनमें बाढ़, भूकंप, आगजनी, सूखा और दुर्घटनाएं जैसी स्थितियां शामिल हैं। ऐसे में सरकार अब आपदा से बचाव को लेकर और ज्यादा गंभीर कदम उठाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने खास तौर पर बिल्डरों और निर्माण कार्य करने वालों से अपील की कि वे मानकों के अनुसार ही भवन निर्माण करें। सरकार इसके लिए एक अलग एजेंसी बनाने की योजना पर भी काम कर रही है, जो यह जांच करेगी कि भवन तय मानकों के मुताबिक बन रहे हैं या नहीं। अगर कोई नियमों का पालन नहीं करेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि सरकार अब जिला स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाएगी, ताकि लोग भूकंपरोधी और सुरक्षित मकान बनाने के प्रति जागरूक हो सकें। उनका कहना है कि अगर भवन मजबूत और मानकों के अनुसार होंगे तो प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जान-माल का नुकसान कम किया जा सकेगा। बिहार में पिछले करीब 10 दिनों से तेज आंधी और बारिश का सिलसिला जारी है। इस दौरान कई जगह पेड़ गिर गए और बिजली गिरने की घटनाएं भी हुईं। इन हादसों में राज्यभर में अब तक 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

सोमनाथ मंदिर में अमृत पर्व पर उमड़ा आस्था का सैलाब, मध्य प्रदेश से पहुंचे 1100 भक्त

सोमनाथ। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित सोमनाथ मंदिर को भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में पहला ज्योतिर्लिंग माना जाता है। यह स्थान सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था और विश्वास का बड़ा केंद्र है, जहां हर साल देशभर से लाखों श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं। अमृत पर्व के अवसर पर शनिवार को मध्य प्रदेश से करीब 1100 श्रद्धालु एक विशेष ट्रेन के जरिए महादेव के दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान पूरा वातावरण 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा।

इस मौके पर सोमनाथ ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। हर श्रद्धालु को 'लघु मृत्युंजय हवन किट' और प्रसाद दिया गया। इस हवन किट में गाय के गोबर से बनी हवन कुंडी, सुगंधित धूप और पवित्र जल की एक बोतल शामिल थी। श्रद्धालुओं ने इसे एक अनोखी और सराहनीय पहल बताया।

कई श्रद्धालुओं ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था से उनकी यात्रा और भी खास बन गई। मंदिर प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों ने दर्शन, सुरक्षा और ठहरने की बेहतरीन व्यवस्था की थी, जिसकी सभी ने खुलकर प्रशंसा की। श्रद्धालुओं का कहना था कि इतने सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण तरीके से दर्शन कर पाना उनके लिए यादगार अनुभव रहा। इस विशेष तीर्थ यात्रा की शुरुआत 7 मई को भोपाल से हुई थी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से 'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा 2026' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इस पहल का उद्देश्य श्रद्धालुओं को संगठित और सुविधाजनक तरीके से तीर्थ यात्रा का अवसर उपलब्ध कराना था।

कोर्ट ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन सिद्दीकी को 3 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा

नई दिल्ली। साकेत कोर्ट ने शनिवार को हरियाणा के फरीदाबाद जिले में स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी के निदेशक जवाद अहमद सिद्दीकी को 3 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस ने जवाद अहमद सिद्दीकी की 3 दिन की रिमांड मांगी थी। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने जवाद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया है। इससे पहले जवाद मनी लॉन्ड्रिंग केस में न्यायिक हिरासत में था।

इससे पहले मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार जवाद अहमद सिद्दीकी की जमानत याचिका को साकेत कोर्ट ने 2 बार खारिज कर दिया था।

सिद्दीकी की पुलिस हिरासत खत्म होने के बाद 1 मई को उसे कोर्ट में एएसजे शीतल चौधरी प्रधान के सामने पेश किया गया था। जांच एजेंसी की तरफ से कहा गया कि अभी जवाद अहमद सिद्दीकी के खिलाफ जांच चल रही है और सबूत एकत्रित करने के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा जाए, जिसके बाद कोर्ट ने हिरासत में भेज दिया था। जवाद को प्रवर्तन निदेशालय ने 24 मार्च को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। यह उसके खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग का दूसरा मामला है। यह कार्रवाई अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट, अल-फलाह यूनिवर्सिटी और उनसे संबद्ध संस्थाओं से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई है। अल फलाह ग्रुप की जांच 10 नवंबर 2025 को दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके से जुड़े मामले में भी चल रही है। ईडी के अनुसार, एजेंसी पहले ही 17 जनवरी को जवाद अहमद सिद्दीकी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी थी। अब तक की जांच में सामने आया है कि जमीन को धोखाधड़ी से हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया।

संजीव अरोड़ा के घर ईडी की रेड पर आप नेताओं का तंज, कहा- भाजपा की डराने वाली राजनीति सफल नहीं होगी

चंडीगढ़। पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजीव अरोड़ा के चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवास पर शनिवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की, जिसको लेकर पंजाब में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। आप नेताओं ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि वह आप के विधायकों को डराने का काम कर रही है।

पंजाब सरकार के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप धालीवाल ने कहा कि आज फिर देखने को मिला है कि पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के यहां ईडी की छापेमारी हो रही है, इसमें कोई नई बात नहीं है, भाजपा लोगों को डराने के लिए इस तरह का काम करती है लेकिन उनको ये नहीं पता है कि इससे कुछ होने वाला नहीं है। पंजाब के लोग डरने वाले नहीं है। संजीव अरोड़ा

बिजनेस मैन है भाजपा उनको जानकर परेशान कर रही है, इससे कुछ होने वाला नहीं है।

पंजाब सरकार में कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा, 'पंजाब में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, इसी को लेकर भाजपा की तरफ से ईडी की कार्रवाई कराई जा रही है, भाजपा के लोगों को डरा-धमकाकर भाजपा तोड़ने की कोशिश कर रही है। इससे पहले भी भाजपा की तरफ से कार्रवाई कराई गई थी लेकिन उसमें कुछ मिला नहीं था। इसके बाद भी फिर से ईडी को भेज दिया गया है। इस बार भी कुछ होने वाला नहीं है।

वहीं, शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ईडी ने दिल्ली, गुड़गांव और चंडीगढ़ में 5 जगहों पर छापे मारे, जिनका संबंध हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड और पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से है। इन छापों में कंपनी के दफ़्तर और संजीव अरोड़ा के घर शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि ईडी एक कथित 100 करोड़ रुपये के फर्जी जीएसटी मोबाइल फोन खरीद और एक्सपोर्ट रैकेट की जांच कर रही है, जिसका संबंध मनी लॉन्ड्रिंग और दुबई से भारत में पैसों की 'राउंड ट्रिपिंग' से है। आरोप है कि दिल्ली की उन फर्मों के फर्जी जीएसटी बिलों का इस्तेमाल किया गया, जिनका असल में कोई वजूद ही नहीं था।

इन बिलों के जरिए धोखे से आईटीसी, एक्सपोर्ट रिफ़ंड और ड्यूटी ड्रॉबैक के फ़ायदे उठाए गए। जांच से पता चलता है कि इससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ और कथित तौर पर निजी तौर पर भी खूब कमाई की गई। इसी तरह सरकारी खजाने को लूटा गया और उस पैसे को ऐशो-आराम पर उड़ाया गया।

श्रावंती ग्रुप पर ईडी का शिकंजा, प्रमोटर डीवी राव समेत 3 गिरफ्तार, 284 करोड़ के फर्जीवाड़े का खुलासा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने श्रावंती ग्रुप के प्रमोटर दंडामुडी वेंकटेश्वर राव (डी.वी. राव) और उनके सहयोगियों के खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच में लगभग 284 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं और फर्जी लेनदेन का खुलासा किया है।

मामले में ईडी ने डीवी राव, कंपनी की डायरेक्टर डी. शांति किरण और राव के भाई डी. अवनींद्र कुमार को गिरफ्तार किया है। विशेष अदालत ने तीनों आरोपियों को 12 मई 2026 तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है।

ईडी के अनुसार, यह जांच गुरुग्राम के सेक्टर-40 थाने में दर्ज एफआईआर नंबर 0360/2025 से

शुरू हुई थी। आरोप है कि डीवी राव के नियंत्रण वाली कंपनी डीजेडब्लू इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने विभिन्न संस्थाओं से करीब 58 करोड़ रुपये का लोन धोखाधड़ी से हासिल किया। जांच में सामने आया कि लोन चुकाने के नाम पर आरटीजीएस प्रणाली का दुरुपयोग किया गया। दस्तावेजों में असली ऋणदाताओं के नाम दिखाए गए लेकिन बैंक खातों की जानकारी कोलकाता स्थित फर्जी कंपनियों की दी गई थी। इसके जरिए रकम नेक्सस इंटरनेशनल, भवतारिणी सेल्स प्राइवेट लिमिटेड और गेबल ट्रेडिंग कंपनी जैसी शेल कंपनियों में ट्रांसफर कर दी गई।

ईडी की जांच के दौरान श्रावंती एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े एक अन्य मामले का भी खुलासा हुआ। एजेंसी के मुताबिक, श्रावंती एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड हर महीने लगभग 75 लाख रुपये 'कंसल्टेंसी फीस' के नाम पर वर्सट टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड को भेज रही थी जबकि यह कंपनी केवल कागजों पर मौजूद थी। इस माध्यम से करीब 89.36 करोड़ रुपये का फर्जी भुगतान किया गया।

लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को नया चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया है। वे जनरल अनिल चौहान का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 मई को समाप्त होने वाला है।

देश के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने के साथ-साथ, लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले आदेश तक भारत सरकार के सैन्य मामलों के विभाग में सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे। इस नियुक्ति की घोषणा करते हुए रक्षा मंत्रालय ने लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि को चार दशकों से अधिक की विशिष्ट सैन्य सेवा वाले एक उच्च सम्मानित अधिकारी के रूप में वर्णित किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया, 'चार दशकों से अधिक की विशिष्ट सेवा के साथ एक उच्च सम्मानित अधिकारी, लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि वर्तमान में सितंबर 2025 से

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले उन्होंने सेना के उप प्रमुख और केंद्रीय कमान के जीओसी-इन-सी के रूप में कार्य किया है, इसके साथ ही पश्चिमी और उत्तरी मोर्चों पर प्रमुख परिचालन इकाइयों की कमान संभाली है।

लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में अपने सैन्य सफर की शुरुआत की और दिसंबर 1985 में गढ़वाल राइफल्स में कमीशन प्राप्त किया। उन्होंने सेना और रक्षा प्रतिष्ठान के भीतर कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों के माध्यम से एक व्यापक परिचालन और रणनीतिक प्रोफाइल का निर्माण किया।

यूनाइटेड किंगडम के ब्रैक्नेल स्थित जॉइंट सर्विसेज कमांड स्टाफ कॉलेज में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, वे भारत लौट आए और एक पर्वतीय ब्रिगेड के ब्रिगेड मेजर के रूप में कार्यभार संभाला। इसके बाद में उन्होंने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज में अध्ययन किया।

इस अधिकारी की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी काफी प्रभावशाली है। उन्होंने किंग्स कॉलेज लंदन से मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री और मद्रास विश्वविद्यालय से रक्षा अध्ययन में एम.फिल की उपाधि प्राप्त की है।

उन्होंने अपने 35 वर्षों से अधिक के लंबे सैन्य करियर के दौरान विभिन्न प्रकार के सैन्य अभियानों और संघर्ष क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने कजाकिस्तान के अस्ताना स्थित भारतीय दूतावास में रक्षा अटैची के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया।

कर्नल के पद पर रहते हुए उन्होंने सेना मुख्यालय में सैन्य सचिव शाखा में सहायक सैन्य सचिव के रूप में और बाद में पूर्वी कमान मुख्यालय में कर्नल जनरल स्टाफ (ऑपरेशन) के रूप में कार्य किया। जम्मू-कश्मीर में उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स सेक्टर के उप कमांडर के रूप में तैनात किया गया था।

राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य सेवा में उनके विशिष्ट योगदान के लिए, लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि को परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम), अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम), सेना पदक (एसएम) और विशिष्ट सेवा पदक (वीएसएम) से सम्मानित किया गया है।

स्पेसक्राफ्ट को अपना रास्ता ढूंढने में मदद करने वाली तकनीक, जानें क्या है सेलेस्टियल नेविगेशन

नई दिल्ली। सेलेस्टियल नेविगेशन एक आधुनिक तकनीक है, जो स्पेसक्राफ्ट को अपना सही स्थान पता करने में मदद करती है। इसमें सौर मंडल के तारों, ग्रहों, चंद्रमा और अन्य खगोलीय पिंडों की तस्वीरों का उपयोग किया जाता है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा की यह तकनीक खासतौर पर चंद्रमा के आसपास और डीप स्पेस के मिशनों के लिए काम करती है।

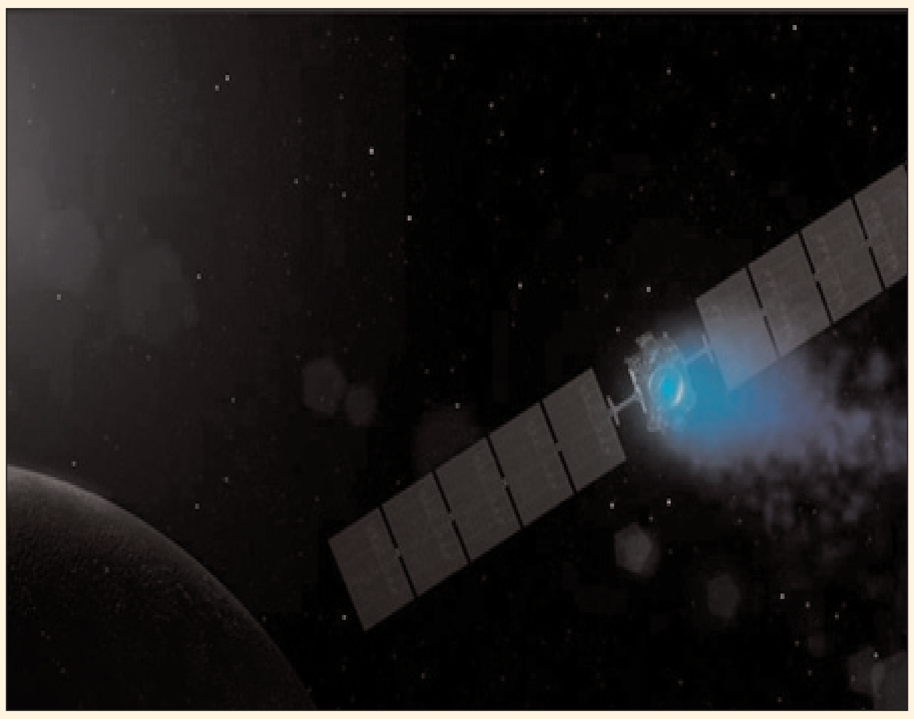

यह तकनीक स्पेसक्राफ्ट को स्वायत्त रूप से नेविगेट करने में सक्षम बनाती है। सेलेस्टियल नेविगेशन को चलाने के लिए सिर्फ एक कैमरा और एक प्रोसेसर की जरूरत पड़ती है। इससे मिशन के दौरान जमीन पर स्थित स्टेशनों पर निर्भरता काफी कम हो जाती है।

नासा के अनुसार, यह तकनीक कई महत्वपूर्ण फायदे देती है। सबसे पहले तो सेलेस्टियल नेविगेशन स्पेसक्राफ्ट को सुरक्षित रूप से चलाने में मदद करती है क्योंकि इसमें पृथ्वी से लगातार संपर्क की जरूरत नहीं पड़ती। खासकर तब जब पृथ्वी और स्पेसक्राफ्ट के बीच बहुत ज्यादा दूरी हो और संदेश पहुंचने में काफी समय लगता हो। यह छोटे-छोटे मिशनों के लिए भी उपयोगी है क्योंकि डीप स्पेस नेटवर्क (डाएसएन) का समय बहुत महंगा होता है।

सेलेस्टियल नेविगेशन की मदद से मिशन अपना ज्यादातर समय डेटा भेजने पर लगा सकते हैं। इसके अलावा, यह रेडियो ट्रैकिंग के साथ अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करती है। नासा के आर्टेमिस कार्यक्रम और अन्य चंद्रमा मिशनों के लिए यह बहुत उपयोगी साबित होती रही है।

अब सवाल है कि सेलेस्टियल नेविगेशन कैसे काम करती है? वैज्ञानिकों के अनुसार, यह तकनीक नासा के ऑटो एनजीसी यानी ऑटोनॉमस नेविगेशन गाइडंस एंड कंट्रोल सॉफ्टवेयर सूट का हिस्सा है। ऑटो एनजीसी को कोर फ्लाइट सिस्टम (सीएफएस) पर बनाया गया है। इसमें सीजीआईएएनटी नामक टूल का इस्तेमाल होता है जो तस्वीरों का विश्लेषण करता है।

यह टूल स्पेसक्राफ्ट से ली गई 2डी तस्वीरों में दिखने वाले कई खगोलीय पिंडों की दिशा मापता है। इन मापों को जीईओएनएस नामक नेविगेशन सिस्टम में भेजा जाता है, जो स्पेसक्राफ्ट को सही जगह पर रखने के लिए गणना करता है। यह पूरी प्रक्रिया ऑनबोर्ड होती है, यानी स्पेसक्राफ्ट खुद ही सब कुछ करता है।

जलवायु परिवर्तन-अनुकूल खेती को बढ़ावा, टिकाऊ कृषि और मिट्टी की सेहत सुधारने पर जोरः सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और खेती को अधिक टिकाऊ बनाने के लिए बड़े स्तर पर काम तेज कर दिया है। सरकार की ओर से जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, वर्ष 2014-15 में शुरू किए गए राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) के तहत अब तक वर्षा-आधारित कृषि विकास (आरएडी) कार्यक्रम के लिए 2,119.84 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। इससे 8.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया है और करीब 14.35 लाख किसानों को लाभ मिला है।

सरकार ने बताया कि देश में जल संरक्षण और खेती में पानी के बेहतर इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं पर भी तेजी से काम किया जा रहा है। वर्ष 2015-16 से अब तक करीब 109 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सूक्ष्म सिंचाई के दायरे में लाया गया है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने 26,325 करोड़ रुपए की सहायता जारी की है। सरकार ने 2025-26 से 2029-30 के बीच अगले पांच वर्षों में 100 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को माइक्रो इरिगेशन के तहत लाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप(पीडीएमसी)' योजना के तहत हर साल कम से कम 20 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करने की योजना बनाई गई है। मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकार सॉइल हेल्थ कार्ड योजना पर भी विशेष ध्यान दे रही है। वर्ष 2025-26 के दौरान 97.53 लाख मिट्टी के नमूने एकत्र किए गए, जिनमें से 92.87 लाख नमूनों की जांच की गई। वहीं, वर्ष 2015 से अब तक कुल 25.79 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

इन कार्डों के जरिए किसानों को फसल के अनुसार सही पोषक तत्वों और उर्वरकों के उपयोग की सलाह दी जाती है, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर होती है और उत्पादन में भी सुधार आता है।

नीति आयोग की 2025 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सॉइल हेल्थ कार्ड योजना के कारण किसानों ने यूरिया के अत्यधिक उपयोग को कम किया है और संतुलित उर्वरक इस्तेमाल की दिशा में प्रगति हुई है।

सर्वे में शामिल 68.5 प्रतिशत किसानों ने माना कि सुझाए गए उपाय अपनाने से उनकी मिट्टी की गुणवत्ता में बड़ा सुधार हुआ, जबकि 25.7 प्रतिशत किसानों ने आंशिक सुधार की बात कही। सरकार ने यह भी बताया कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली के तहत 2,996 जलवायु-अनुकूल फसल किस्में विकसित और जारी की गई हैं। इन नई किस्मों को इस तरह तैयार किया गया है कि वे बदलते मौसम और जलवायु परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन दे सकें।

जन्म से 1 साल तक बच्चे की देखभाल कैसे करें? जानें जरूरी टिप्स और सलाह

नई दिल्ली। जन्म से लेकर 1 साल तक का समय बच्चे के विकास के लिए सबसे नाजुक और सबसे अहम माना जाता है। इस दौरान बच्चा पूरी तरह माता-पिता की देखभाल पर निर्भर रहता है। इसलिए सही देखभाल, सही खानपान और सही दिनचर्या का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है।

सबसे पहले बात करें पोषण की, तो नवजात शिशु के लिए मां का दूध ही सबसे अच्छा और पूरा आहार माना जाता है। स्तनपान से बच्चे को जरूरी पोषक तत्व, इम्युनिटी और सुरक्षा मिलती है। शुरुआती 6 महीने तक बच्चे को सिर्फ मां का दूध ही देना चाहिए। बाहर का कोई भी आहार देने की जरूरत नहीं होती। अगर किसी वजह से दूध कम हो रहा हो, तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है, यानी 6 महीने के बाद, उसके शरीर की जरूरतें बढ़ने लगती हैं। इस समय धीरे-धीरे ठोस आहार की शुरुआत की जाती है। शुरुआत में हल्का और आसानी से पचने वाला खाना देना चाहिए, जैसे फल का रस, सूप, या उबली और मैश की हुई सब्जियां। धीरे-धीरे बच्चे को दलिया, खिचड़ी और घर का ताजा खाना भी दिया जा सकता है।

दांत निकलने की शुरुआत भी लगभग 6 से 8 महीने के बीच होती है और इसी समय ठोस आहार देने की प्रक्रिया और आसान हो जाती है। लेकिन बच्चे की पाचन क्षमता को ध्यान में रखते हुए ही नया खाना देना चाहिए, ताकि उसे कोई परेशानी न हो।

आयुर्वेद के अनुसार, बच्चों के भोजन में दूध और घी का विशेष महत्व होता है। सही मात्रा में घी बच्चे की ग्रोथ और ऊर्जा के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसके साथ ही हल्दी, जीरा और काली मिर्च जैसे हल्के मसाले पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

आजकल की एक बड़ी गलती यह होती है कि बच्चों को जंक फूड या पैकेट वाला खाना जल्दी दे दिया जाता है, जो उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए कोशिश करनी चाहिए कि बच्चे को घर का बना ताजा और पौष्टिक खाना ही दिया जाए।

पानी पीने की आदत भी धीरे-धीरे डालनी चाहिए। 6 महीने के बाद बच्चे को हल्का गुनगुना पानी दिया जा सकता है। इससे पाचन ठीक रहता है और शरीर भी साफ रहता है। खानपान के साथ-साथ बच्चे की दिनचर्या और माहौल भी बहुत जरूरी है। बच्चा अपने माता-पिता को देखकर ही बहुत कुछ सीखता है, इसलिए घर का माहौल शांत, खुश और प्यार भरा होना चाहिए। बच्चे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना, उससे बात करना और उसे प्यार देना उसकी मानसिक विकास के लिए बहुत जरूरी है।

रीठाः आयुर्वेदिक हेयर केयर का सदियों पुराना राज, जानिए फायदे

नई दिल्ली। रीठा आयुर्वेद में सदियों से बालों और त्वचा की देखभाल के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। यह एक बड़ा पर्णपाती पेड़ होता है, जो खासकर हिमालयी क्षेत्रों और बिहार के कुछ हिस्सों में पाया जाता है। इसके फलों में प्राकृतिक झाग बनाने वाले तत्व (सैपोनिन) पाए जाते हैं, जिसकी वजह से यह एक बेहतरीन प्राकृतिक क्लींजर बन जाता है।

आज के समय में जब बाजार में हर चीज केमिकल से भरी हुई मिलती है, ऐसे में रीठा एक ऐसा प्राकृतिक विकल्प है जो बिना किसी साइड इफेक्ट के बालों की सफाई और देखभाल में मदद करता है। पुराने समय में लोग शैम्पू की जगह रीठा का ही इस्तेमाल करते थे। इसे पानी में भिगोकर या उबालकर इसके पानी से बाल धोए जाते थे, जिससे बाल साफ, मुलायम और चमकदार बनते थे।

रीठा का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह बालों को जड़ों से साफ करता है लेकिन उनकी प्राकृतिक नमी को नुकसान नहीं पहुंचाता। यह स्कैल्प को भी स्वस्थ रखता है और डैंड्रफ जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। जिन लोगों को खुजली या सिर की त्वचा में जलन की समस्या होती है, उनके लिए रीठा काफी फायदेमंद माना जाता है।

इसके अलावा रीठा बालों को मजबूत बनाने में भी मदद करता है। नियमित इस्तेमाल से बाल झड़ने की समस्या कम हो सकती है और बालों की ग्रोथ भी बेहतर हो सकती है। यह बालों को नेचुरल चमक देता है, जिससे बाल ज्यादा हेल्दी और साफ दिखते हैं।

रीठा का इस्तेमाल करना भी बहुत आसान है। इसके सूखे फलों को रातभर पानी में भिगो दिया जाता है या हल्का उबाल लिया जाता है। फिर इस पानी को छानकर शैम्पू की तरह इस्तेमाल किया जाता है। कुछ लोग इसे आंवला और शिकाकाई के साथ मिलाकर भी इस्तेमाल करते हैं, जिससे इसका असर और बढ़ जाता है।

रीठा सिर्फ बालों के लिए ही नहीं, बल्कि कपड़े और घरेलू सफाई के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। इसके प्राकृतिक झाग बनाने वाले गुण इसे एक मल्टी-यूज हर्बल प्रोडक्ट बनाते हैं।

आयुर्वेद में रीठा को बेहद शुद्ध और उपयोगी माना गया है, क्योंकि यह प्रकृति से सीधे मिलने वाला उपहार है। इसमें कोई केमिकल नहीं होता, इसलिए यह हर उम्र के लोगों के लिए सुरक्षित माना जाता है।

गर्मी को हराना है तो शरीर को रखें हाइड्रेटेड, वरना बढ़ सकती हैं मुश्किलें

नई दिल्ली। गर्मी का मौसम आते ही तेज धूप, पसीना और शरीर में पानी की कमी लोगों की सबसे बड़ी परेशानी बन जाती है। मई-जून की चिलचिलाती गर्मी में अगर शरीर को सही तरीके से हाइड्रेटेड न रखा जाए, तो डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, कमजोरी, थकान और हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए इस मौसम में सबसे जरूरी है कि शरीर में पानी की कमी न होने दी जाए।

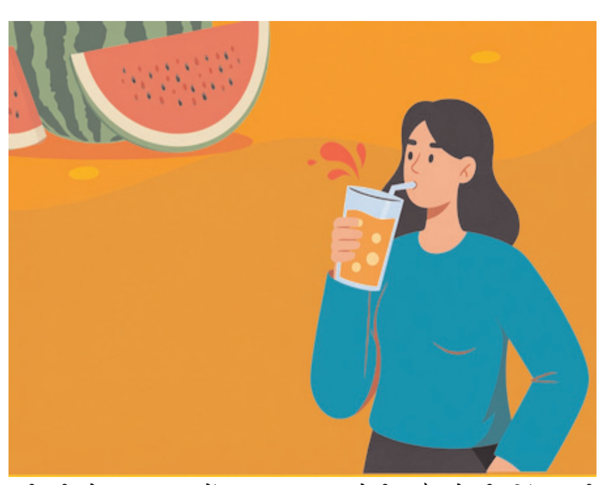

अक्सर लोग तब पानी पीते हैं जब उन्हें तेज प्यास लगती है लेकिन गर्मियों में थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहना बेहद जरूरी है। चाहे आप घर पर हों, ऑफिस में हों या बाहर सफर कर रहे हों, हमेशा अपने साथ पानी की बोतल जरूर रखें।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सिर्फ सादा पानी ही नहीं, बल्कि कुछ देसी और हेल्दी ड्रिंक्स भी शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं, जैसे नारियल पानी, छाछ और नींबू पानी। नारियल पानी शरीर में जरूरी मिनरल्स की कमी पूरी करता है, जबकि छाछ पेट को ठंडक देती है और पाचन भी बेहतर रखती है। वहीं नींबू पानी शरीर को तरोताजा रखने के साथ-साथ ऊर्जा भी देता है। गर्मियों में ये चीजें किसी प्राकृतिक एनर्जी ड्रिंक से कम नहीं होतीं।

इसके अलावा, खाने-पीने में भी थोड़ी सावधानी जरूरी है। गर्मी में ऐसे फल और सब्जियां ज्यादा खानी चाहिए जिनमें पानी की मात्रा अधिक हो। तरबूज, खीरा, खरबूजा और संतरा जैसे फल शरीर को हाइड्रेटेड रखने में काफी मदद करते हैं। खासकर तरबूज और खीरा गर्मी में शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करते हैं।

गर्मियों में कैफीन और ज्यादा शुगर वाले पेय शरीर में पानी की कमी बढ़ा सकते हैं। कई लोग ठंडक पाने के लिए सॉफ्ट ड्रिंक्स पीते हैं लेकिन ये कुछ समय की राहत जरूर देते हैं पर शरीर को सही तरीके से हाइड्रेट नहीं कर पाते। इसलिए इन चीजों के सेवन से बचना चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों को गर्मी में खास ध्यान देने की जरूरत होती है क्योंकि उनके शरीर में पानी की कमी जल्दी हो सकती है। अगर किसी को बार-बार चक्कर आना, सिरदर्द, ज्यादा कमजोरी या उल्टी जैसी समस्या हो रही हो, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है।

थैलेसीमिया से बचने के लिए शादी से पहले जांच और गर्भावस्था के दौरान स्क्रीनिंग जरूरी

गांधीनगर/अहमदाबाद। विश्व थैलेसीमिया दिवस पर शुक्रवार को गुजरात में बीमारी की स्क्रीनिंग और एडवांस्ड इलाज सेवाओं के विस्तार पर जानकारी दी गई।

अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल ने इस मौके पर अपने इंटीग्रेटेड अप्रोच को सामने रखा, जिसमें मरीजों के लिए रोकथाम, जांच और लंबे समय तक चलने वाली देखभाल को एक साथ जोड़ा गया है। अधिकारियों ने यह भी दोहराया कि शादी से पहले थैलेसीमिया जांच, गर्भावस्था के दौरान स्क्रीनिंग और परिवार आधारित जांच जैसे कदम इस बीमारी की रोकथाम के लिए जरूरी हैं, क्योंकि यह एक आनुवंशिक रोग है जो पीढ़ियों में आगे बढ़ सकता है। हॉस्पिटल ने बताया कि उसके प्रयास ग्लोबल थीम 'हिडेन नो मोर: फाइंडिंग द अनडाय ?नोज, सपोर्टिंग द अनसीन' के मुताबिक हैं, जिसका उद्देश्य समय रहते बीमारी की पहचान करना और सभी मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि उनका मुख्य ध्यान संस्थागत देखभाल और जागरूकता अभियानों के जरिए 'थैलेसीमिया-मुक्त गुजरात' बनाने पर है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार इसी लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'थैलेसीमिया-मुक्त गुजरात' बनाने के पक्के इरादे के साथ आगे बढ़ रही है। सिविल हॉस्पिटल जैसी संस्थाओं द्वारा दिए जा रहे आधुनिक इलाज और जागरूकता अभियान इस दिशा में बहुत अहम योगदान दे रहे हैं। अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल में मेडिकल विशेषज्ञों ने बताया कि थैलेसीमिया के मरीजों के लिए इलाज की सुविधाओं को काफी बेहतर बनाया गया है, खासकर उन बच्चों के लिए जिन्हें नियमित रूप से खून चढ़ाने की जरूरत पड़ती है।

मेडिकल सुपरिटेंडेंट राकेश जोशी ने बताया कि हॉस्पिटल, बीजे मेडिकल कॉलेज के साथ मिलकर, मुफ्त और पूरी देखभाल की सुविधा देता है।

उन्होंने कहा कि गुजरात में ल्यूकोडीप्लीटेड ब्लड ट्रांसफ्यूजन और कीलेशन थेरेपी जैसी एडवांस्ड सेवाएं शुरू करने में सिविल हॉस्पिटल सबसे आगे रहा है।

बच्चों के विभाग की प्रमुख जॉली वैष्णव ने बताया कि थैलेसीमिया खून से जुड़ी एक आनुवंशिक बीमारी है, जिसमें शरीर पर्याप्त मात्रा में हीमोग्लोबिन नहीं बना पाता। इस वजह से मरीजों को जिंदा रहने के लिए नियमित रूप से खून चढ़ाने की जरूरत पड़ती है।

उन्होंने बताया, 'अभी हॉस्पिटल में हर मंगलवार और गुरुवार को लगभग 81 बच्चों को खून चढ़ाने की सुविधा दी जाती है। खून चढ़ाने से होने वाली दिक्कतों, जैसे कि बुखार और दूसरी खराब प्रतिक्रियाओं को कम करने के लिए 'ल्यूकोडीप्लीटेड पैक्ड सेल वॉल्यूम' का इस्तेमाल किया जाता है। हॉस्पिटल ने अपनी जांच और लंबे समय तक निगरानी रखने के सिस्टम को भी और बढ़ाया है। इसमें मरीजों और उनके परिवार वालों की सही जांच के लिए 'हाई-परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी' (एचपीएलसी) पर आधारित टेस्ट शामिल हैं। इसके साथ ही, सीरम फेरिटिन लेवल, 2डी इकोकार्डियोग्राफी और आंखों व कानों की जांच के ज़रिए नियमित निगरानी भी की जाती है।

ताड़ासन से सुधारें अपनी मुद्रा, अभ्यास से मिलेगी स्थिरता और संतुलन, आयुष मंत्रालय ने बताए फायदे

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस का समय नजदीक है। इस बीच भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने नागरिकों को सही मुद्रा (पोस्चर) बनाए रखने की अहमियत बताते हुए ताड़ासन योगासन को अपनाने की सलाह दी है। मंत्रालय के अनुसार, सही पोस्चर एक रात में नहीं बनता। यह जागरुकता, संतुलन और हमारे रोजमर्रा के खड़े होने के तरीके से शुरू होता है।

ताड़ासन को 'माउंटेन पोज' के नाम से भी जाना जाता है। यह आसन शरीर की बनावट को बेहतर बनाने, पोस्चर को मजबूत करने, स्थिरता बढ़ाने और पूरे शारीरिक संतुलन की मजबूत नींव रखने में बहुत उपयोगी है। देखने में यह आसान लगता है लेकिन यह बुनियादी योगासन सजगता, रीढ़ की हड्डी और शरीर के विभिन्न अंगों के बेहतर तालमेल में कारगर है।

एक्सपर्ट के अनुसार, पोस्चर में सुधार, स्थिरता बनाना और स्पाइनल अलाइनमेंट को सपोर्ट करना एक आसान स्टैंडिंग पोज से शुरू किया जा सकता है। आजकल की व्यस्त जीवनशैली में लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल पर काम करने के कारण गलत मुद्रा की समस्या आम हो गई है। इससे पीठ दर्द, गर्दन में दर्द और थकान जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में ताड़ासन नियमित अभ्यास से इन समस्याओं से राहत मिल सकती है।

ताड़ासन अभ्यास के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। इसके बाद दोनों पैरों को जोड़कर रखें और वजन समान रूप से दोनों पैरों पर बांटें। फिर घुटनों को सीधा रखते हुए जांघों को थोड़ा अंदर की ओर खींचते हुए पेट को हल्का अंदर की ओर रखें और छाती को आगे की ओर करें और कंधों को पीछे व नीचे की ओर रखें ताकि रीढ़ सीधी रहे। इस दौरान गर्दन सीधी रखें और आंखों को आगे किसी बिंदु पर केंद्रित करें व हाथों को शरीर के दोनों ओर सीधा रखें या फिर दोनों हाथों की हथेलियों को जोड़कर नमस्कार मुद्रा में छाती के सामने रखें। अभ्यास के दौरान गहरी सांस लेते और छोड़ते रहें। इस मुद्रा में 30 से 60 सेकंड तक रहें।

ताड़ासन के अभ्यास से तन-मन दोनों को कई लाभ मिलते हैं। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत और सीधा रखता है, कंधों और गर्दन की जकड़न कम करता है, शरीर के संतुलन और स्थिरता को बढ़ाता है। आत्मविश्वास बढ़ाता है और मन को एकाग्र करता है और पूरे शरीर में ऊर्जा का संचार करता है।

आयुष मंत्रालय सभी उम्र के लोगों, खासकर युवाओं और ऑफिस जाने वाले लोगों से अपील करता है कि वे अपनी दिनचर्या में ताड़ासन को शामिल करें।

गुजरात की लगातार चौथी जीत:राजस्थान को 77 रन से हराया

जयपुर । गुजरात टाइटंस ने शनिवार को आईपीएल में लगातार चौथी जीत हासिल की। टीम ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रन के अंतर से हराया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में राजस्थान 16.3 ओवर में 152 रन ही बना सकी। टीम का कोई भी बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका। रवींद्र जडेजा (38 रन) टॉप स्कोरर रहे। कप्तान शुभमन गिल ने 44 बॉल पर 9 चौकों और 3 छक्कों से सजी अर्धशतकीय पारी खेली। साई सुदर्शन ने 36 बॉल पर 55 रन बनाए। साई ने 6 चौके और 2 छक्के लगाए। राजस्थान के बृजेश शर्मा को 2 विकेट मिले।

आईपीएल 2026: हार्दिक, अक्षर और शिवम दुबे पर भारी पड़ रहा ये युवा ऑलराउंडर

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 की शुरुआत टी20 विश्व कप 2026 के ठीक बाद हुई थी। भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीता था। विश्व कप वाली भारतीय टीम में तीन दिग्गज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और शिवम दुबे थे। तीनों ने भारत को लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का चैंपियन बनाने में अपनी-अपनी भूमिका निभाई थी। तीनों से इनकी आईपीएल फ्रेंचाइजियों को सीजन में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन तीनों ने निराश किया है।

हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, और शिवम दुबे की तुलना में एक युवा भारतीय ऑलराउंडर ने शानदार प्रदर्शन किया है और अपनी टीम की सफलता में बड़ी भूमिका निभाई है। हम बात कर रहे हैं सनराइजर्स हैदराबाद के युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की, जिन्होंने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और उपयोगी तेज गेंदबाजी से टीम की सफलता में बड़ी भूमिका निभाई है।

22 साल के इस ऑलराउंडर ने 10 मैचों की 9 पारियों में 1 अर्धशतक की मदद से 222 रन बनाए हैं। उनका औसत 31.71 और स्ट्राइक रेट 166.91 रहा है। वहीं, नितीश ने 7 विकेट भी झटके हैं। एसआरएच 11 मैचों में 7 मैच जीतकर पहले स्थान पर है। इसमें नितीश की प्रभावी पारियों और बेहतरीन गेंदबाजी का योगदान रहा है। अब अगर हम हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और शिवम दुबे के प्रदर्शन पर नजर डालें तो मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या 8 मैचों की 8 पारियों में 146 रन बनाए हैं और 4 विकेट लिए हैं। दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी कर रहे अक्षर पटेल 11 मैचों की 8 पारियों में मात्र 44 रन बना सके हैं। पटेल के नाम 10 विकेट हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल रहे शिवम दुबे दुबे 9 मैचों की 8 पारियों में 150 रन बना सके हैं। उनके नाम एक भी अर्धशतक नहीं है।

रोहित शर्मा के साथ सेल्फी लेने आई महिला फैन का फोन स्विच ऑफ हो गया, फिर क्या हुआ?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा मौजूदा समय के सर्वाधिक लोकप्रिय क्रिकेटर हैं। रोहित जहां भी जाते हैं, उनके साथ सेल्फी लेने वाले फैंस की भीड़ लग जाती है। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच अगला मैच रायपुर में रविवार को होने वाला है। दोनों टीमें इस मैच के लिए रायपुर में पहुंच गई हैं। मुंबई इंडियंस के पूर्व

कप्तान रोहित शर्मा के लिए यहां भी फैंस के बीच क्रेज दिखा। मुंबई इंडियंस ने शनिवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से एक 42-सेकंड का वीडियो शेयर किया है। इसमें रोहित शर्मा को सामने पाकर एक महिला फैन की खुशी देखते बनती है। वीडियो में रोहित टीम बस में जा रहे होते हैं। इतने में एक महिला उनका नाम लेते हुए सेल्फी के लिए उनके पास दौड़ी हुई आती है।

महिला फैन रोहित को देख इतनी खुश है कि उन्हें गले लगाने को दौड़ती है। रोहित फैंस से हाथ मिलाते हैं। महिला फैन रोहित के लिए 'आप बेस्ट हो' कहते हुए अपना फोन निकालती है और सेल्फी लेने की कोशिश करती है। फोन में किसी खराबी के कारण वह सेल्फी नहीं ले पाती और फिर कहती है कि मेरा फोन ऑफ हो गया। इतने में रोहित एक बच्चे के साथ तस्वीर खिंचवाते हैं और अपनी बस की तरफ बढ़ जाते हैं।

अनुकूल रॉय अच्छे खिलाड़ी, केकेआर मैनेजमेंट से मिले समर्थन ने आत्मविश्वास बढ़ाया: दीप दासगुप्ता

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दीप दासगुप्ता का मानना ??है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ऑलराउंडर अनुकूल रॉय इस आईपीएल सीजन में टीम मैनेजमेंट से लगातार समर्थन का कारण बढ़े आत्मविश्वास की वजह से अच्छा प्रदर्शन कर पा रहे हैं। दीप दासगुप्ता ने ईएसपीएनक्रिकइंफो पर कहा, 'वह हमेशा से एक अच्छा खिलाड़ी रहा है। घरेलू सीज़न में उसका अच्छा प्रदर्शन रहा है। यही वजह है कि आईपीएल में उसका अच्छा प्रदर्शन

रहा है और उसे आत्मविश्वास है कि वह अगले मैचों में भी खेलेगा।

उन्होंने कहा कि अनुकूल को टीम में उनके रोल के बारे में स्पष्टता मिली हुई है। वह पावरप्ले में कम से कम एक या दो ओवर गेंदबाजी करता है, साथ ही बल्लेबाजी भी अच्छी करता है। मुझे लगता है कि वह सच में एक अच्छा पैकेज है। उसने अच्छी फील्डिंग भी की है। इसलिए उसका यह सीजन अच्छा रहा है। अनुकूल रॉय ने आईपीएल 2026 में केकेआर के लिए एक ऑलराउंडर के तौर पर शानदार और प्रभावी प्रदर्शन किया है। शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली जीत में अनुकूल बतौर गेंदबाज बेहतरीन रहे थे। उन्होंने गेंदबाजी की शुरुआत की थी और 4 ओवर में 31 रन देकर 2 विकेट लिए थे। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने पाथुम निसांका और ट्रिस्टन स्टब्स के महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। अनुकूल, अपनी बेहतरीन गेंदबाजी, बल्लेबाजी, और क्षेत्ररक्षण क्षमता के कारण, सीजन में केकेआर के लिए एक अहम खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। सीजन की 5 पारियों में 39 रन बनाने वाले इस खिलाड़ी ने 8 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट लिए हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 19 अप्रैल को केकेआर को मिली जीत में रिंकू सिंह के 53 रन की चर्चा हुई थी, लेकिन उनके साथ दूसरे छोर पर अनुकूल राय भी 16 गेंदों पर 29 रन बनाकर नाबाद थे।

वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप: वीर चोटरानी ने पहले मैच में अभय सिंह को हराया

गीजा। भारत के वीर चोटरानी ने यहां पाम हिल्स क्लब और पीजीसी गोल्फ सेंट्रल मॉल में वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप के पुरुषों के पहले राउंड में हमवतन अभय सिंह को पांच गेम तक चले मुकाबले में मात दी। चोटरानी ने सिंह को 14-12, 8-11, 5-11, 11-7, 11-2 से हराया। 45वीं रैंक वाले वीर चोटरानी की 22वीं रैंक के अभय सिंह के खिलाफ तीन मैचों में दूसरी जीत है। शुरुआती गेम में अभय सिंह को कड़े टाई-ब्रेक में हराने के बाद, वीर चोटरानी को अगले दो गेम में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, चोटरानी ने अगले दो गेम जीतकर दूसरे राउंड में जगह बनाई।

जीत के बाद चोटरानी ने कहा, 'वर्ल्ड चैंपियनशिप के पहले राउंड में अपने ही देश के खिलाड़ी के साथ खेलना जाहिर तौर पर मुश्किल है। हम नहीं चाहते कि हममें से कोई पहले राउंड में बाहर हो जाए, लेकिन यह प्लान ऐसे ही था, और मैं बहुत खुश हूं कि मैं इसमें सफल रहा। उन्होंने आगे कहा, 'पिछले कुछ सप्ताह में मैंने जो मेहनत की है, उसके लिए यह मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला है। ऐसा परिणाम मिलना सकारात्मक है। पिछली बार जब हम इंडिया में फाइनल में खेले थे, तो मैं अभय से हार गया था और मैं उस प्रदर्शन से बहुत निराश था। चोटरानी अब रविवार को दुनिया के नंबर 1 मिस्र के मुस्तफा असल के खिलाफ खेलेंगे।

64 खिलाड़ियों वाले फील्ड में रमित टंडन और वेलावन सेंथिलकुमार अपने कैंपेन की शुरुआत मिस्र के वर्ल्ड नंबर 21 करीम एल टॉर्की और फ्रांस के वर्ल्ड नंबर 5 विक्टर क्रूइन के खिलाफ पहले राउंड के मैचों से करेंगे।

एयरपोर्ट की भीड़ उपलब्धि की अहमियत को परिभाषित नहीं करती': सुमित राठी

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉलर सुमित राठी ने क्रिकेटरों के अलावा दूसरे भारतीय एथलीटों को बड़ी पहचान नहीं मिलने पर चल रही बहस पर अपना अलग नजरिया साझा किया है। सुमित ने कहा है कि एयरपोर्ट पर भीड़ इंतजार कर रही हो या नहीं, इससे उनकी उपलब्धि की कीमत नहीं बदलती है।

सुमित राठी का यह बयान भारतीय बैडमिंटन स्टार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के भारत में नॉन-क्रिकेट स्पोर्ट्स के एथलीटों को पहचान न मिलने पर निराशा जताने के बाद आई है।

राठी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि मैं जो गेम खेल रहा हूं, उसमें मैं 10 या 12 देशों के साथ मुकाबला नहीं कर रहा हूं। मैं 200 से ज्यादा देशों के साथ मुकाबला कर रहा हूं। पूरी दुनिया फुटबॉल खेलती है। अगर एयरपोर्ट खाली भी हो, तो कोई फर्क नहीं पड़ता। एयरपोर्ट भरने या खाली होने से मेरी कामयाबी न तो कम और न हीं ज्यादा होगी। कामयाबी की कीमत कम नहीं होती। भीड़ कामयाबी को परिभाषित नहीं करती।

डिफेंडर ने कहा कि फुटबॉलर्स को दूसरे खेलों के एथलीटों से लोकप्रियता की तुलना करने के बजाय अपने प्रदर्शन और भारतीय फुटबॉल को ऊंचे लेवल पर ले जाने पर फोकस करना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'मैं बस अपने देश के लिए अच्छे इरादे और अच्छी कोशिश के साथ अपना काम करना चाहता हूं। अगर हम आज नहीं करेंगे, तो कल करेंगे। लेकिन अगर कामयाबी लोगों तक पहुंचेगी, तो समर्थन जरूर मिलेगा।

राठी ने इस बात पर भी जोर दिया कि थोड़ी पहचान भी मायने रखती है क्योंकि इंडिया में फुटबॉल अभी भी बढ़ रहा है। अभी, शायद दस लाख लोग आपको नहीं जानते होंगे, लेकिन कम से कम दस हजार लोग आपको जानते हैं। यह भी एक उपलब्धि है। मैं विदेश में कोशिश करना चाहता हूं। मैं अपने देश को एक ऊंचे स्तर पर ले जाना चाहता हूं। जब हम अच्छा करेंगे, तो लोग अपने आप हमें सपोर्ट करेंगे।

बता दें कि भारतीय बैडमिंटन स्टार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने थॉमस कप में भारतीय टीम के कांस्य पदक जीतने के बाद एयरपोर्ट पर प्रशंसकों की कमी पर निराशा जताई थी।

उन्होंने कहा था कि भारत की जर्सी पहनने और बड़े बैडमिंटन टूर्नामेंट में सफलता हासिल करने के बावजूद, एयरपोर्ट पर ज्यादातर लोग आईपीएल और राजनीति पर ध्यान दे रहे थे। थॉमस कप में कांस्य पदक जीतना बहुत मुश्किल था और ऐसे ऐतिहासिक पलों का जश्न पूरे देश में मनाया जाना चाहिए था। हालांकि बाद में सफाई देते हुए सात्विकसाईराज ने कहा था कि इस बीच, सात्विकसाईराज ने भी शुक्रवार को अपने कमेंट्स पर सफाई दी और कहा कि उनकी निराशा निजी लोकप्रियता या वित्तीय फायदे की चाहत से नहीं थी, बल्कि बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि के बाद देश में चुप्पी के भावनात्मक प्रभाव पर थी।

नेमार श्रेष्ठ खिलाड़ियों में एक, विश्व कप के लिए उनका समर्थन करूंगा: लियोनल मेसी

ब्यूनस आयर्स। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी का मानना ??है कि ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार अभी भी इस खेल के श्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। मेसी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ब्राजील का यह फॉरवर्ड अगले महीने होने वाले फीफा विश्व कप में खेलेगा।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार मेसी ने लो डेल पोलो शो में कहा, 'हम चाहते हैं कि विश्व कप में सबसे अच्छे खिलाड़ी हों और नेमार, चाहे उनका फॉर्म कैसा भी हो, हमेशा उनमें से एक रहेंगे।

उन्होंने कहा, 'ब्राजील और फुटबॉल के लिए उनके बहुत मायने हैं, इसलिए उन्हें विश्व कप में देखना बहुत अच्छा होगा। मुझे उम्मीद है कि वह वहां होंगे, लेकिन मैं किसी चीज को लेकर निष्पक्ष नहीं रह सकता, क्योंकि उन्हें हमेशा वहां रहना होता है। मेसी ने माना कि उनकी दोस्ती की वजह से उनके लिए निष्पक्ष रहना मुश्किल हो गया।

उन्होंने कहा, 'मैं किसी चीज को लेकर निष्पक्ष नहीं रह सकता। नेमार एक दोस्त है। जाहिर है, मैं चाहूंगा कि वह विश्व कप में हो, उसके साथ अच्छी चीजें हों क्योंकि वह जैसा इंसान है, उसके लिए वह इसके लायक है। और मुझे उम्मीद है कि वह वहां हो सके।

पेंटाला हरिकृष्णा: शतरंज में वैश्विक स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाले दिग्गज खिलाड़ी

नई दिल्ली। शतरंज की दुनिया में जिन खिलाड़ियों ने भारत का नाम वैश्विक मंच पर रोशन किया है, उनमें पेंटाला हरिकृष्णा का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। हरिकृष्णा को तकनीकी रूप से दक्ष खिलाड़ी माना जाता है।

पेंटाला हरिकृष्णा का जन्म 10 मई, 1986 को आंध्र प्रदेश के गुंटूर में हुआ था। उन्होंने बचपन में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था और अपनी असाधारण प्रतिभा के दम पर जल्द ही राष्ट्रीय स्तर और फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरे।

हरिकृष्णा ने 2001 में 15 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर का खिताब जीता था। इसके बाद 2004 में विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम बनाया था। विश्वनाथन आनंद के बाद यह खिताब जीतने वाले वह दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने थे। हरिकृष्णा 2001 में कॉमनवेल्थ चैंपियन और 2011 में एशियन इंडिविजुअल चैंपियन रहे थे। 2012 में टाटा स्टील ग्रुप बी और 2013 में उन्होंने एमटीओ मास्टर्स टूर्नामेंट ओपन इवेंट जीता। हरिकृष्णा ने 2000 से 2012 तक सात चेस ओलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 2010 में वर्ल्ड टीम चेस चैंपियनशिप में टीम कांस्य जीता। एशियन टीम चैंपियनशिप में, हरिकृष्णा ने अपनी टीम के लिए स्वर्ण पदक और दो रजत पदक (2003 और 2012) जीते।

इस दिग्गज खिलाड़ी ने अपने करियर में कई विश्व चैंपियन और एलीट ग्रैंडमास्टर्स को हराया है। उनके बेहतरीन खेल और सफलता ने उन्हें दुनियाभर के खेल प्रेमियों के बीच बड़ी पहचान दिलायी है। हरिकृष्णा की इस पहचान में उनके अनुशासन, गहरी तैयारी और अंतरराष्ट्रीय शतरंज में लंबे समय तक टीके रहने की उनकी क्षमता अहम योगदान रहा है।

मौजूदा समय में भारत के डी. गुकेश और आर. प्रज्ञानंदा जैसे युवा खिलाड़ी वैश्विक मंच पर शतरंज की दुनिया में धूम मचा रहे हैं। इन खिलाड़ियों के लिए पेंटाला हरिकृष्णा का करियर प्रेरणादायी रहा है। 40 साल के होने जा रहे पेंटाला हरिकृष्णा अभी भी शतरंज की दुनिया में सक्रिय हैं और बड़े खिताबों पर अपनी नजर बनाए हुए हैं।

नाडा ने यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा को नोटिस जारी किया: रिपोर्ट

नई दिल्ली। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने कथित तौर पर भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को एंटी-डोपिंग नियमों के तहत जगह न बताने पर नोटिस जारी किया है। दोनों खिलाड़ी अभी नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल (आरटीपी) का हिस्सा हैं और उनकी नियमित टेस्टिंग (जांच) होती है। उन्हें अपनी जगह की जानकारी देनी होगी ताकि बिना किसी पूर्व सूचना के टेस्टिंग के लिए उनका पता लगाया जा सके।

नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल में शामिल एथलीटों को हर तिमाही में अपनी जगह की जानकारी देनी होती है, जिसमें घर का पता, ईमेल एड्रेस और फोन नंबर, रात में रुकने का पता, टूर्नामेंट का शेड्यूल और जगहें, टूर्नामेंट कब और कहां हो रहा है, और हर दिन के लिए 60 मिनट का टाइम स्लॉट जब वे टेस्टिंग के लिए उपलब्ध होंगे। किसी टेस्ट के छूटने के जिम्मेदार एथलीट होते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक डोप कंट्रोल अधिकारी (डीसीओ) पिछले साल 17 दिसंबर को यशस्वी जायसवाल और 7 नवंबर को शेफाली वर्मा का टेस्ट करने पहुंचे थे, लेकिन दोनों अपनी बताई गई जगहों पर नहीं मिले थे।

नाडा ने इस साल 18 और 20 फरवरी को दोनों क्रिकेटरों से इसका जवाब मांगा था। दोनों ने कोई जवाब नहीं दिया था। इसलिए, नाडा ने आधिकारिक तौर पर खिलाड़ियों का 'पहला मिस्ड टेस्ट' रिकॉर्ड किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों क्रिकेटरों को जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। दोनों खिलाड़ियों के मिस्ड टेस्ट की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और आईसीसी को भी दी गई है।

दोनों क्रिकेटरों को बहुत सावधान रहना होगा, क्योंकि 12 महीने के समय में तीन मिस्ड टेस्ट नाडा एंटी-डोपिंग के आर्टिकल 2.4 के तहत एंटी-डोपिंग नियम का उल्लंघन माना जाएगा। इसकी सजा 4 तक हो सकती है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415